राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्ज्वल दुनिया

खंबरों की बुलंद आवाज

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

वर्ष, 12 | पृष्ठ 12 | अंक 186 | रांची, शनिवार, 12 सितंबर 2026 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

आज का दिन

इतिहास के पन्नों में 12 सितम्बर : जब मिहिर सेन ने रचा तैराकी का विश्व रिकॉर्ड भारतीय तैराकी के इतिहास में 12 सितंबर का दिन महान तैराक मिहिर सेन की साहसिक उपलब्धियों के लिए खास महत्व रखता है। लंबी दूरी की तैराकी में असाधारण क्षमता रखने वाले मिहिर सेन ने अपने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प से दुनिया में भारत का नाम रोशन किया।

मोदी-पुतिन बैठक: द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा व वैश्विक राजनीतिक मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यहां रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन से द्विपक्षीय मुलाकात की जिसमें दोनों पक्षों ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, कौशल विकास आदि क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की और वैश्विक एवं भू-राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की जिसमें यूक्रेन युद्ध, काला सागर क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हमले एवं भारतीय नाविकों की सुरक्षा के मुद्दे भी शामिल थे।

पुतिन भारत की अध्यक्षता में कल से शुरू हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आज तड़के यहां पहुंचे हैं और वह तीन दिन की यात्रा पर आये हैं।

भारत मंडपम में अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे हुई इस मुलाकात के बारे में विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक में दोनों नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, कौशल गतिशीलता और लोगों के बीच आपसी संबंधों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने रूस की अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक प्रदर्शनी इनोप्रोम इंडिया का स्वागत किया, जो पहली बार भारत में 9-11 सितंबर 2026 को आयोजित की गई और व्यापार तथा औद्योगिक संबंधों को और बढ़ाने में इसके महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने इनोप्रोम इंडिया प्रदर्शनी का दौरा भी किया और प्रतिभागियों से बातचीत की।

विदेश मंत्रालय के अनुसार नेताओं ने बहुपक्षीय क्षेत्र में भारत-रूस जुड़ाव, विशेष रूप से 2026 में भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स के संदर्भ में, विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने आपसी हित के प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दृष्टिकोण साझा किए, जिनमें पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में संघर्ष शामिल हैं, जिनका समुद्री व्यापार और भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर असर पड़ा है। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि बातचीत और कूटनीति ही संघर्षों को सुलझाने का सही तरीका है और भारत शांति प्रयासों में सहायता के लिए तैयार है।

दोनों नेता दोनों देशों के बीच 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझीदारी' को और मजबूत करने के प्रयासों को आगे बढ़ाते रहने पर सहमत हुए और उन्होंने माना कि इस साझीदारी में लगातार महत्वपूर्ण वृद्धि हो रही है और इसने भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद मजबूती दिखाई है। प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की इस साल यह दूसरी मुलाकात थी। दोनों नेता इससे पहले 31 अगस्त 2026 को बिश्केक में 26वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान मिले थे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को 24वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस आने का निमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया। शिखर सम्मेलन की तारीखें राजनयिक माध्यमों से आपसी सुविधा के अनुसार तय की जाएंगी। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को 'तिरुक्कुरल' का रूसी अनुवाद भेंट किया, जो महान तमिल कवि तिरुवल्लुवर की शाश्वत शिक्षाओं पर आधारित है और इसका अनेक भाषाओं में अनुवाद उनकी शिक्षाओं को भाषाओं और सीमाओं के पार पहुंचाता है।

ब्रिक्स ने जी-7 को पीछे छोड़ा, वैश्विक आर्थिक वृद्धि में भी बढ़ी हिस्सेदारी : पुतिन

एजेंसी

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिक्स और जी-7 के बीच आर्थिक प्रदर्शन की तुलना करते हुए शुक्रवार को कहा कि पिछले पांच वर्षों में विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में ब्रिक्स देशों की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक रही, जबकि जी-7 की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत रही। इसी अवधि में वैश्विक आर्थिक वृद्धि में ब्रिक्स का योगदान आधे से अधिक रहा।

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में पुतिन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा कई बार प्रतिबंधों, परिवहन मार्गों में बाधा और अन्य दबावों का रूप ले रही है। इसके बावजूद ब्रिक्स देशों के बीच व्यावसायिक

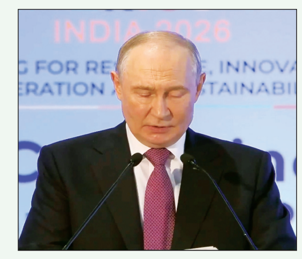

सहयोग और निवेश वैश्विक आर्थिक संबंधों को अधिक मजबूत और लचीला बनाने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में आर्थिक वृद्धि के पुराने केंद्रों की जगह नए विकास केंद्र ले रहे हैं। इसका प्रमुख कारण ब्रिक्स देशों की बड़ी आबादी और उनके गतिशील घरेलू बाजार हैं।

पुतिन ने कहा कि रूस पर 30 हजार से अधिक प्रतिबंध लगाए गए हैं। यह दुनिया के अन्य सभी देशों पर लगाए गए प्रतिबंधों की कुल संख्या से करीब दोगुने हैं। इसके बावजूद रूस ने अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता को मजबूत किया और विश्वसनीय साझेदारों के साथ आर्थिक संबंध बढ़ाए। पिछले तीन वर्षों में रूस की आर्थिक वृद्धि विश्व औसत से अधिक रही। रूसी राष्ट्रपति के अनुसार, 2023-24 में रूस की अर्थव्यवस्था में 10.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और बेरोजगारी दर घटकर रिकॉर्ड 2.3 प्रतिशत रह गई। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वायत्त प्रणालियों, डिजिटल मंचों और आधुनिक वित्तीय साधनों जैसे क्षेत्रों में तकनीकी बदलावों का भी उल्लेख किया। इनमें रूसी घरेलू तकनीक के साथ ब्रिक्स साझेदारों के समाधान भी शामिल हैं।

रांची समेत पूरे झारखंड में बैंककर्मियों की हड़ताल, बैंकों में लटके रहे ताले

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड सहित देशभर में आज सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में एकदिवसीय हड़ताल है. यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के आह्वान पर सभी बैंक कर्मचारी और अधिकारी एक दिवसीय हड़ताल पर रहे. राजधानी रांची के अरगोड़ा चौक के नजदीक अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े कर्मचारियों ने केंद्र सरकार के रुख पर नाराजगी जताते हुए जमकर नारेबाजी की और पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने, ढछक भुगतान की विसंगतियों को दूर करने और 8 मार्च 2024 को हुए समझौते को लागू करने की मांग की.

केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ निकाली भड़ास

बैंक कर्मियों ने कहा कि केंद्र सरकार के साथ 8 मार्च 2024 को मांगों को लेकर समझौता हुआ था, जो अब तक लागू नहीं किया गया है. यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के वरीय उपाध्यक्ष एसके ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार के अड़ियल रुख की वजह से बैंककर्मी बेहद परेशान हैं. केंद्र सरकार के कार्यालयों या बीमा सेक्टर में पांच दिनों का कार्यदिवस लागू है, लेकिन बैंककर्मी जो रात 10 बजे तक काम करते हैं उनके प्रति दोहरी नीति अपनाई जा रही है. ऐसे में अत्यधिक कार्य दबाव के कारण अब तक 1200 बैंककर्मियों ने आत्महत्या की है। वहीं, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के संयुक्त संयोजक मुनिन्द्र लाल सिंह ने कहा कि हमने केंद्र सरकार से पांच दिवसीय बैंकिंग कारोबार लागू करने की मांग की थी. इसके बदले में बैंक यूनियनों ने आश्वस्त किया था कि बैंकों में 40 मिनट अतिरिक्त समय देकर सभी बैंककर्मी समय का समायोजन कर देंगे।

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने की तेनुघाट बहु-ग्रामीण एवं एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा

15 दिनों के भीतर कार्य प्रारंभ नहीं करनेवाले संवेदकों पर होगी नियमसंगत कार्रवाई

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने राज्य में पेयजल विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निदेश दिया की योजनाओं की प्रगति में तेजी लायें तथा लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने में गंभीरता से लें । राज्य स्तर से एक उच्चस्तरीय टीम गठित कर सभी योजनाओं का स्थलीय अवलोकन एवं विस्तृत समीक्षा कराई जाए तथा जिन योजनाओं में कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, उनमें 15 दिनों के भीतर कार्य प्रारंभ कराना सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्धारित अवधि में कार्य प्रारंभ नहीं करने वाले संवेदकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही, योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही या उदासीनता बरतने वाले संबंधित पदाधिकारियों की

भी जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। वे शुक्रवार को नेपाल हाउस स्थित विभागीय कान्फ्रेस हॉल में समीक्षा बैठक कर रहे थे । जिसमें धनबाद अंचल अंतर्गत तेनुघाट बहु-ग्रामीण जलापूर्ति एवं एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा की गई।

जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराना : मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र भ्रमण को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं की वास्तविक स्थिति का सत्यापन करें तथा ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं जलापूर्ति से संबंधित शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराना है, इसलिए योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान विशेष रूप से गोमिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सभी जलापूर्ति योजनाओं की प्रगति की विस्तृत चर्चा की गई ।योजनाओं की भौतिक प्रगति, भुगतान स्थिति, क्षेत्र भ्रमण के माध्यम से योजनाओं का सत्यापन तथा ग्रामीणों से संवाद, साथ ही क्रियाशील घरेलू नल संयोजन की स्थिति को प्रमुख आधार बनाया गया। राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में जल जीवन मिशन के अभियान निदेशक, अभियंता प्रमुख, मुख्य अभियंता, पीएमयू, मुख्य अभियंता सी.डी.ओ., धनबाद के अधीक्षण अभियंता सहित चास एवं तेनुघाट प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता उपस्थित रहे।

अमित शाह ने मोहन भागवत को जन्मदिन की बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत को जन्मदिन की बधाई दी। शाह ने भागवत की संघ प्रचारक से लेकर सरसंघचालक तक की यात्रा को राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति समर्पण की अद्वितीय मिसाल बताया।

शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में मोहन भागवत के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि प्रचारक के रूप में उन्होंने देश के कोने-कोने में जाकर समाज को करीब से समझा। उन्होंने कहा कि सरसंघचालक के रूप में भागवत संघ के माध्यम से सेवा, संस्कार और चरित्र निर्माण के कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं तथा समाज में राष्ट्र प्रथम की भावना को मजबूत करने में योगदान दे रहे हैं।

गृहमंत्री ने भागवत के भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति समर्पण को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भागवत की सार्वजनिक जीवन की यात्रा समाज को समझने और उसके साथ जुड़कर राष्ट्रसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का उदाहरण है।

व्यापार बाधाएं बढ़ने के दौर में भारत आर्थिक पुल बना रहा है : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में व्यापार बाधाएं बढ़ने के बीच भारत आर्थिक पुल बना रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार तभी आगे बढ़ सकता है, जब समुद्री मार्ग सुरक्षित हों, आपूर्ति मार्ग खुले रहें और नाविक सुरक्षित हों। भारत नौवहन की स्वतंत्रता और नाविकों की सुरक्षा का दृढ़ समर्थक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम ह्यलचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माणह्ल है। भारत ने ऊर्जा से लेकर प्रौद्योगिकी तक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक विविध और भरोसेमंद बनाया है। सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई अड्डों के विस्तार के साथ जहाज निर्माण, सेमीकंडक्टर, क्वांटम, महत्वपूर्ण खनिज और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में नई क्षमताएं विकसित की जा रही हैं।

प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल से शीर्ष 10 व्यापार बाधाओं को हटाने के लिए रिपोर्ट तैयार करने, हर वर्ष 100 ब्रिक्स स्टार्टअप को दूसरे ब्रिक्स बाजारों में विस्तार में मदद करने और कारोबारों के बीच 1,000 नई साझेदारियां विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों की हर वर्ष समीक्षा होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद भारत ने करीब 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। ब्रिक्स में भी भारत का दृष्टिकोण व्यापार बाधाओं को कम करना और कारोबार के अवसर बढ़ाना है। भारत की अध्यक्षता में कृषि, स्वास्थ्य, कौशल और स्मार्ट ग्रिड जैसे क्षेत्रों में नए सहयोग नेटवर्क बनाए गए हैं। स्टार्टअप और छोटे एवं मझोले उद्यमों को बाजार तथा वित्त से जोड़ने के लिए ब्रिक्स इनक्यूबेटर नेटवर्क, ब्रिक्स एमएसएमई पोर्टल और ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड जैसी पहल की गई हैं।

उन्होंने कहा, आज दुनिया में होने वाले वास्तविक समय के 50 प्रतिशत भुगतान इसी तकनीक के माध्यम से होते हैं। इस डिजिटल व्यवस्था पर नए समाधान तैयार करने के लिए हमने उद्योग और स्टार्टअप को एक खुला तंत्र उपलब्ध कराया है। हमें गर्व है कि भारत की इस विश्वस्तरीय व्यवस्था को कई देश अपना रहे हैं। ब्रिक्स देशों के नवोन्मेषक भी इस अनुभव के आधार पर अपने देशों के लिए नए समाधान तैयार कर सकते हैं।

ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2006 में चार देशों से शुरू हुआ ब्रिक्स आज सदस्य और साझेदार देशों को मिलाकर 21 देशों का परिवार बन चुका है। ब्रिक्स देश दुनिया की करीब 50 प्रतिशत आबादी, 40 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद और 25 प्रतिशत से अधिक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद जहां करीब ढाई गुना बढ़ा, वहीं ब्रिक्स देशों की संयुक्त अर्थव्यवस्था करीब साढ़े चार गुना बढ़ी है।

उन्होंने कहा, ब्रिक्स महिला व्यवसाय गठबंधन भी हमारे दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम चाहते हैं कि महिला उद्यमी हमारी विकास यात्रा का नेतृत्व करें। हमें खुशी है कि भारत में आयोजित इस गठबंधन की बैठक में करीब 200 महिला कारोबारी नेताओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि भारत में दो लाख से अधिक स्टार्टअप और 120 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। भारतीय स्टार्टअप कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य, हरित हाइड्रोजन, बैटरी, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया के 50 प्रतिशत वास्तविक समय के भुगतान इसी तकनीक पर होते हैं।

मेदांता हॉस्पिटल रांची में नेफ्रो क्रिटिकल केयर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची। मेदांता हॉस्पिटल, रांची द्वारा EZCCON (East Zone Critical Care Society)के सहयोग से नेफ्रो क्रिटिकल केयर (Nephro Critical Care) विषय पर एक दिवसीय उन्नत अकादमिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न हिस्सों से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं फैकल्टी ने हिस्सा लिया और अस्पताल की मेडिकल एवं क्रिटिकल केयर टीम को किडनी से संबंधित गंभीर रोगों के आधुनिक उपचार एवं प्रबंधन की जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने डायलिसिस, रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी (RRT), कंटीन्यूअस रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी (CRRT) तथा एडवांस नेफ्रोलॉजी उपचार पद्धतियों पर विस्तृत चर्चा एवं प्रशिक्षण दिया। गंभीर रूप से बीमार मरीजों में एक्यूट किडनी इंजरी (AKI) सहित जटिल किडनी संबंधी समस्याओं के समय पर पहचान, उपचार और आधुनिक रीनल सपोर्ट की भूमिका पर भी विशेष जोर दिया गया। वर्तमान समय में बड़ी संख्या में मरीज एक्यूट किडनी इंजरी और अन्य गंभीर किडनी संबंधी बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। ऐसे मरीजों के उपचार में अत्याधुनिक नेफ्रोलॉजी एवं क्रिटिकल केयर सुविधाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मेदांता हॉस्पिटल रांची में नेफ्रोलॉजी के क्षेत्र में उन्नत क्लिनिकल सेवाएं उपलब्ध हैं, जिसमें जटिल किडनी रोगों के उपचार के साथ-साथ किडनी ट्रांसप्लांट जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं भी शामिल हैं। इस अवसर पर मेदांता हॉस्पिटल रांची के हॉस्पिटल डायरेक्टर श्री विश्वजीत कुमार ने कहा, हमें गर्व है कि हम लगातार ऐसी अकादमिक एवं क्लिनिकल गतिविधियों का आयोजन कर रहे हैं, जिनका सीधा लाभ मरीजों तक पहुंचता है। इस तरह की कार्यशालाओं से हमारे चिकित्सकों और क्लिनिकल टीम को देश के अग्रणी विशेषज्ञों से सीखने, नई उपचार तकनीकों को समझने और उन्हें मरीजों के उपचार में बेहतर तरीके से लागू करने का अवसर मिलता है। हमारा अंतिम उद्देश्य मरीजों को बेहतर, सुरक्षित और अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. तपस साहू, डॉ. विजय कुमार सिंह, डॉ. मनोज कुमार एवं मेदांता हॉस्पिटल की पूरी क्रिटिकल केयर टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एक नजर

भादो अमावस्या के शुभ अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ शनि महोत्सव आयोजित

रांची। रांची के पंडरा स्थित काला झंडा शनि मंदिर में भादो अमावस्या के शुभ अवसर पर आयोजित शनि महोत्सव विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संध्या आरती के बाद हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हो गया ,महोत्सव की शुरूआत सुबह 8:00 बजे मंदिर परिसर में काला ध्वज फहराने के साथ हुई , शनिदेव के विग्रह का पवित्र जल स्नान के बाद तेल अभिषेक कर काला कपड़ा ,नीला कपड़ा, नीला फूल ,अकवन के फूल पत्ते , काला उड़द,काला तिल ,गुड ,दही , और लोहा अर्पण कर विशेष पूजन व अनुष्ठान किया गया, श्रद्धालुओं के बीच मीठे प्रसाद का वितरण किया गया ,इस शनि महोत्सव के आयोजन में रंजीत महली ,किशन सिन्हा, पूर्णिमा कुमारी, मंजू सिन्हा ,योगेंद्र सिन्हा,बिनोद गुप्ता ,रेखा देवी ,लक्ष्मी सिंह राजपूत ,मीनू गुप्ता ,अमित गुप्ता ,रीना देवी ,घनश्याम गुप्ता आदि लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

तेज रफ्तार ट्रक ने दो चार पहिया वाहनों को मारी टक्कर, भागने का प्रयास विफल

टुंडी। पश्चिमी टुंडी के मनियाडीह थाना क्षेत्र स्थित मुख्य बाजार में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब तेज रफ्तार ट्रक ने लगातार दो चार पहिया वाहनों को टक्कर मार दी। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन स्थानीय लोगों की तत्परता से उसे गोयदाहा गांव के समीप घेर लिया गया। जानकारी के अनुसार, ट्रक संख्या जेएच 10 सीएच-6821 गिरिडीह की ओर किसी कारखाने से कोयला खाली कर राजगंज की ओर जा रहा था। इसी दौरान मनियाडीह मुख्य बाजार में ट्रक ने चार पहिया वाहन संख्या जेएच 10 वाई-8780 एवं जेएच 10 डीडी-4195 को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, ट्रक चालक के शराब के नशे में होने की बात सामने आई। टक्कर के बाद चालक ट्रक लेकर राजगंज की ओर भागने का प्रयास करने लगा। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने मोटरसाइकिल से ट्रक का पीछा किया और गोयदाहा गांव के समीप उसे घेर लिया। इसके बाद मनियाडीह थाना प्रभारी अकबर अहमद खान को मोबाइल फोन के माध्यम से घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही गश्ती दल तत्काल मौके पर पहुंच गया। बताया गया कि सफेद रंग के एक वाहन में कुछ महिलाएं सवार थीं, जिन्होंने पुलिस को बताया कि उन्हें ट्रेन पकड़ने के लिए रेलवे स्टेशन जाना है। स्थिति को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने मानवता का परिचय देते हुए महिलाओं को रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने की व्यवस्था की और वाहन चालक को बाद में थाना आने के लिए कहा। वहीं, दुर्घटना में क्षतिग्रस्त दोनों चार पहिया वाहनों को पुलिस ने थाना लाकर आवश्यक कागजी प्रक्रिया शुरू कर दी। घटना को लेकर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। गश्ती दल में अवर निरीक्षक संतोष कुमार दे, राकेश कुमार राठौर, बिक्रम कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। स्थानीय लोगों की तत्परता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से ट्रक चालक के भागने का प्रयास विफल हो गया।

कैनरा बैंक परिसर में राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल को मिला जोरदार समर्थन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची। आज कैनरा बैंक के परिसर में UFBU के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी एक दिवसीय बैंक हड़ताल का आयोजन किया गया। हड़ताल के दौरान बैंकिंग कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने अपनी लंबित मांगों और विशेष रूप से ढछकमें भेदभाव तथा पाँच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस हड़ताल का नेतृत्व उइडअ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री शैलेष त्रिपाठी जी एवं उइएव के शीर्ष नेता श्री मनीष कुमार सिंह जी ने किया। उनके नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन में 250 से अधिक बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हड़ताल में शामिल कर्मचारियों में PLI (Performance Linked Incentive) में किए गए कथित भेदभाव को लेकर भारी निराशा, असंतोष और आक्रोश देखने को मिला। कर्मचारियों का कहना है कि ढछककी वर्तमान व्यवस्था में रूॅी-क्श एवं उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए 365 दिनों के ढछककी व्यवस्था की गई है, जबकि बड़ी संख्या में अन्य कर्मचारियों को केवल 15 दिनों के ढछकतक सीमित रखा गया है। कर्मचारियों ने इसे समान कार्य एवं योगदान के बावजूद असमान व्यवहार बताते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने एकजुट होकर समान एवं न्यायसंगत ढछक व्यवस्था की मांग उठाई। उनका स्पष्ट कहना था कि बैंक की सफलता में प्रत्येक कर्मचारी का योगदान महत्वपूर्ण है और इसलिए प्रोत्साहन की व्यवस्था भी न्यायपूर्ण, पारदर्शी एवं भेदभावरहित होनी चाहिए। इसके साथ ही वर्ष 2024 से लंबित पाँच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था को लागू करने की मांग को लेकर भी परिसर में जोरदार नारेबाजी की गई। कर्मचारियों ने सरकार से मांग की कि पाँच दिवसीय बैंकिंग की लंबे समय से लंबित मांग पर शीघ्र निर्णय लेते हुए इसे लागू किया जाए। हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने अपनी एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि बैंकिंग कर्मचारियों की जायज मांगों को लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कर्मचारियों ने सरकार एवं संबंधित पक्षों से आग्रह किया कि ढछकमें व्याप्त असमानता को दूर करते हुए सभी वर्गों के कर्मचारियों के लिए न्यायसंगत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा पाँच दिवसीय बैंकिंग की मांग को जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

बीएयू मजदूर संघ का पुनर्गठन, इफ्तेखार खान बने इंटक मजदूर संघ के अध्यक्ष

मजदूरों की समस्याओं को लेकर बैठक में हुई चर्चा, समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनीः हरिनाथ साहू

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कांके। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), रांची के पशु विभाग अंतर्गत मुर्गी फार्म परिसर में प्रबंधन में कार्यरत मजदूरों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मजदूरों की विभिन्न समस्याओं, उनकी मांगों तथा संगठन को मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इसी दौरान मजदूर संघ का पुनर्गठन करते हुए मोहम्मद इफ्तेखार खान को इंटक मजदूर संघ का अध्यक्ष चुना गया। बैठक की अध्यक्षता मोहम्मद इफ्तेखार खान ने की, जबकि संचालन आफताब आलम ने किया। बैठक में मजदूरों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से उठाया। मजदूरों ने कहा कि उनकी समस्याओं का समय पर समाधान नहीं होने से उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हरिनाथ साहू, कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद संजर खान, इंटक के जिला अध्यक्ष संजीव कुमार सिन्हा,विधायक प्रतिनिधि रेशमा बेगम, अख्तरी बेगम, कांके विस्थापन संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजकुमार महतो, कैलाश तिर्की, जोन पोल, सुनीत सिन्हा एवं सरफराज अहमद सहित सैकड़ों की संख्या में प्रबंधन में कार्यरत मजदूर उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए रांची लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हरिनाथ साहू ने प्रबंधन द्वारा मजदूरों की मांगों को नजरअंदाज किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि मजदूरों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने मजदूरों से एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। साथ ही, मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होने की स्थिति में आंदोलन करने की बात कही। वहीं, कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद संजर खान ने कहा कि मजदूरों की समस्याओं को लेकर जल्द ही बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति से भेंटवार्ता की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुलपति को मजदूरों की समस्याओं से अवगत कराते हुए समय रहते उनके निराकरण की मांग की जाएगी। बैठक के दौरान मजदूर संघ के पुनर्गठन के बाद मोहम्मद इफ्तेखार खान को इंटक मजदूर संघ का अध्यक्ष चुने जाने पर उपस्थित मजदूरों ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

चिरकुंडा रेलवे फाटक के पास मिला चिरकुंडा 8 नंबर वार्ड सोनारडंगाल निवासी राहुल शर्मा का शव

एग्यारकुंड। चिरकुंडा पंचमुखी हनुमान मंदिर रेलवे फाटक के समीप चिरकुंडा नगर परिषद के वार्ड संख्या 8 निवासी 35 वर्षीय राहुल शर्मा का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।मृतक की पहचान बिरजू शर्मा के पुत्र राहुल शर्मा के रूप में हुई है। राहुल ट्रक मैकेनिक का काम करता था।बताया जा रहा है कि राहुल शर्मा अपने पीछे पत्नी सुनीता देवी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है।दोनों बच्चे स्कूल में पढ़ाई करते हैं, जिनमें एक की उम्र 12 साल और दूसरे की 8 साल है पत्नी सुनीता देवी व परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है।मृतक की पत्नी सुनीता देवी ने बताया कि कुछ दिन पहले राहुल शराब के नशे में घर आया था और झगड़ा करने के बाद परिवार के लोगों को घर से बाहर निकाल दिया था। अब रेलवे फाटक के समीप उनका शव मिला है। पत्नी ने पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग की है।शव मिलने की सूचना के बाद स्थानीय लोगों में चर्चा का माहौल है।

एक्सिस बैंक और हिताची पेमेंट सर्विसेज ने लॉन्च किए दो एआई समाधान

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची। एक्सिस बैंक और हिताची पेमेंट सर्विसेज ने बैंकिंग और भुगतान सेवाओं को अधिक आसान और स्मार्ट बनाने के लिए दो नए एआई आधारित समाधान–एक्सप्रेस बैंकिंगः डिजिटल बैंकिंग पॉइंट 2.0 और एआई साउंडबॉक्स लॉन्च किए हैं। इन समाधानों में बातचीत आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल किया गया है, जिससे ग्राहकों और कारोबारियों को स्क्रीन और मेन्यू में जाने की जरूरत कम होगी। डिजिटल बैंकिंग पॉइंट 2.0 के जरिए ग्राहक सामान्य बोलचाल की भाषा में एआई सहायक से बातचीत कर बैंकिंग सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। इसमें खाता खोलना, कार्ड जारी करना, एफडी बुक करना, लोन आवेदन, यूटिलिटी बिल भुगतान, चेक जमा करना और पासबुक प्रिंट जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। ग्राहक फॉर्म भरने और उसमें दी गई जानकारी की जांच में भी एआई की सहायता ले सकेंगे।

चेंबर चुनाव में टीम मुकेश अग्रवाल को जिताने की अपील

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची। आज रांची के रेडियम रोड़ स्थित होटल आलोका सभागार में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा, केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक आयोजित की गयी. इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु एवं संचालन प्रधान महासचिव बीरेन्द्र कुमार ने किया. यह बैठक 30-31 अक्टूबर को कांके में होने वाले तृतीय महाधिवेशन की तैयारी की समीक्षा, जिला समितियों का गठन एवं सदस्यता अभियान के मुद्दे को लेकर रखी गयी थी. सर्वप्रथम केंद्रीय तैयारी समिति के संयोजक हीरानाथ साहु ने महाधिवेशन की तैयारी के संबंध में अपनी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि इस बाबत केंद्रीय तैयारी समिति की अब तक तीन बैठकें हो चुकी हैं और सभी सदस्यों को आगे का कार्य भार दिया गया है. तत्पश्चात केंद्रीय पदाधिकारियों का सुझाव आया कि महाधिवेशन की तैयारी को गांव स्तर तक ले जाने की जरूरत है. ताकि सरकार और प्रशासन को अपने मुद्दों पर संज्ञान लेने के लिए बाध्य किया जा सके. बैठक में काफी विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से तय किया गया कि 28 सितंबर को शहीद भगत सिंह के जयंती पर सभी प्रखंडों एवं प्रमुख क्षेत्रों में बैठक का आयोजन किया जायेगा और महाधिवेशन की मुक्कमल तैयारी का संकल्प लिया जायेगा. जबकि 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी के जयंती पर रामगढ़ दामोदर नदी घाट स्थित गांधी समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद रामगढ़ थाना चौक, भुरकुंडा, गांधी नगर पतरातू थर्मल, कांके एवं मोरहाबादी मैदान (रांची) में स्थित गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी. फिर 12 अक्टूबर को डॉ. राममनोहर लोहिया के पुण्यतिथि पर रांची में केंद्रीय पदाधिकारियों, सदस्यों एवं तैयारी समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जायेगा. बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर 13 सितंबर को होने वाले झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के चुनाव में सदस्यों-मतदाताओं से टीम मुकेश अग्रवाल को समर्थन करने और भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की गयी. बैठक के अंत में झारखंड के मंत्री सुदीप्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया गया और दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई.

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में दस्तावेज को लेकर परेशान न हों : विशाल कुमार पांडेय

विसंगति निवारण कार्यशाला में बीडीओ ने ग्रामीणों को दी जानकारी, बीएलओ से संपर्क कर जमा करें संबंधित दस्तावेज

टुंडी : शुक्रवार को टुंडी प्रखंड सभागार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ) के तहत चल रहे विसंगति निवारण कार्यशाला में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न बूथों से पहुंचे ग्रामीणों को आवश्यक जानकारी दी गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए टुंडी बीडीओ विशाल कुमार पांडेय ने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से विसंगति संबंधी नोटिस मिलने पर किसी भी मतदाता को परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न प्रकार की विसंगतियों को चिह्नित करते हुए मतदाताओं को नोटिस जारी किया गया है। ऐसे मतदाता निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवश्यक दस्तावेज अपने बूथ लेवल अधिकारी को उपलब्ध कराकर अपनी विसंगति का निवारण करा सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड, जन्म तिथि अंकित विद्यालय प्रमाण पत्र सहित निर्वाचन आयोग द्वारा नोटिस में बताए गए निर्धारित दस्तावेजों में से किसी एक दस्तावेज का उपयोग किया जा सकता है। बीडीओ ने कहा कि मतदाताओं को दस्तावेजों को लेकर इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं है। अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज जमा करें और विसंगति निवारण की प्रक्रिया पूरी कराएं। विदित हो कि 9 सितंबर से प्रत्येक दिन तीन से चार बूथों के लिए प्रखंड स्तरीय विसंगति निवारण कार्यशाला का आयोजन प्रखंड सभागार में किया जा रहा है। क्षेत्र में पर्याप्त जानकारी के अभाव में कई ग्रामीण निर्वाचन आयोग से प्राप्त विसंगति संबंधी नोटिस लेकर दिनभर भाग-दौड़ कर रहे हैं। इसे देखते हुए बीडीओ ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अनावश्यक रूप से परेशान न हों और अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर समस्या का समाधान कराएं। कार्यशाला में बीपीआरओ बबलेश शाह, लखन ओझा, दीपराज विश्वकर्मा, मनोज सिंह, अजय सिंह, मृत्युंजय प्रियदर्शी के अलावा संबंधित बूथों के बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान ग्रामीणों को विसंगति निवारण की प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

142 विद्यार्थियों को दीक्षांत में स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे: कुलपति डॉ राजीव मनोहर

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 24 सितंबर 2026 को

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची का दीक्षांत समारोह आगामी 24 सितंबर 2026 को आयोजित किया जाना है। विश्वविद्यालय में इससे संदर्भित सभी तैयारियां अपने अंतिम चरण में है। कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने आज इस संबंध में परीक्षा विभाग से पूर्ण आंकड़ों को प्राप्त किया।उन्होंने कहा कि अब तक प्राप्त अंतिम सूची के अनुसार यह दीक्षांत समारोह सत्र 2022 से 2025 के स्नातक उपाधि धारकों और सत्र 2023 से 2025 और 2024 से 2026 के स्नातकोत्तर उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जाना है। इसके अंतर्गत विभिन्न संकायों के कुल 7875 विद्यार्थी इसके पात्र है। विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पंजीकरण की अंतिम तिथि तक इनमें से कुल 3521 विद्यार्थियों ने उपाधि वितरण समारोह के लिए अपना रजिस्ट्रेशन अंतिम रूप से कराया। इस अंतिम संख्या में विभिन्न विषयों के कुल 126 विद्यार्थी स्वर्ण पदक के उपाधि धारक होंगे। इसके अलावा विभिन्न संकायों से ओवरआल स्वर्ण उपाधिधारकों की संख्या 16 रहेगी। इस प्रकार समग्र रूप से कुल 142 विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक की उपाधि प्रदान करेगा। उसी प्रकार विश्वविद्यालय इस तीसरे दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के 20 पीएचडी शोधार्थियों को भी उपाधि प्रदान करेगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ शुचि संतोष बरवार के अनुसार आज विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर स्वर्ण पदक प्राप्त उपाधिधारकों की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। इस अंतिम सूची में जारी विद्यार्थियों को ही तीसरे दीक्षांत समारोह के दौरान स्वर्ण पदक की उपाधि प्रदान की जायेगी। यह जानकारी विश्वविद्यालय के जन संपर्क पदाधिकारी डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

महिलाएं कमजोर नहीं, आत्मनिर्भर बनकर परिवार और समाज को दे रही नई दिशाः दुर्गा दास

एग्यारकुंड। बिरसिंहपुर आजीविका महिला संकुल संगठन स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, बिरसिंहपुर की वार्षिक आमसभा (एजीएम) का आयोजन शुक्रवार को कुवरडीह जिला परिषद विवाह भवन में किया गया। कार्यक्रम में संगठन से जुड़ी बड़ी संख्या में महिला सदस्यों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभावी जिला परिषद सदस्य दुर्गा दास शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दुर्गा दास ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद आजीविका महिला संकुल संगठन की ओर से दुर्गा दास का अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। वहीं मुख्य अतिथि के हाथों संगठन की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों को अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला देकर सम्मानित किया गया। आमसभा के दौरान समिति के कार्यों,अब तक की गतिविधियों, उपलब्धियों तथा आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर दुर्गा दास ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं किसी भी मायने में कमजोर नहीं हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त किए बगैर विकास संभव नहीं : दीपिका

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने शुक्रवार को नाबार्ड की ओर से रांची में आयोजित ग्रामीण भारत महोत्सव क्लासिक एक्सपो 2026 के छठे संस्करण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जेएसएलपीएस के जरिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इससे रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त किए बिना समावेशी विकास संभव नहीं है। ऐसे आयोजन ग्रामीण उत्पादों को बाजार और पहचान दिलाने के साथ उत्पादकों को उचित मूल्य दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मौके पर उन्होंने एक्सपो में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर बुनकरों, कारीगरों और महिला समूहों की ओर से तैयार उत्पादों की जानकारी ली और उनका उत्साह बढ़ाया। एक्सपो में देशभर से आए बुनकरों और कारीगरों ने हैंडलूम, हस्तशिल्प और ग्रामीण उत्पादों का प्रदर्शन किया है। मंत्री ने कहा कि बायर्सझ्सेलर्स मीट के माध्यम से ग्रामीण उत्पादकों को बड़े बाजार से सीधे जुड़ने का अवसर मिल रहा है। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि कृषि के साथ आय के अतिरिक्त स्रोत ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाते हैं। ग्रामीण विकास विभाग और जेएसएलपीएस के माध्यम से महिला समूहों को स्वरोजगार, प्रशिक्षण, बाजार और वित्तीय अवसरों से जोड़ने का कार्य जारी है। उन्होंने आसान ऋण और बेहतर बैंकिंग सुविधाओं पर भी जोर दिया। मंत्री ने कहा कि झारखंड के ग्रामीण हुनर, महिलाओं की मेहनत और स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर नाबार्ड के अधिकारी, बुनकर, कारीगर, महिला समूहों के प्रतिनिधि और अन्य लोग मौजूद थे।

सोसायटी ने की जरूरतमंद विद्यार्थियों की आर्थिक मदद

रांची। फ्रेंड्स ऑफ विकर सोसाइटी, रांची ने आर्थिक कठिनाइयों के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो, इस बात पर शुक्रवार को जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता दी। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष तनवीर अहमद ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त मामलों का मूल्यांकन कर फीस, किताब और उच्च शिक्षा की जरूरतों के लिए सहयोग दिया गया। डोरंडा की अलिशा हुसैन को मैट्रिक में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त करने और आगे की पढ़ाई के लिए 10 हजार रुपये, नीट की तैयारी कर रहे अबू ताहा को 10 हजार रुपये और सरला बिरला स्कूल में दाखिले के लिए मोहम्मद अमीन को 08 हजार रुपये की सहायता दी गई। अलीमा फातिमा को फीस के लिए 6,500 रुपये, सना खान एवं अलीजा खान को किताबों के लिए 06 हजार रुपये, अतीफा फातिमा को 4,500 रुपये तथा हबीबा रहमान और सुजा सरफराज को 3–3 हजार रुपये की सहायता दी गई।

एक नजर

शह-मात की बाजी में चमके सरला बिरला पब्लिक स्कूल के शतरंज सितारे

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल की अंडर-19 बालक शतरंज टीम ने सीबीएसई ईस्ट जोन शतरंज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता मिलेनियम वर्ल्ड स्कूल, वाराणसी में आयोजित की गई। टीम में आदित्य तन्मय शर्मा, यश रंजन, शुभ अनुभव कुजूर और आरव शरण शामिल थे। युवा खिलाड़ियों ने अपनी रणनीतिक समझ, एकाग्रता, धैर्य और उत्कृष्ट टीम भावना का परिचय देते हुए प्रतियोगिता के सभी पाँच राउंड में निरंतर शानदार प्रदर्शन किया और अंतिम टीम रैंकिंग में दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ टीम ने सीबीएसई राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप के लिए भी अपना स्थान सुनिश्चित किया है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता 14 से 18 अक्टूबर 2026 तक जालंधर में आयोजित की जाएगी। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मनीषा शर्मा ने खिलाड़ियों को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की अनुशासित तैयारी, निरंतर प्रयास, दृढ़ता और प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन करने की क्षमता का परिणाम है। उन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए टीम को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की।

एचईसी निदेशक कार्मिक और मजदूर संघ के बीच बैठक में मजदूरों की समस्याओं पर चर्चा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। भारी इंजीनियरिंग निगम (एचईसी) मुख्यालय में निदेशक (कार्मिक) के घोष और एचईसी मजदूर संघ के महामंत्री रमाशंकर प्रसाद के बीच शुक्रवार को बैठक हुई। बैठक में मजदूर संघ की ओर से पूर्व में प्रबंधन को सौंपी गई विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। मौके पर रमाशंकर प्रसाद ने कहा कि बैठक का उद्देश्य कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस पहल करना था। सुनील कुमार ने बताया कि बैठक में सबसे प्रमुख रूप से कर्मचारियों की चिकित्सा सुविधाओं पर चर्चा हुई। संघ की ओर से उठाई गई चिकित्सा संबंधी मांगों के संदर्भ में प्रबंधन ने पारस अस्पताल प्रबंधन के साथ हुई हाल में हुई वार्ता की प्रगति से अवगत कराया। प्रबंधन ने कहा कि एचईसी कर्मियों को बेहतर और निर्बाध स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संघ ने कर्मचारियों को प्रत्येक माह समय पर वेतन भुगतान की मांग भी रखी, ताकि कर्मचारी अपने परिवार और बच्चों के साथ त्योहार में खुशियां मना सकें। इसके अलावा एचईसी परिसर स्थित विद्यालयों में कर्मचारियों के बच्चों के लिए 11 वीं और 12 वीं की निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था पर गंभीर चर्चा हुई। प्रबंधन ने इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया। बैठक में एचईसी मजदूर संघ के पदाधिकारी सिहत अन्य मौजूद थे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर झारखंड के हर घर में जलेंगे दीप, भाजपा चलाएगी सेवा अभियान

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में राज्य भर में व्यापक सेवा अभियान चलाने की घोषणा की है। इस विशेष अवसर पर राज्य के हर घर के दरवाजे और मंदिरों में प्रधानमंत्री के लिए आशीर्वाद के दीप जलाए जाएंगे। इसके साथ ही सांगठनिक मंडलों के गांवों को विशेष रूप से सजाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उत्सव और सेवा भाव के साथ आम जनता तक पहुंचाना है। साहू भाजपा प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से सभी जिला मुख्यालयों में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 21 और 29 सितंबर से 'आंगन मिलन सेवा', 'वाराणसी सेवा यात्रा' और 'सेतु अभियान' की शुरूआत होगी। कार्यक्रमों की इस श्रृंखला में 'सेवा के रंग' के तहत विभिन्न स्थानों पर रंगोलियां बनाई जाएंगी और कार्यकताओं की ओर से पीएम मोदी के शासन के 25 साल पर 25 कहानियां' लिखकर उनके सेवा कार्यों का वर्णन किया जाएगा।

आदित्य साहू ने 2014 से पहले की देश की स्थिति को दयनीय बताते हुए कहा कि उस समय घोटालों का बोलबाला था और गरीब एवं किसान बुनियादी सुविधाओं के लिए तड़पते थे। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने अपनी सही नीति और नीयत से देश में विकास की एक मजबूत श्रृंखला खड़ी की है। गुजरात भूकंप के दौरान मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यों और वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में हो रहे चौतरफा विकास का उल्लेख करते हुए साहू ने वैश्विक स्तर पर भारत का मान बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री के प्रयासों की जमकर सराहना की। प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री की निरंतर कार्यक्षमता को ईश्वर की असीम कृपा बताते हुए कहा कि पिछले 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में वे एक दिन भी बीमार नहीं पड़े हैं और अनवरत काम कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र से देश बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़ रहा है। भाजपा के इन सभी सेवा अभियानों का अंतिम लक्ष्य प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को धरातल पर उतारना है। प्रेसवार्ता में प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह और मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह भी उपस्थित थे।

रांची में एनडीए-सीडीएस परीक्षा को लेकर निषेधाज्ञा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। रांची में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से आयोजित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा (क्क), 2026 को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। परीक्षा को शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त कराने के लिए परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू की गई है। रांची सदर के अनुमंडल दंडाधिकारी कुमार रजत ने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है। निषेधाज्ञा 13 सितंबर 2026 की सुबह 07 बजे से शाम 09 बजे तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में 05 या उससे अधिक लोगों के एक जगह जमा होने, लाउडस्पीकर या ध्वनि विस्तारक यंत्र के इस्तेमाल, हथियार लेकर चलने, लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा-भाला जैसे हरवे हथियार रखने और किसी तरह की बैठक या आमसभा करने पर रोक रहेगी। सरकारी काम में लगे अधिकारी-कर्मचारी और शवयात्रा को इससे छूट दी गई है। जिला प्रशासन के अनुसार, परीक्षा केंद्रों पर पहले से ही दंडाधिकारी, पुलिस अधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके बावजूद असामाजिक तत्वों की ओर से भीड़ जुटाकर कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। रांची में परीक्षा के 21 केंद्र हैं, जिनमें सेंट्रल एकेडमी बरियातू, संत अलोइस हाईस्कूल, संत अन्ना बालिका उच्च विद्यालय, उसुर्लाइन इंटर कॉलेज, गोस्सनर हाईस्कूल, फिरायालाल पब्लिक स्कूल, संत पॉल कॉलेज, डोरण्डा कॉलेज, गोस्सनर कॉलेज, डीएवी पब्लिक स्कूल कांके, निर्मला कॉलेज, जेएमजे हाई स्कूल, अनिता गर्ल्स हाई स्कूल, विवेकानंद विद्या मंदिर धुर्वा सहित अन्य केंद्र शामिल हैं। प्रशासन ने परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की है।

मध्य प्रदेश में कमजोर स्वास्थ्य व्यवस्था के कारण बच्चों की मौत पीड़ादायक : इरफान

रांची। मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने मध्य प्रदेश में आदिवासी बच्चों की हो रही मौतों को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में कहा कि बच्चे किसी एक राज्य के नहीं, बल्कि पूरे देश के हैं। जरूरत पड़ी तो वे स्वयं मध्य प्रदेश जाकर वहां की स्वास्थ्य व्यवस्था का जायजा लेंगे और जरूरतमंद बच्चों की मदद करेंगे। अंसारी ने कहा कि गंदे पानी, मलेरिया और कमजोर स्वास्थ्य व्यवस्था के कारण किसी बच्चे की मौत बेहद पीड़ादायक है। सरकार की पहली जिम्मेदारी लोगों की जान बचाना है, राजनीति करना नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीब और आदिवासी परिवारों को बेहतर इलाज, दवा और शिक्षा उपलब्ध कराने के बजाय उनके दर्द की अनदेखी की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने मध्य प्रदेश सरकार से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच, मृतक बच्चों के परिवारों को उचित मुआवजा, स्वच्छ पेयजल, मलेरिया नियंत्रण और स्वास्थ्य सुविधाओं को तत्काल मजबूत करने की मांग की।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में फ्रेशर्स एवं फेयरवेल पार्टी का आयोजन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रामगढ़। राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों द्वारा नवप्रवेशी छात्रों के स्वागत एवं अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को विदाई देने के उद्देश्य से फ्रेशर्स एवं फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एच-ब्लॉक स्थित वर्कशॉप परिसर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं स्वागत संबोधन के साथ हुआ। सीनियर विद्यार्थियों ने नवागंतुक छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, तकनीकी एवं सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गीत, संगीत, नृत्य, कविता, मनोरंजक प्रस्तुतियों एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समारोह को यादगार बना दिया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह ने कहा कि नवप्रवेशी विद्यार्थी विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाएँ तथा विदाई ले रहे विद्यार्थी अपने ज्ञान एवं कौशल के माध्यम से अपने जीवन में सफलता के नए आयाम स्थापित करें और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सचिव प्रियंका कुमारी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सभी अपने ज्ञान, अनुशासन एवं प्रतिभा का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) रश्मि, कुलसचिव प्रो. (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार एवं फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संकाय के सभी शिक्षकगण एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे। फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ. अवनीश कुमार ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें अनुशासन, तकनीकी ज्ञान, नवाचार एवं निरंतर सीखने की भावना के साथ अपने शैक्षणिक जीवन की शुरूआत करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन निशा कुमारी ने किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। विदाई समारोह के दौरान अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में बिताए अपने अनुभव साझा किए तथा कनिष्ठ विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा
Email Id rdsd.simdega@rediffmail.com

निविदा से संबंधित सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा आमंत्रण सूचना संख्या **RDD/SD /SIMDEGA /04/2026-27 (2nd Call) PR No. 388979 Simdega (2026-27)*D** के ग्रुप संख्या 14 में वर्णित पाकरटांड़ प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम पाकरटांड़ में स्वास्थ्य उप केन्द्र निर्माण कार्य के निविदा को अपरिहार्य कारणों से अगले आदेश तक रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,
सिमडेगा।

PR 389517 Simdega (26-27) D"

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल संख्या–1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना– 48/2026–27

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल सँख्या–1,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 18.09.2026 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 19.09.2026 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 19.09.2026 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यों का विवरण :

क्र	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Renovation of Main Building Guest Room, Barrack and Pathway in Campus of SSP Residence at Booty Road, Ranchi	2463800	49300	5000	Two Month
2	Renovation of Main Building, Water Proofing Treatment, Staff Quarter and Other work in Senior Officer's Quarter No-05/08 at Booty Road, Ranchi	2438100	48800	5000	Two Month
3	Renovation of Boy's Section Building in State Library at Sharda Babu Lane, Ranchi	2930700	58700	5000	Two Month

नोट :– निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग,
भवन प्रमण्ल संख्या–1, राँची

PR 389568 Building(26-27)#D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 02/2026–27

ग्रामीण कार्य विभाग झारखण्ड सरकार में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदकों से Untied मद अन्तर्गत स्वीकृत निम्न वर्णित कार्यों के लिए मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। जो अंततः लोक निर्माण विभाग के प्रपत्र एफ–2 एकरानामा में वर्णित शर्तों के साथ अंकित की जायेगी।

1. विभाग का नाम :– ग्रामीण कार्य विभाग, झारखण्ड, राँची।
2. विज्ञापन दाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :–15.09.2026 से 29.09.2026 तक (कार्यालय अवधि में अपराहन् 3:00 बजे तक आवेदन स्वीकार किया जायेगा।)
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय :– 01.10.2026 (3:00 बजे अपराह्न तक)
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 01.10.2026 (अपराह्न 3:30 बजे)
6. परिमाण विपत्र की बिक्री का सीन :– ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा।
7. निविदा प्राप्ति एवं निविदा खोलने का स्थान :–कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा।
8.कार्य विवरणी :–

ग्रुप सं०	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	बानो प्रखण्ड पंचायत बेड़ाईरगी ग्राम जमांग गढ़ा में रतिया तोपनो के खेत में पुलिया एवं गार्डवाल निर्माण।	2290325.00	46000.00	5000.00	चार माह
2	बांसजोर प्रखण्ड कोम्बाकेरा पंचायत अन्तर्गत बोंगेरा ग्राम के सलन हेमरोम के घर के नीचे 2 स्पैन का पुलिया निर्माण।	1954906.00	39500.00	5000.00	चार माह
3	प्रखण्ड बोलबा पंचायत बेहरीनबासा ग्राम कुन्दुरमुण्डा छपलपानी भोन्सो महतो के खेत नाला में पुलिया निर्माण।	2162234.00	43500.00	5000.00	चार माह
4	प्रखण्ड कोलेबिरा पंचायत नवाटोली ग्राम मचका से खेरगंजा रोड में डोका पुल लुकस खड़िया के खेत के पास पुलिया निर्माण।	1220055.00	24500.00	2500.00	चार माह
5	प्रखण्ड कोलेबिरा टुटीकेल पंचायत के गुझूटोली में 1500 फीट पी०सी०सी० पथ निर्माण।	2486329.00	50000.00	5000.00	चार माह
6	कुरडेग प्रखण्ड पंचायत चडरमुण्डा अन्तर्गत रेंगारबहार मंदिर के पास पुलिया एवं गार्डवाल निर्माण।	1415952.00	28500.00	2500.00	चार माह
7	कुरडेग प्रखण्ड के कुरडेग पंचायत अन्तर्गत सर्पमुण्डा से बगई जाने वाले रास्ता में 2 स्पैन का पुलिया निर्माण।	2484444.00	50000.00	5000.00	चार माह
8	पाकरटांड़ प्रखण्ड के क्रुशकेला पंचायत अन्तर्गत भेलवाडीह से गिरजाटोली जाने वाले रास्ता में जोड़ा गढ़ा झरिया में 2 स्पैन का पुलिया निर्माण।	2484444.00	50000.00	5000.00	चार माह
9	पाकरटांड़ प्रखण्ड के आसनबेड़ा पंचायत अन्तर्गत कड़ामुखा में सुनिल नाला में 2 स्पैन का पुलिया निर्माण।	2030463.00	41000.00	5000.00	चार माह
10	पाकरटांड़ प्रखण्ड के सिकरियाटांड़ पंचायत अन्तर्गत सोगड़ा पेठियारटोली में विक्टोर खेस्स के घर से अलबिस डुंगडुंग के घर तक 1600 फीट पी०सी०सी० पथ निर्माण।	2408634.00	48500.00	5000.00	चार माह
11	सिमडेगा प्रखण्ड पंचायत बड़ाबरपानी ग्राम कुदरूम से ओरोगोट जाने वाले पथ में कामील बांध के पास पुलिया निर्माण।	1991987.00	40000.00	5000.00	चार माह
12	सिमडेगा प्रखण्ड अरानी पंचायत अन्तर्गत पहाड़ी के नीचे नाला में पुलिया निर्माण।	2259500.00	46000.00	5000.00	चार माह
13	प्रखण्ड जलडेगा पंचायत लम्बोई ग्राम तिलईजारा बसाईर पथ से बसाईर स्कूल के पास नाला में गार्डवाल एवं पुलिया निर्माण।	2468800.00	50000.00	5000.00	चार माह
14	प्रखण्ड जलडेगा पंचायत कुटुनियां ग्राम जामजड़ी से टुडिंगटोली जाने वाले पथ में पुलिया निर्माण।	2290325.00	46000.00	5000.00	चार माह
15	प्रखण्ड ठेठईटांगर पंचायत जोराम ग्राम अम्बापानी पक्की सड़क से कोचाटोली मोरम पथ में दोहर नाला में पुलिया निर्माण।	1178300.00	24000.00	2500.00	चार माह
16	प्रखण्ड ठेठईटांगर पंचायत कोरोमियां ग्राम भुटकुदर से पहारटोली पथ में टुटा पुल एवं गार्डवाल के स्थान पर पुलिया एवं गार्डवाल निर्माण।	2069106.00	42000.00	5000.00	चार माह
17	प्रखण्ड ठेठईटांगर पंचायत बम्बलकेरा राजस्व ग्राम सिरिंगबेड़ा, खिजुरबेड़ा में मार्टीन लुगुन के घर के पास नाला में पुलिया निर्माण।	1185610.00	24000.00	2500.00	चार माह

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा।

PR.NO.389516 Simdega(26-27):D

जेएसएससी सीजीएल नियुक्त अफसरों से काम लेने का आदेश जारी, वेतन भुगतान की अड़चन दूर होने की उम्मीद

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड में जेएसएससी सीजीएल के जरिए नियुक्त किए गए अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। कार्मिक विभाग ने 10 सितंबर 2026 को सभी संबंधित विभागों और कार्यालयों को निर्देश जारी कर नियुक्त अभ्यर्थियों से पहले की तरह काम लेने को कहा है। इस आदेश के बाद उनके वेतन भुगतान का रास्ता भी साफ होने की उम्मीद है। दरअसल, सरकार ने 18 अगस्त 2026 को जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा और उससे जुड़ी नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। इसके बाद प्रभावित अभ्यर्थियों ने झारखंड हाईकोर्ट का रुख किया। अदालत ने सरकार के फैसले के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगाते हुए नियुक्त कर्मियों को काम जारी रखने की अनुमति दी थी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं मिला था विभागीय निर्देश

हाईकोर्ट की ओर से राहत मिलने के बावजूद संबंधित कर्मचारियों को औपचारिक रूप से काम पर लेने को लेकर कार्मिक विभाग की ओर से तत्काल कोई आदेश जारी नहीं हुआ था। इससे नियुक्त कर्मियों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। वेतन भुगतान के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी होना जरूरी है। ट्रेजरी नियमों के तहत सक्षम प्राधिकार के आधिकारिक आदेश के बिना वेतन संबंधी बिलों के भुगतान में परेशानी हो सकती है। अब 10 सितंबर के आदेश के बाद इस समस्या के दूर होने की संभावना है।

सीआईडी जांच में कई गिरफ्तारियां

मामले की जांच के दौरान सीआईडी ने कई लोगों को गिरफ्तार किया है। 22 जुलाई को मुख्य संदिग्ध और पूर्व टीडीपीएल कर्मी अभय तिवारी की गिरफ्तारी हुई। इसके बाद उसकी पत्नी सुषमा और भाई अक्षय को भी गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 27 अगस्त को दिल्ली के बुराड़ी से सोमांश प्रकाश और राहुल कुमार को पकड़ा गया। 28 अगस्त को एएसओ नियुक्ति से जुड़े चार अभ्यर्थियों–दीपक, उमेश, विजय और आनंद–की गिरफ्तारी की गई। 30 अगस्त को गिरिडीह के बेंगाबाद निवासी समीर कुमार को गिरफ्तार किया गया।

JSSC CGL भर्ती का पूरा घटनाक्रम

21 जून 2023
जेएसएससी ने 2015 रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया।

28 जनवरी 2024
सीजीएल परीक्षा आयोजित हुई। इसी दिन प्रश्नपत्र लीक होने को लेकर विवाद सामने आया।

4 फरवरी 2024
पेपर लीक के आरोपों और अभ्यर्थियों के विरोध के बाद परीक्षा स्थगित कर दी गई।

सितंबर 2024
भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए पुनर्परीक्षा आयोजित की गई।

दिसंबर 2024
पुनर्परीक्षा का परिणाम जारी किया गया।

जनवरी 2025
परिणाम के बाद कुछ अभ्यर्थियों ने गड़बड़ी के आरोप लगाए और मामला हाईकोर्ट पहुंचा। अदालत ने अंतिम चयन सूची और नियुक्तियों पर अंतरिम रोक लगा दी।

3 दिसंबर 2025
लंबी सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने 10 संदिग्ध अभ्यर्थियों के परिणाम रोकते हुए बाकी योग्य उम्मीदवारों की मेरिट सूची जारी करने का निर्देश दिया।

8 दिसंबर 2025
अदालत के निर्देश के बाद 1,932 अभ्यर्थियों का अंतिम परिणाम जारी किया गया और उन्हें नियुक्ति दी गई।

5 जनवरी 2026
हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, लेकिन याचिका खारिज कर दी गई। अदालत ने हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप से इनकार किया।

अगस्त 2026 में सरकार ने रद्द की थी परीक्षा

जुलाई 2026 में कुछ असफल अभ्यर्थियों ने परीक्षा रद्द करने और सीबीआई जांच की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया। इसी बीच सीआईडी जांच में मामले से जुड़े कई आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। 18 अगस्त 2026 को राज्य सरकार ने जेएसएससी-सीजीएल समेत टीडीपीएल से जुड़ी 22 परीक्षाओं और उनके परिणामों को रद्द करने का फैसला लिया। इससे दिसंबर 2025 में नियुक्त किए गए 1,932 अभ्यर्थियों की नौकरी प्रभावित हुई।इसके बाद नियुक्त अभ्यर्थियों ने सरकार के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

हाईकोर्ट ने सरकार के फैसले पर लगाई अंतरिम रोक

21 अगस्त 2026 को हाईकोर्ट ने नियुक्त अभ्यर्थियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार के परीक्षा रद्द करने के फैसले के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी। अदालत ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का भी उल्लेख किया। बाद की सुनवाई में नियुक्त अभ्यर्थियों की ओर से राहत जारी रखने की मांग की गई। 8 सितंबर 2026 की स्थिति के अनुसार हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत बरकरार रखी और राज्य सरकार को 15 सितंबर 2026 तक अपना स्पष्ट जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

जिला प्रशासन के बेरुखी के खिलाफ एन एच 522 हजारीबाग बगोदर पथ जाम किया जाएगा: सीटू

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग सदर प्रखंड अंतर्गत केसुरा मोड़ से सरौनी कला तक जाने के वाली जर्जर सड़क की मरम्मत की मांग लगभग 15 गांव के ग्रामीणों ने लिखित आवेदन देकर 1 सितंबर 2026 को उपायुक्त, हजारीबाग से किया था। पत्र की प्रतिलिपि आयुक्त, उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल, हजारीबाग, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर, हजारीबाग, कार्यपालक अभियंता, आर ई ओ, हजारीबाग को दिया गया था। यह सदर प्रखंड के अति महत्वपूर्ण सड़क है। इस सड़क से सरौनी कला, खुर्द, डूमर चुटियारो, गुरहेत, सिलवर कला, खुर्द खुरंडी, जामडीह सहित 15 गांव के लोग आते जाते हैं। इसी सड़क से स्कूल की छोटी गाड़ियां, ग्रामीणों के लिए टेंपो, टोटो और मोटरसाइकिल का आना-जाना होता है, खराब सड़क के कारण कई बार स्कूली बच्चे और ग्रामीणों का गाड़ी गठ्ठे में जाने के कारण गिर जाने से कई बार वें लोग घायल हो गए हैं। बावजूद जिसके जिला प्रशासन कोई ध्यान अब तक नहीं दिया है। ये सड़क तीन प्रखंडों सदर, दारू और चुरचू को जोड़ता है। इससे परेशान ग्रामीणों ने आज फिर स्मार पत्र उपायुक्त, हजारीबाग को सौंप कर 15 सितंबर तक रोड मरम्मत का कार्य आरंभ करने की मांग किए हैं अगर 15 सितंबर तक सड़क मरम्मत का कार्य नहीं होता है तो 16 सितंबर को केसूरा मोड़ के पास न 522 हजारीबाग से बगोदर जाने वाली सड़क को जाम कर दिया जाएगा। पत्र की प्रतिलिपि थाना प्रभारी, मुफ्फसिल थाना और बस ओनर एसोसिएशन, हजारीबाग को दिया गया है। आवेदन पर प्रभुराम कुशवाहा, आर सी प्रसाद उप मुखिया, महेंद्र राम पूर्व मुखिया, रामचंद्र प्रसाद और गणेश कुमार सीटू ने हस्ताक्षर किए हैं।

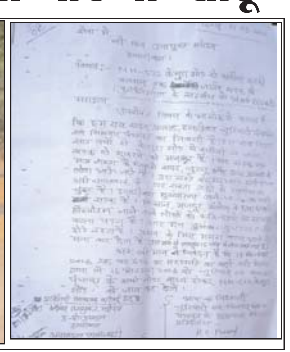

विभावि में आचार्य विनोबा भावे जयंती समारोह आयोजित

वैसे लोगों के लिए कुछ करें जिनके पास संसाधन का अभाव है: कुलपति प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। कुलगुरु के रूप में मेरा धर्म है विद्यार्थियों की सेवा करना। बचपन से ही मैं विनोबा और गांधी के जीवन और दर्शन से जुड़ा रहा। आचार्य विनोबा के साहित्य को पढ़ें। इनके माध्यम से गांधी तक पहुंचें। उक्त बातें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने शुक्रवार को कही। वह रवींद्रनाथ टैगोर कलाभवन में राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में आयोजित आचार्य विनोबा भावे जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने किया। कुलपति ने कहा कि हम सब भाग्यशाली हैं कि हमें समाज ने इतना पढ़ने लिखने का अवसर दिया। परंतु समाज को हमसे कुछ अपेक्षाएं भी है। विनोबा भावे को सच्ची श्रद्धांजलि देनी है तो समाज के वैसे लोगों के लिए कुछ सार्थक करें जिनके पास संसाधन का अभाव है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा तो बिल्कुल ही सरकार का काम नहीं होनी चाहिए। समाज को शिक्षित करना हमारी और आपकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा वह शेरनी की दूध है जिसका पान करके यह बोध होता है कि क्या सही है और क्या गलत। विश्वविद्यालय के सारे विभागों से एक-एक गांव को गोद लेने का आग्रह करते हुए प्रो शर्मा ने उस गांव में शिक्षा के प्रसार में योगदान देने का आह्वान किया। सबको प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा, किसी भी काम के लिए संसाधन को रुकावट नहीं बनने दे। अपनी हुनर, शक्ति और परिश्रम से लोगों के जीवन को बदले। समारोह का शुभारंभ आचार्य विनोबा भावे की प्रतिमा पर कुलपति एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के द्वारा पुष्पांर्पण के साथ किया गया। तत्पश्चात राजनीति विज्ञान विभाग के प्रशाल में आयोजित गोष्ठी का आयोजन किया गया। विभागीय पदध्यापक डॉ अशोक राम ने विषय प्रवेश करते हुए सब का स्वागत किया। विद्यार्थी वक्ता प्रज्ञा आर्या ने अपने ओजस्वी संबोधन से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की फरियाद, त्वरित कार्रवाई का निर्देश

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। उपायुक्त ने जनता दरबार में जिले के ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनता दरबार में भूमि विवाद, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ, सड़क,आवास योजना, रोजगार, मुआवजा भुगतान मामलों तथा अन्य जनहित से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने हेतु आवेदन अग्रसारित किया। उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार आमजनों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

बरही में 12 सितंबर को खाद्य कारोबारियों को मिलेगा प्रशिक्षण प्रमाण पत्र

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बरही।
बरही अनुमंडल क्षेत्र के खाद्य कारोबारियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग, हजारीबाग की ओर से 12 सितंबर 2026 को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र का वितरण किया जाएगा। प्रमाण पत्र का वितरण खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-04 श्वेता त्रिपाठी द्वारा बरही प्रखंड कार्यालय में किया जाएगा। विभाग के अनुसार, बरही अनुमंडल क्षेत्र के वैसे सभी खाद्य कारोबारी, जिन्होंने ज्ञानसिटी एजुकेशनल ट्रस्ट के माध्यम से खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त किया है, वे निर्धारित तिथि को बरही प्रखंड कार्यालय पहुंचकर अपना प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण प्रमाण पत्र खाद्य कारोबारियों के लिए खाद्य सुरक्षा संबंधी नियमों और मानकों के पालन में उपयोगी माना जाता है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने सभी संबंधित प्रशिक्षित खाद्य कारोबारियों से अपील की है कि वे 12 सितंबर को निर्धारित समय पर प्रखंड कार्यालय में उपस्थित हों और अपना प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्राप्त करना सुनिश्चित करें। विभाग ने कारोबारियों से इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया है।

बैंक हड़ताल के कारण प्रभावित रही बैंकिंग सेवा

बैंक हड़ताल के कारण प्रभावित रही बैंकिंग सेवा, लोग हुए परेशान

पांच दिवसीय बैंकिंग और पीएलआई में भेदभाव खत्म करने की मांग को लेकर कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने, पीएलआई में भेदभाव समाप्त करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर बैंक कर्मचारी संगठनों की ओर से शुक्रवार को देशव्यापी हड़ताल की गई। हड़ताल के तहत हजारीबाग में भी विभिन्न बैंकों के कर्मचारी और अधिकारी काम से अपने को अलग रखा तथा यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बैनर तले प्रदर्शन कर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। हड़ताल के कारण जिले की बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं।

लोग हुए परेशान

181 बैंक शाखाओं में कामकाज पर पड़ा असर

भारतीय स्टेट बैंक के जोनल मैनेजर सुमित कुमार के अनुसार हजारीबाग जिले में विभिन्न बैंकों की कुल 181 शाखाएं संचालित हैं। कर्मचारियों के हड़ताल में शामिल होने के कारण इन शाखाओं में सामान्य बैंकिंग कार्य प्रभावित रहा। बैंक शाखाओं के बाहर कर्मचारियों ने धरना-प्रदर्शन कर अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया।

दो साल से लंबित है पांच दिवसीय बैंकिंग का प्रस्ताव

प्रदर्शन के दौरान बैंक कर्मचारियों ने कहा कि पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने के मुद्दे पर इंडियन बैंक एसोसिएशन पहले ही सहमति जता चुका है। इसके बावजूद सरकारी मंजूरी के लिए प्रस्ताव करीब दो वर्षों से लंबित है। कर्मचारियों का कहना है कि सरकार की ओर से लगातार आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन लागू करने की निश्चित समय सीमा नहीं बताई जा रही है। यूनियनों ने जल्द पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग की।

पीएलआई में भेदभाव का विरोध

कर्मचारियों ने संशोधित पीएलआई योजना में अलग-अलग स्केल के अधिकारियों के लिए अलग-अलग मानदंड बनाए जाने का भी विरोध किया। उनका कहना है कि पीएलआई व्यवस्था में पारदर्शिता के साथ समान अवसर दिया जाना चाहिए।

आगे भी आंदोलन की तैयारी

बैंक यूनियनों ने स्पष्ट किया कि मांगों पर समाधान नहीं निकला तो आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। इसके तहत 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय हड़ताल प्रस्तावित है। बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की स्थिति में जिले की आर्थिक गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है। यूनियन की ओर से एक दिन की हड़ताल से हजारीबाग में करीब 100 करोड़ रुपये का बैंकिंग कारोबार प्रभावित होने का अनुमान जताया गया है।

एक नजर

केरेडारी के सलगा में चोरो ने चोरी की घटना को दिया अंजाम

हजारीबाग। जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत सलगा के टोला भोलवाही निवासी अशोक भुइंया पिता बंधन भुइंया के घर में बीते रात्रि में अज्ञात चोरों के द्वारा घर के ताली तोड़कर चोरी कर लिया गया! चोर घर में रखा चांदी सोना मोटरसाइकिल का ओरिजिनल पेपर जमीन का रसीद खतियान नगद 32हजार रुपए और छोटा सा बक्सा सहित अन्य सामग्री लेकर फरार हो गए! घटना के सूचना पर सलगा पंचायत के मुखिया पार्वती देवी ने भुगतभोगी के घर पहुंचकर जांच पड़ताल किया गया! और अशोक भुइंया को मदद करने की आश्वासन दिए! घटना के संदर्भ में पीड़ित परिवार के लोगों ने बताया कि अशोक भुइंया की पत्नी सुनीता देवी व पुत्री सुहानी कुमारी घर में करीब दस बजे खाना खाकर सो गए थे !इसके बाद अज्ञात चोरों ने मौका मिलते ही घर के दरवाजा का ताला तोड़ कर घर में घुस गया ! और चोरी की घटना को अंजाम दिया!

छड़वा डैम के जंगल में फंदे से लटका मिला युवक, आर्मी जवान होने की सूचना से मचा हड़कंप

कटकमसांडी। कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र के छड़वा डैम स्थित जंगल में शुक्रवार को एक युवक का शव फंदे से लटका हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान धनंजय कुमार, पिता राजकुमार महतो के रूप में बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक के आर्मी में जवान होने की बात सामने आ रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। फिलहाल युवक की मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। युवक पेड़ पर फांसी लगाई हुई शव बरामद किया गया है।

टंडवा में पुलिस पर पथराव मामले में पूर्व मुखिया सहित दो गिरफ्तार

चतरा। टंडवा थाना क्षेत्र के सिदपा गांव में युवक-युवती को ग्रामीणों के कब्जे से मुक्त कराने पहुंची पुलिस टीम पर पथराव मामले में डहु पंचायत के पूर्व मुखिया चुरामन उरांव और अशोक महतो को गिरफ्तार किया गया है। घटना में टंडवा थाना प्रभारी पप्पू कुमार शर्मा, चतरा सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव सहित पांच पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पथराव में टंडवा, सराडु, बुकरू, चतरा सदर और सिमरिया थाना से जुड़े पांच पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हुए थे। टंडवा एसडीपीओ कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में सीनियर डीएसपी प्रभात रंजन बरवार ने बताया कि आठ सितंबर की शाम पुलिस को सूचना मिली थी कि सिदपा में ग्रामीणों ने युवक-युवती को एक घर में बंद कर रखा है। पुलिस दोनों को मुक्त कर अपने साथ ले जाने लगी, तभी ग्रामीणों की भीड़ ने उन्हें छुड़ाने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। मामले में 37 नामजद समेत 300-400 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस वीडियो फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान कर रही है। विशेष छापेमारी दल में हंटरगंज के पूर्व थाना प्रभारी सह सब इंस्पेक्टर प्रभात कुमार, अरविंद कुमार, टंडवा थाना रिजर्व गार्ड तथा सैट के सशस्त्र बलों को शामिल किया गया है।

करीब 1500 शिक्षक लगा रहे गुहार : अब तक नहीं मिली अगस्त की पगार

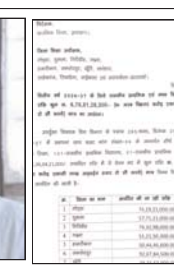

पदाधिकारी कब तक कराते रहेंगे डिजिटल साइन मुहर का इंतजार

आने के बावजूद नहीं बंट पाए हैं आवंटन, हमारे भी बाल-बच्चे हैं, परिस्थितियों को समझिए सरकार

अजय निराला/उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के प्रारंभिक विद्यालयों के करीब 1500 शिक्षकों में हाहाकार मचा हुआ है कि सितंबर के 11 दिन गुजर जाने के बाद भी उन्हें अगस्त माह का पगार नसीब नहीं हुआ है। बच्चों की फीस, राशन-पानी, दवाएं समेत रोजमर्रा की जरुरत की चीजों की खरीदारी शिक्षक नहीं कर पा रहे हैं। जिन शिक्षकों के बच्चे मेडिकल -इंजीनियरिंग, बीटेक, स्नातक आदि की पढ़ाई बाहर कर रहे हैं, उनके फीस भी भरने हैं। स्नातक, बीटेक, बीबीए आदि पाठ्यक्रमों में एडमिशन का भी समय है। मासिक वेतन पर निर्भर रहनेवाले शिक्षकों की पीड़ा कौन समझे। कई शिक्षक किराए पर रहते हैं, उन्हें मकान का भाड़ा भी देना होता है। अगर उनका वेतन समय पर नहीं मिले, तो विभिन्न परेशानियां एक साथ मुंह बाए खड़ी हो जाती हैं। ऐसे में शिक्षक सरकार से गुजारिश कर रहे हैं कि जल्द उनका वेतन भुगतान कर दे।

तीन सितंबर को प्राप्त आवंटन का 11 सितंबर तक वितरण नहीं करना घोर लापरवाही : मो. अतिकुज्ज्मा

सैकड़ों शिक्षकों ने झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ हजारीबाग के सभी पदाधिकारियों से अनुरोध किया है कि जल्द से जल्द सभी प्रखंडों को आवंटन वितरण हो। संघ के अध्यक्ष मो. अतिकुज्जमा का कहना है कि जिले में आवंटन उपलब्ध है, इसके बावजूद 11 तारीख हो चुका है और अभी तक आवंटन का वितरण नहीं हो पाया है। यह काफी खेदजनक है। इन सभी समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत है। पूरे जिले में अगस्त का वेतन भुगतान नहीं हुआ है।

जिला शिक्षा अधीक्षक का डिजिटल हस्ताक्षर अब तक नहीं बना है, न आवंटन बंटा और न प्रखंड के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी का डिजिटल हस्ताक्षर बना है। वेतन बाधित है। बीटेक, मेडिकल आदि में पढ़ने वाले बच्चों को इसी माह नेक्स्ट ईयर का फीस जमा करना रहता है। इसी समय बीटेक, मेडिकल का एडमिशन होता है। ग्रेजुएशन आदि का एडमिशन का समय है। शिक्षक परेशान हैं कि कब वेतन मिलेगा, कैसे फीस जमा करें। देर से जमा करने पर फाइन लगेगा, किसी का एडमिशन छूट जाएगा आदि समस्याएं हैं। देवघर, चतरा, धनबाद का पेमेंट हो गया है।

डिजिटल साइन के बारे में बोला गया हे, इस सप्ताह भुगतान के आसार : डीएसई

वेतन भुगतान मामले पर डीएसई आकाश कुमार ने कहा कि डिजिटल साइन का इंतजार है। वित्त विभाग से साइन बनकर आना है। संभवतः इस सप्ताह शिक्षकों का अगस्त माह का भुगतान हो जाएगा। डिजिटल साइन के अभाव में ही आवंटन का बंटवारा नहीं हो पाया है।

हजारीबाग के विकास पर योगेंद्र साव का हमला

सांसद और विधायक पर लगाए गंभीर आरोप

कहा, दो साल में कोई उल्लेखनीय काम नहीं, जनप्रतिनिधि राजनीतिक ताकत और व्यापारिक हित साधने में जुटे

उज्जवल दुनियां संवाददाता

हजारीबाग। पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक योगेंद्र साव ने प्रेस वार्ता के दौरान हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल और सदर विधायक प्रदीप प्रसाद पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में विधायकों और सांसदों की ओर से ऐसी कोई उल्लेखनीय उपलब्धि सामने नहीं आई है, जिसे क्षेत्र की जनता विकास के रूप में देख सके। चाहे हजारीबाग हो या बरकाकाना, भाजपा के विधायक हों या दूसरे जनप्रतिनिधि, सभी अपनी राजनीतिक ताकत और व्यापारिक हितों को साधने में लगे हुए हैं।

जनता को भिखारी बनाने पर तुले हैं जनप्रतिनिधि : योगेंद्र साव

योगेंद्र साव ने तीखे अंदाज में कहा कि ये लोग जनता को भिखारी बनाने पर तुले हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध वसूली, रेलवे साइडिंग में रैक लोडिंग और आउटसोर्सिंग कंपनियों के माध्यम से अपना दोहन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को क्षेत्र के विकास से कोई मतलब नहीं है और वे अपने हित साधने में लगे हैं। श्री साव ने सदर विधायक प्रदीप प्रसाद पर जमीन दलाली का सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे लोगों की प्राथमिकता जनता और क्षेत्र का विकास नहीं, बल्कि अपना राजनीतिक और व्यापारिक हित है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग केवल मोदी जी के नाम पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं।

सड़क-नाली बदहाल, बारिश में शहर बन जाता है जलमग्न

शहर की बुनियादी सुविधाओं पर सवाल उठाते हुए योगेंद्र साव ने कहा कि हजारीबाग टाउन और आसपास की सड़कें तथा नालियां पूरी तरह बदहाल हो चुकी हैं। थोड़ी सी बारिश होते ही जगह-जगह पानी भर जाता है और जलजमाव की भयावह स्थिति पैदा हो जाती है। उन्होंने नगर निगम की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि शहर में हर तरफ कूड़ा-कचरा दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग में न तो कोई सामूहिक स्विमिंग पूल है और न ही ऐसा बेहतर बुनियादी ढांचा दिखाई देता है, जिससे शहर के विकास का दावा मजबूत हो। साव के मुताबिक, इन परिस्थितियों से साफ है कि हजारीबाग विकास के मामले में काफी पीछे छूट चुका है।

सवाल पूछने पर जनप्रतिनिधियों के जवाब पर भी किया कटाक्ष

सोशल मीडिया पर जनता की ओर से जनप्रतिनिधियों से पूछे जा रहे सवालों का जिक्र करते हुए साव ने कहा कि मीडिया और जनता कहीं भी और कभी भी सवाल पूछने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन सवालों के जवाब में जनप्रतिनिधियों की ओर से जिस तरह के अटपटे और गैर-जिम्मेदाराना जवाब सामने आ रहे हैं, वह उनकी दिग्भ्रमित मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने यहां तक कहा कि नेताओं को पहले अपना मानसिक इलाज कराना चाहिए। योगेंद्र साव ने कहा कि ऐसे लोगों के रहते हजारीबाग का समग्र विकास होना संभव नहीं है।

कहा जनता समझ चुकी है कौन क्या कर सकता है

भविष्य की राजनीति को लेकर भी योगेंद्र साव ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जनता पूरी तरह समझ चुकी है कि कौन क्या कर सकता है और कौन नहीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सांसद और विधायक अपनी प्राथमिकताओं में विफल रहे हैं और आने वाले दिनों में यहां से इनका सफाया होना तय है।

कांग्रेस को बताया झारखंड के विकास का विकल्प

योगेंद्र साव ने कहा कि झारखंड के विकास के लिए कांग्रेस पार्टी ही एकमात्र मजबूत विकल्प है। उन्होंने राहुल गांधी को देश का ऐसा नेता बताया, जिनके पास स्वर्गीय राजीव गांधी के सपनों को साकार करने का विजन है। साव ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में ही राज्य और देश का वास्तविक विकास संभव है।

छात्रों के समर्थन में भाजपा का विशाल प्रदर्शन

उज्जवल दुनियां संवाददाता

रामगढ़। छात्रों के समर्थन में भाजपा रामगढ़ जिला इकाई ने शुक्रवार को जिला अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में विशाल विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने सनशाइन बैंक्वेट हॉल से जिला समाहरणालय तक पैदल मार्च कर डीसी-एसपी कार्यालय का घेराव किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद उपायुक्त को मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि रोजगार की उम्मीद लगाए बैठे झारखंड के युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने जेएसएससी/जेपीएससी से जुड़े मामलों की सीबीआई जांच कराने और आंदोलनरत छात्रों पर दर्ज मुकदमे तत्काल वापस लेने की मांग की। बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि भाजपा छात्रों के अधिकार और न्याय की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ेगी। प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने कहा कि यह आंदोलन युवाओं के भविष्य और अधिकार की लड़ाई है। जिला प्रभारी सुरेंद्र कुमार महतो ने भी छात्रहित के मुद्दे पर आंदोलन जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार गुप्ता, चंद्रशेखर चौधरी, रंजन फौजी, डॉ संजय प्रसाद सिंह, प्रिया करमाली, रूपा देवी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं महिला कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वर्दी के पीछे धड़कता एक संवेदनशील दिल

चंदनकियारी की माटी से निकला वह लाल, जिसने वर्दी को सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, अनुशासन, साहस और इंसानियत का पर्याय बनाया...

रंजन चौधरी, सांसद मीडिया प्रतिनिधि

हजारीबाग। पुलिस की वर्दी महज एक पोशाक नहीं होती। यह जिम्मेदारी का भार, अनुशासन की पहचान, कानून के प्रति निष्ठा और समाज के प्रति कर्तव्य का प्रतीक होती है। इस वर्दी को पहनने वाले हर व्यक्ति का अपना एक सेवाकाल होता है, लेकिन कुछ पुलिस अधिकारी ऐसे होते हैं, जिनकी पहचान उनकी वर्दी से आगे बढ़कर उनके व्यवहार, संवेदनशीलता, साहस और जनसेवा से बनती है। झारखंड पुलिस के इंस्पेक्टर सपन कुमार महथा ऐसे ही पुलिस पदाधिकारी हैं। कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने के साथ आम लोगों के बीच रहकर कम्युनिटी पुलिसिंग को व्यवहार में उतारने वाले सपन कुमार महथा की अब तक की सेवा यात्रा संघर्ष, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, मानवीय संवेदना और अदम्य साहस की कहानी है। झारखंड राज्य के बोकारो जिले के चंदनकियारी की मिट्टी से निकलकर बिहार पुलिस में सब इंस्पेक्टर के रूप में सेवा शुरू करने और आज हजारीबाग जिले में सर्किल इंस्पेक्टर के पद तक पहुंचने की उनकी यात्रा अपने आप में प्रेरणा देती है। इन्होंने अपने कार्यकाल में जनप्रतिनिधि, मीडिया और जनता के साथ अपने पुलिस कर्मियों संग विशेष समन्वय स्थापित कर सबको समान भाव से सम्मान दिया। आज उनके जन्मदिन के अवसर पर उनके व्यक्तित्व और सेवाकाल के कुछ अनछुए पहलुओं को सामने लाने का यह एक विनम्र प्रयास है।

किसान परिवार से निकला संघर्षशील बालक

सपन कुमार महथा का जन्म 11 सितंबर 1971 को चंदनकियारी प्रखंड क्षेत्र के चंडीपुर गांव के एक सामान्य किसान परिवार में हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति भले ही बहुत मजबूत नहीं थी, लेकिन बच्चों को पढ़ाने और उन्हें आगे बढ़ाने का संकल्प एक कृषक दंपत्ति में बेहद ही मजबूत था।

उनके पिता धान और सब्जी की खेती करते थे। वहीं मां साझा में बकरी और बत्तख पालने देकर उससे मिलने वाले अंडे बेचकर परिवार की जरूरतें पूरी करने में सहयोग करती थीं। परिवार के सीमित संसाधनों के बीच बच्चों की पढ़ाई जारी रखना आसान नहीं था, लेकिन माता-पिता और भाइयों ने सपन कुमार महथा की शिक्षा में पूरा सहयोग दिया। उन्होंने चंडीपुर प्राथमिक विद्यालय से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद मध्य विद्यालय चंदनकियारी और उच्च विद्यालय चंदनकियारी से पढ़ाई की तथा 1986 में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की। आगे बोकारो स्टील कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। उनके संघर्षपूर्ण विद्यार्थी जीवन की एक घटना आज भी उनकी सफलता की बुनियाद को समझने के लिए काफी है। कॉलेज जाने के लिए साइकिल की जरूरत थी। परिवार के पास इसके लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे। तब मां ने अपने हिस्से के साझा में मिले बकरी और बत्तख के अंडे बेचकर 100 रुपये में उनके लिए सेकंड हैंड साइकिल खरीदी। वही साइकिल सिर्फ कॉलेज तक पहुंचने का साधन नहीं थी, बल्कि एक किसान परिवार के बेटे के सपनों को आगे बढ़ाने का माध्यम भी बनी।

गोंदलपुरा में घर के अंदर 70 वर्षीय वृद्धा की हत्या से सनसनी, खून से लथपथ चारपाई पर मिला शव

उज्जवल दुनियां संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत गोंदलपुरा गांव में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब घर के अंदर एक 70 वर्षीय वृद्धा का शव खून से लथपथ अवस्था में चारपाई पर पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। प्रथम दृष्ट्या मामला हत्या का प्रतीत होने पर बड़कागांव पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान तेतरी देवी, पति स्व. गल्लू महतो, उम्र करीब 70 वर्ष के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे मृतका की बहू घर में खाना पहुंचाने के लिए गई थी। घर का दरवाजा बाहर से बंद था। दरवाजा खोलकर अंदर जाने पर उसने तेतरी देवी को चारपाई पर खून से लथपथ अवस्था में पड़ा देखा। वृद्धा की ऐसी हालत देखकर बहू ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने घटना की सूचना तत्काल बड़कागांव पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन शुरू की। घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने पुलिस से मामले की गहन जांच के लिए डॉग स्क्वाड बुलाने की मांग की। इसके बाद पुलिस ने डॉग स्क्वाड की मदद से घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र में संभावित साक्ष्यों की तलाश की तथा घटना से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग जुटाने का प्रयास किया। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया। हत्या की घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वृद्धा की हत्या किस परिस्थिति में और किसके द्वारा की गई। साथ ही घर का दरवाजा बाहर से बंद होने के मामले को भी जांच के महत्वपूर्ण बिंदु के रूप में देखा जा रहा है। घटना को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने कहा कि यह बेहद वीभत्स घटना है। पुलिस मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जिसने भी इस घटना को अंजाम दिया है, उसे जल्द ही गिरफ्तार कर कानून के शिकंजे में लाया जाएगा। पुलिस घटनास्थल से मिले संभावित साक्ष्यों और अन्य बिंदुओं के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है।

एनटीपीसी के अधिग्रहण क्षेत्र में आया पुराना पंचायत भवन, ग्राम सभा ने नए स्थल को दी सर्वसम्मति से मंजूरी

उज्जवल दुनियां संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव एनटीपीसी पकरी-बरवाडीह परियोजना के अधिग्रहण क्षेत्र में वर्तमान पंचायत भवन के आ जाने के कारण चेपकला पंचायत भवन को अब नए स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा। नए पंचायत भवन के निर्माण एवं संचालन के लिए शुक्रवार को चेपकला पंचायत परिसर में आयोजित ग्राम सभा में नई भूमि के चयन को ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से मंजूरी प्रदान की। ग्राम सभा में लिए गए इस निर्णय के बाद पंचायत भवन के स्थानांतरण की प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है। अंचल अधिकारी, बड़कागांव के ज्ञापांक संख्या 700, दिनांक 10 सितंबर 2026 तथा जिला पंचायत राज पदाधिकारी, हजारीबाग के ज्ञापांक संख्या 925, दिनांक 1 सितंबर 2026 के आलोक में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता चेपकला पंचायत के मुखिया अनिकेत कुमार नायक ने की। बैठक में पंचायत भवन के लिए उपयुक्त भूमि के चयन को लेकर ग्रामीणों के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। ग्राम सभा को संबोधित करते हुए मुखिया अनिकेत कुमार नायक ने बताया कि चेपकला पंचायत का वर्तमान पंचायत भवन एनटीपीसी पकरी-बरवाडीह परियोजना के अधिग्रहण क्षेत्र में आ रहा है। ऐसी स्थिति में पंचायत के प्रशासनिक एवं विकास कार्यों के सुचारु संचालन के लिए पंचायत भवन के लिए नए स्थल का चयन करना आवश्यक हो गया था। ग्रामीणों की सहमति और उपलब्ध भूमि की उपयुक्तता को देखते हुए नए स्थल का चयन किया गया। ग्राम सभा में सर्वसम्मति से मौजा चेपकला के खाता संख्या 124, प्लॉट संख्या 213 में स्थित 0.12 एकड़ भूमि को नए पंचायत भवन के लिए चिन्हित किया गया। भूमि के चयन से संबंधित प्रस्ताव को उपस्थित ग्रामीणों ने अपनी सहमति प्रदान की। इसके बाद चयनित भूमि के संबंध में आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई के लिए अंचल कार्यालय को अनुशंसा भेजने का निर्णय लिया गया। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद नए पंचायत भवन के निर्माण की दिशा में जल्द पहल की जाएगी। नए भवन के बनने से पंचायत स्तर पर संचालित होने वाले सरकारी कार्यों, विकास योजनाओं एवं जनसेवा से जुड़े कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने में सुविधा होगी।

कोल ट्रांसपोर्टेरों की मनमानी का दंश झेल रही है बड़ी आबादी

गिले में कीचड़ सूखे में धूल कण प्रदूषण से त्रस्त हैं हजारीबाग-टंडवा मुख्य सड़क के राहगीर

राज्य पथ संख्या 7 पर घंटों लगा रहता है जाम, जाम से त्रस्त है राहगीर स्कूली बच्चे और एंबुलेंस

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग-टंडवा मुख्य सड़क राज्य पथ संख्या 7 के लबनिया मोड से टंडवा तक के मुख्य सड़क को बीते आधा दशक से कोल ट्रांसपोर्टरों ने अपने कब्जे में में ले रखा है! कोल ट्रांसपोर्टरों के मनमानी का दंश उक्त सड़क पर सफर करने वाली बड़ी आबादी स्कूली बच्चे और जरूरत मंद रोगी झेल रहे हैं! राहगीरों का आरोप है कि कोयला ढुलाई कर रही कोल ट्रांसपोर्टिंग कंपनी नकाश पीएनएम समेत अन्य कोल ट्रांसपोर्टरों के द्वारा केवल कोयला ढुलाई करने से मतलब होता है चाहे लोग सड़क दुर्घटना के शिकार हो या फिर सड़क जाम की कारण घंटों जाम लगा रहे !

धूल कण प्रदूषण के नाम पर पानी छिड़काव की खानापूर्ति

टंडवा केरेडारी मुख्य सड़क पर रोजान सफर करने वाले किशोर महतो मुकेश महतो आनंद राणा समेत अन्य लोगों ने बताया कि पानी छिड़काव का कार्य केवल लबनिया मोड 2.2 सड़क से से महज सौ मीटर तक ही की जाती है ! शेष सड़क पर सूखे में उड़ते धूल कण प्रदूषण और गिले में कीचड़ से राजगीर परेशान रहते हैं ! जिससे क्षेत्रवासियों और राहगीरों में सांस की बीमारी होने का खतरा बढ़ गया है।

सड़क जाम से निजात के लिए नहीं हैं पर्याप्त सुरक्षा गार्ड

कोल ट्रांसपोर्टरों के दौरान सड़क जाम होने पर कंपनी के सुरक्षा गार्ड शायद ही नजर आते हैं क्योंकि केवल लबनिया मोड 2.2 सड़क पर ही कंपनी के सुरक्षा गार्ड कार्य करते हैं शेष सड़क भगवान भरोसे होता है !

अलग ट्रांसपोर्टिंग सड़क बनाने की लागतार उठ रही है मांग

धूल कण प्रदूषण सड़क दुर्घटना सड़क की समस्या को लेकर पेटो पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि गुरुदयाल साव कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र गुप्ता समेत आस पास निवास करने वाले ग्रामीणों ने हजारीबाग उपायुक्त को लिखित ज्ञापन भी दिया है! जिसमें अलग ट्रांसपोर्टिंग सड़क बनाने की मांग की गई है !

एक नजर

संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करना कांग्रेस पार्टी का मुख्य उद्देश्य : अम्बा प्रसाद

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया । बैठक मे संगठन को लेकर विस्तार चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष सह जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष निसार खान ने की । इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के राष्ट्रीय सचिव सह उतरी छोटानागपुर प्रमंडल कैम्पेन कमिटी के चेयरपर्सन अम्बा प्रसाद ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आज की बैठक संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से रखी गई है । उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ता होते हैं । संगठन मजबूत बनाने के लिए कांग्रेसी कार्यकताओं को गांव, पंचायत और बूथ स्तर तक जाने की आवश्यकता है । जनता से लगातार संवाद कर उनकी समस्याओं को समझना और जनहित मुद्दों को मजबूति से उठाना संगठन की पहली प्रथमिकता होनी चाहिए।

शिव मंदिर मुख्य द्वार मे समाजसेवी ने लगाया गेट, ग्रामीणों ने सराहा

बरवाअड्डा। क्षेत्र के उदयपुर शिव मंदिर मे मुख्य द्वार पर कई बर्षो से गेट नहीं रहने से मुख्य द्वार से चारागह मवेशिया अंदर घूमते रहता था। ग्रामीणों की मांग पर पंचायत के समाजसेवी गोपाल महतो ने तत्परता दिखाते हुए गेट लगाए। श्री महतो ने बताया कि मंदिर आस्था का केंद्र है। जब भी कभी मंदिर सहित अन्य लोगो की समस्या हो। हमेशा सेवा मे रहते है। आगे भी जनसेवा जारी रहेगा। मौके पर विनोद कर्मकार, वाड सदस्य वासुदेव टुडू, छोटेलाल समेत कई ग्रामीण महिला पुरुष मौजूद थे।

अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए राजेश सिंह, गर्मजोशी के साथ हुआ स्वागत

रांची। बिरसा चौक, स्टेशन रोड 'होटल पार्क इन' रांची में शुक्रवार 11 सितंबर 2026 को अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के तत्वाधान में सम्मान समारोह आयोजित की गई। समारोह में राजेश सिंह जी को अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर गर्म जोशी के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव एवं झारखंड प्रभारी सुनील कुमार सिंह जी ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह जी को पाग पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर फूलों के माला के साथ गुलदस्ता भेंटकर गर्मजोशी के साथ स्वागत और सम्मान किया। तथा सफल कार्यकाल के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव सिंह जी ने दूरभाष पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह जी को सफल कार्यकाल के लिए बधाई दी। एवम उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे झारखंड के नायक बनकर उभरें, यही हमारी शुभकामना है। इस मौके पर सवर्ण समाज से आए हुए सम्मानित जनों ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बधाई देते हुए राष्ट्रीय सचिव एवं झारखंड प्रभारी सुनील कुमार सिंह एवम प्रदेश संरक्षक रामेश्वर दयाल सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि राजेश सिंह जी की मोर्चा के प्रति लग्नशीलता, कार्यकुशलता तथा निष्ठा को देखते हुए मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव सिंह जी की अनुशंसा पर केंद्रीय कमेटी के द्वारा झारखण्ड प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। हमें पूर्ण विश्वास है कि है कि राजेश सिंह जी को सवर्ण मोर्चा से जुड़ने पर मोर्चा को और मजबूती मिलेगी। उनके अनुशासन, मेहनत और मोर्चा के प्रति समर्पण भावना को देखते हुए केंद्रीय कमेटी ने उन्हें झारखंड प्रदेश का बागडोर सौंपी है। उन्होंने राजेश सिंह को उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है। वहीं राजेश सिंह ने अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए, राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव सिंह जी राष्ट्रीय सचिव एवं झारखंड प्रभारी सुनील कुमार सिंह जी, प्रदेश संरक्षक रामेश्वर दयाल सिंह जी सहित केंद्रीय कमेटी के समस्त पदाधिकारीयों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कमेटी द्वारा हमें जिस आशा, विश्वास एवं उम्मीद के साथ सवर्ण मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गई है, उस पर मैं खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा। राजेश सिंह ने कहा कि सक्रिय लोगों को मोर्चा में जोड़ते हुए, मोर्चा को मजबूती दिलाने का कार्य करूंगा। राजेश सिंह को अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर सूर्यमणि सिंह , भोला झा रंजन झा गुंजन झा विकास सिंह धनंजय सिंह गुंजन सिंह रवि कुमार सिंह धर्मवीर छोटू सिंह मनोज मिश्रा कमल ठाकुर विशाल सिंह पिंटू कुमार सिंह सुशील सिंह राज सिंह अंश कुमार सच्चिदानंद तिवारी संतोष सिंह, अभिषेक मिश्रा, अशोक दुबे, सुशील दुबे, शिव शंकर शर्मा, यश सिंह परमार, रेनू दुबे सहित सैकड़ो लोगों ने बधाई दी है।

बैंककर्मियों की हड़ताल, धनबाद में 300 करोड़ का कारोबार प्रभावित

धनबाद। विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार को धनबाद समेत पूरे झारखंड में बैंकिंग सेवाएं ठप रहीं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस यानी यूएफबीयू के आह्वान पर बैंककर्मी एक दिवसीय हड़ताल पर रहे। केंद्र सरकार और बैंक प्रबंधन के साथ दो दिवसीय वार्ता विफल होने के बाद बैंक कर्मचारियों ने हड़ताल का रास्ता अपनाया। धनबाद के हीरापुर, बैंक मोड़, पुलिस लाइन, सरायढेला और मटकुरिया समेत कई इलाकों में बैंक कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर नारेबाजी की। हीरापुर स्थित इंडियन बैंक के अधिकारी विवेक कुमार ने बताया कि 5-डे बैंकिंग को लेकर करीब दो साल पहले सरकार के साथ समझौता हुआ था, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि बार-बार केवल मामला विचाराधीन होने का आश्वासन दिया जाता है। बैंक कर्मचारियों के मुताबिक धनबाद जिले में 200 से अधिक बैंक शाखाएं बंद रहने के कारण करीब 250 से 300 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हुआ है। बैंक संगठन सचिव राजीव कुमार रंजन ने कहा कि एलआईसी की तर्ज पर बैंकों में भी तत्काल 5-डे बैंकिंग लागू की जाए। इसके साथ ही पीएलआई यानी परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव में मौजूद विसंगतियों को दूर करने की मांग की गई है। बैंक कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों पर जल्द फैसला नहीं लिया गया तो आगे तीन दिवसीय हड़ताल और इसके बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता अपनाया जा सकता है। हालांकि, हड़ताल के दौरान ग्राहकों को पूरी तरह परेशानी न हो, इसके लिए एटीएम और ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं चालू रखी गईं। हड़ताल में यूएफबीयू से संबद्ध सात प्रमुख बैंक यूनियनों के कर्मचारी शामिल रहे। इसके चलते एसबीआई, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, पीएनबी, केनरा बैंक, यूनियन बैंक, सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा समेत सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकांश बैंकों की शाखाओं में कामकाज प्रभावित रहा।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में दस्तावेज को लेकर परेशान न हों : विशाल पांडेय

विसंगति निवारण कार्यशाला में बीडीओ ने ग्रामीणों को दी जानकारी, बीएलओ से संपर्क कर जमा करें संबंधित दस्तावेज

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

टुंडी। शुक्रवार को टुंडी प्रखंड सभागार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्क़) के तहत चल रहे विसंगति निवारण कार्यशाला में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न बूथों से पहुंचे ग्रामीणों को आवश्यक जानकारी दी गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए टुंडी बीडीओ विशाल कुमार पांडेय ने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से विसंगति संबंधी नोटिस मिलने पर किसी भी मतदाता को परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न प्रकार की विसंगतियों को चिह्नित करते हुए मतदाताओं को नोटिस जारी किया गया है। ऐसे मतदाता निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवश्यक दस्तावेज अपने बूथ लेवल अधिकारी (इछड) को उपलब्ध कराकर अपनी विसंगति का निवारण करा सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड, जन्म तिथि अंकित विद्यालय प्रमाण पत्र सहित निर्वाचन आयोग द्वारा नोटिस में बताए गए निर्धारित दस्तावेजों में से किसी एक दस्तावेज का उपयोग किया जा सकता है। बीडीओ ने कहा कि मतदाताओं को दस्तावेजों को लेकर इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं है। अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज जमा करें और विसंगति निवारण की प्रक्रिया पूरी कराएं। विदित हो कि 9 सितंबर से प्रत्येक दिन तीन से चार बूथों के लिए प्रखंड स्तरीय विसंगति निवारण कार्यशाला का आयोजन प्रखंड सभागार में किया जा रहा है। क्षेत्र में पर्याप्त जानकारी के अभाव में कई ग्रामीण निर्वाचन आयोग से प्राप्त विसंगति संबंधी नोटिस लेकर दिनभर भाग-दौड़ कर रहे हैं। इसे देखते हुए बीडीओ ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अनावश्यक रूप से परेशान न हों और अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर समस्या का समाधान कराएं। कार्यशाला में बीपीआरओ बबलेश शाह, लखन ओझा, दीपराज विश्वकर्मा, मनोज सिंह, अजय सिंह, मृत्युंजय प्रियदर्शी के अलावा संबंधित बूथों के बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान ग्रामीणों को विसंगति निवारण की प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में डीवीसी, सीएसआर ,मैथन की सराहनीय पहल

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

मैथन। दामोदर घाटी निगम मैथन डैम परियोजना के नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग द्वारा ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से सिद्धबाड़ी में ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्घाटन किया गया। इस प्रशिक्षण के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को डोलन ब्यूटीक ट्रस्ट की प्रशिक्षक डोलन मुखर्जी, रिम्पा राय, पंपा राय, द्वारा ब्यूटीशियन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण उदघाटन के अवसर पर सभी प्रशिक्षुओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। प्रशिक्षक सुश्री डोलन मुखर्जी ने ब्यूटीशियन कार्य से संबंधित विभिन्न तकनीकों एवं व्यावहारिक पहलुओं का प्रशिक्षण सहज एवं सरल तरीके से ब्यूटीशियनके बारे में बताया । प्रशिक्षण के दौरान आवश्यक सौंदर्य सामग्री की निःशुल्क व्यवस्था डीवीसी, सीएसआर द्वारा की जाएगी। डीवीसी, सीएसआर द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास तथा स्थानीय समुदायों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए समय-समय पर विभिन्न प्रकार के कौशल विकास एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर डॉ. कौशलेंद्र कुमार, प्रबंधक (सीएसआर) ने कहा, डीवीसी की सीएसआर गतिविधियों का उद्देश्य केवल सहायता प्रदान करना ही नहीं, बल्कि ग्रामीण समुदायों को कौशलयुक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। ब्यूटीशियन प्रशिक्षण जैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण महिलाओं को अपने घर से रोजगार शुरू करने और अपनी आय बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। हमारा प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों की अधिक से अधिक महिलाओं एवं युवाओं को उनकी रुचि और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे स्वरोजगार के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ-साथ समाज के विकास में भी योगदान दे सकें। इस अवसर पर श, ग्रामीण महिलाएं, प्रशिक्षु एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

नव वर्ष में भोजपुरी परिवार बोकारो कराएगा 21 जोड़ों का सामूहिक विवाह : बी बी एल श्रीवास्तव

बोकारो। भोजपुरी परिवार बोकारो सामाजिक दायित्व के तहत नव वर्ष के फरवरी के प्रथम सप्ताह में गरीब परिवार के 21 जोड़ों का सामूहिक विवाह सेक्टर 4 स्थित बाबू वीर कुंवर सिंह पार्क में संपन्न कराएगा। उक्त बातें भोजपुरी परिवार बोकारो के जिलाध्यक्ष बी बी एल श्रीवास्तव ने शुक्रवार को सेक्टर 2 स्थित जयप्रकाश नारायण सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में कहीं। उन्होंने बताया कि भोजपुरी परिवार बोकारो के द्वारा इसके पूर्व भी गरीबों के बीच ठंड के मौसम कंबल का वितरण , जरूरतमंद गरीबों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण आदि अन्य कार्य किया गया है। अब भोजपुरी परिवार बोकारो ने सामूहिक विवाह करने का निर्णय लिया है। सामूहिक विवाह के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए जो भी इच्छुक महिला/पुरुष पुरुष हैं वो न्यायालय से एफिडेविट कराकर जरूरी दस्तावेजों के साथ भोजपुरी परिवार बोकारो के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। भोजपुरी परिवार बोकारो के द्वारा जांच के उपरां उनका निबंधन कर लिया जाएगा। भोजपुरी परिवार बोकारो के द्वारा विवाह संबंधी सामग्रीयां निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। विवाहोपरांत दूल्हा दुल्हन को भोजपुरी परिवार उनके घर तक पहुंचाने का भी व्यवस्था करेगा। निबंधन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विवाह की तिथि तय कर ली जाएगी। जिसकी जानकारी मीडिया के माध्यम से जल्द उपलब्ध कराई जाएगी। मौके पर भोजपुरी परिवार के प्रदेश अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, प्रदेश प्रधान महासचिव ओम प्रकाश गुप्ता, संरक्षक केदार सिंह,भोजपुरी परिवार बोकारो के प्रधान महासचिव रविंद्र सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष संत कुमार सिंह,पी एन पांडे, अवध बिहारी सिंह,पाली सिंह, प्रदेश कार्यकारी युवा अध्यक्षअभिषेक सिंह आदि उपस्थित थे।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा अमृत महोत्सव 12 सितंबर से, तैयारीयां पूरी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। सराफ परिवार के तत्वावधान में भक्ति, ज्ञान और प्रेम के दिव्य संगम सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा अमृत महोत्सव का भव्य आयोजन आगामी 12 सितंबर से 18 सितंबर तक महाराजा अग्रसेन भवन रांची में किया गया है।कथा में जगन्नाथधाम के सुप्रसिद्ध कथावाचक एवं व्यास श्री दिनेश जी भारद्वाज श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण की अमृतमयी कथा का रसपान कराएंगे। उक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि कथा का आयोजन प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे से संध्या 6 बजे तक होगा। आयोजन को लेकर सराफ परिवार द्वारा व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई है। सातों दिनों में श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों, भगवान के अवतारों, भक्त चरित्रों तथा श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा।प्रथम दिवस 12 सितंबर शनिवार को प्रातः 10 बजे लक्ष्मी नारायण मंदिर से कलश यात्रा निकाली जाएगी। तथा इसी दिन श्रीमद्भागवत कथा महात्म्य एवं शुकदेव परीक्षित मिलन का प्रसंग होगा। सर्राफ परिवार ने बताया कि श्रीमद्भागवत केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सत्य, धर्म, प्रेम, करुणा, सदाचार और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला दिव्य ग्रंथ है। कथा श्रवण से मनुष्य को आत्मिक शांति प्राप्त होती है तथा परिवार और समाज में संस्कार एवं सद्भाव की भावना मजबूत होती है। उन्होंने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से सातों दिनों कथा में सपरिवार उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत कथा के दिव्य ज्ञान, भक्ति और प्रेम का लाभ उठाने करने का आग्रह किया।

सिदपा घटना में पुलिस पर पथराव मामले में दो गिरफ्तार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

टंडवा। सिदपा गांव महिला व पुरुष को घर में बंद किये जाने के बाद हुए बवाल मामले में टंडवा पुलिस ने करवाई शुरू कर दी है।पुलिस टीम पर पथराव के मामले में टंडवा पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपियों में डहू गांव निवासी पूर्व मुखिया चुरामन उरांव और अशोक महतो का नाम शामिल हैं।इस संबंध में टंडवा डीएसपी प्रभात रंजन बरवार ने एसडीपीओ कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर मामले कि जानकारी दी, उन्होंने बताया कि घटना आठ सितंबर की शाम करीब सात बजे की है।अंचलाधिकारी गौरव कुमार राय को सूचना मिली थी कि सिदपा गांव में प्रदीप टाना भगत के घर में उनकी पत्नी और कामता गांव निवासी मो शाहबाज अंसारी को ग्रामीणों ने पकड़ कर घर में बंद कर दिया है।सूचना मिलने पर अंचलाधिकारी और थाना प्रभारी पप्पू कुमार शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। जहां पुलिस ने भीड़ को समझा-बुझाकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया पर लोग नही माने, लेकिन काफी प्रयास के बाद जब युवक-युवती को बाहर निकाला जा रहा था तभी भीड़ उग्र हो गयी और पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया व दोनों को पुलिस अभिरक्षा से छीनने का प्रयास किया । पथराव में पुलिस पदाधिकारी और जवानों को चोटें आयीं व गाड़िया क्षतिग्रस्त हो गई।डीएसपी ने बताया कि घटना में टंडवा थाना प्रभारी पप्पू कुमार शर्मा,सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव, एसआइ हरिपद महतो, आरक्षी बैजनाथ कुमार महतो तथा सीसीएल के निजी वाहन चालक गणेश ठाकुर चोटिल हुए। घटना के बाद पुलिस ने वीडियो रिकॉर्डिंग और स्थानीय चौकीदार की मदद से पथराव में शामिल लोगों की पहचान शुरू की।इस मामले में सीओ के बयान पर 37 नामजद समेत करीब 300 से 400 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर करवाई शुरू की है। बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया।कहा कि अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस कार्रवाई कर रही है।दोनों की गुरफ्तारी में पुअनि प्रभात कुमार, अरविंद कुमार रविदास समेत रिर्जव गार्ड व सैट के जवानो ने भूमिका निभाई।

इस तरह की घटना में संयम बरतें ग्रामीण : एसडीपीओ

एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार ने बताया कि इस तरह की घटना में लोग संयम बरतें, उन्होंने कहा कि पुलिस लोगो की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर है, किसी भी अफवाह पर पुलिस को सूचना दें, कभी भी कानून को हाँथ में लेने का प्रयास नही करें, कहा सामाजिक एकता को बनाने के लिए यह आवश्यक है कि किसी के बहकावे में आकर कोई गलत कदम नही उठाएं। कहा कि कुछ मौकापरस्त लोग इस तरह की घटना में माहौल बिगाड़ने का प्रयास करते हैं। उन्हीने ग्रामीणों से हमेशा सूझबूझ के साथ काम करने का आग्रह किया है।

महिलाएं कमजोर नहीं, आत्मनिर्भर बनकर परिवार और समाज को दे रही नई दिशा : दुर्गा दास

बिरसिंहपुर में आजीविका महिला संकुल संगठन की वार्षिक आमसभा आयोजित

एग्यारकुंड। बिरसिंहपुर आजीविका महिला संकुल संगठन स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, बिरसिंहपुर की वार्षिक आमसभा (एजीएम) का आयोजन शुक्रवार को कुवरडीह जिला परिषद विवाह भवन में किया गया। कार्यक्रम में संगठन से जुड़ी बड़ी संख्या में महिला सदस्यों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभावी जिला परिषद सदस्य दुर्गा दास शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दुर्गा दास ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद आजीविका महिला संकुल संगठन की ओर से दुर्गा दास का अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। वहीं मुख्य अतिथि के हाथों संगठन की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों को अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला देकर सम्मानित किया गया। आमसभा के दौरान समिति के कार्यों,अब तक की गतिविधियों, उपलब्धियों तथा आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर दुर्गा दास ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं किसी भी मायने में कमजोर नहीं हैं। वे घर-परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां निभाने के साथ-साथ अपने समूह और रोजगार से जुड़े कार्यों को भी पूरी जिम्मेदारी से आगे बढ़ा रही हैं।आज महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और अपने परिवार के साथ-साथ समाज एवं क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों एवं आजीविका से जुड़कर महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं। महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ना आत्मनिर्भर समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने संगठन से जुड़ी महिलाओं को एकजुट होकर आगे बढ़ने तथा सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का मंच संचालन सीमा ने किया। मौके पर आई.पी.आर.पी. अनुज महतो, मीनू मुर्मू,माधुरी देवी,अनीता देवी, ब्यूटी भट्टाचार्य, राखी कर्मकार, नीतू देवी, लक्ष्मी गोस्वामी, अप्पू बाउरी, जायदा खातून, पूजा, बबली लायक, उषा देवी, नीलम देवी, चंचल, मिट्ठू, शोभा, वंदना बाउरी, बाबुल बाउरी, सेतु देवी सहित बड़ी संख्या में समूह की महिलाएं उपस्थित थीं।

झारखंड में अब तक 859 मिमी बारिश रिकॉर्ड, सबसे अधिक पश्चिमी सिंहभूम में हुई बरसात

रांची। राज्य भर में 01 जून से 11 सितंबर तक 890.6 मिलिमीटर के मुकाबले 859.8 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। यह सामान्य से तीन प्रतिशत कम है। यह जानकारी मौसम विभाग ने शुक्रवार को दी। विभाग के अनुसार राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम में 1298.6 मिमी रिकॉर्ड की गई जो सामान्य से 45 प्रतिशत अधिक है। वहीं राज्य में सबसे कम बारिश पाकुड़ जिले में 520.9 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई जो सामान्य से 48 प्रतिशत कम है। साथ ही साहिबगंज, कोडरमा, गुमला, चतरा, देवघर और गिरिडीह में भी सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश दुमका जिले के गोपीकांदर में 93.2 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान दुमका में 33.6 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 20.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। शुक्रवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और रुक-रुक कर हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश होने से वातावरण में ठंड का एहसास हुआ। वहीं, शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री और न्यूनतम 22.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 32.8 डिग्री और न्यूनतम 25.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 32.3 और न्यूनतम 25.1 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 31.5 डिग्री और न्यूनतम 25.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

एक नजर

मध्य विद्यालय, एरिया न 6 में स्वास्थ्य जाँच कार्यक्रम का सफल आयोजन

मैथन। दामोदर घाटी निगम ,नैगम सामाजिक दायित्व एवं बी.पी. नियोगी अस्पताल के सहयोग से मध्य विद्यालय, एरिया न 6 में विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय के कुल 126 विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जाँच की गई। जिसमें एक विद्यार्थी में कलर ब्लाइंडनेस की पहचान की गई। शिविर के दौरान विद्यार्थियों की ऊँचाई, वजन एवं दृष्टि की जाँच की गई। दृष्टि परीक्षण के अंतर्गत कलर ब्लाइंडनेस (रंगांधता) की भी जाँच की गई। इसके साथ ही विद्यार्थियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। जाँच के दौरान एक विद्यार्थी में कलर ब्लाइंडनेस के लक्षण पाए गए, जबकि कई विद्यार्थियों में दंत क्षय **(Deftal Caries)** तथा विटामिन-ए की कमी के संकेत पाए गए। संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति विद्यार्थियों को आवश्यक परामर्श एवं जागरूकता प्रदान की गई तथा उचित चिकित्सकीय देखभाल के लिए मार्गदर्शन दिया गया। डॉ. लक्ष्मण सोरेन, उप महाप्रबंधक (स्वास्थ्य सेवाएं) ने कहा कि डीवीसी अपने कार्मिकों के साथ-साथ आसपास के समुदायों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं लोगों को बीमारियों के प्रति सचेत करने के साथ-साथ उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता, दाँतों की नियमित सफाई तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय मार्गदर्शन उपलब्ध कराना था। स्वास्थ्य जाँच शिविर में डॉ. एल. सोरेन, श्रीमती प्रणमिता चंद्रा, अविक गुहा,बिट्ठू मंडल एवं रतन विश्वास ने सक्रिय भूमिका निभाई।

5-डे बैंकिंग की मांग को लेकर अड़ा, बैंक ठप्प 300 करोड़ का कारोबार प्रभावित

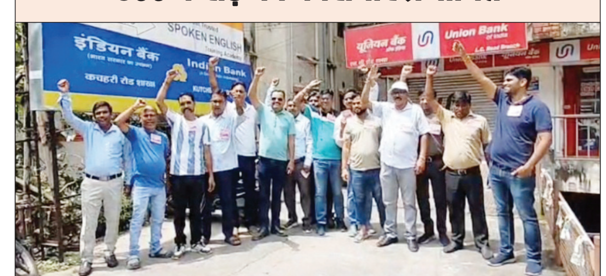

धनबाद। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर शुक्रवार को धनबाद समेत पूरे झारखंड में बैंकिंग सेवाएं पूरी तरह ठप्प रहीं। केंद्र सरकार और बैंक प्रबंधन के साथ दो दिवसीय वार्ता विफल होने के बाद बैंककर्मियों ने हड़ताल का रास्ता चुना। इसके विरोध में धनबाद के हीरापुर, बैंक मोड़, पुलिस लाइन, सरायढेला और मटकुरिया समेत कई इलाकों में बैंक कर्मचारियों ने सड़कों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन और नारेबाजी की। हीरापुर इंडियन बैंक के अधिकारी विवेक कुमार ने बताया कि 5-डे बैंकिंग पर सरकार के साथ दो साल पहले समझौता हुआ था, लेकिन इसे अब तक लागू नहीं किया गया। बार-बार केवल 'मामला विचाराधीन है' का आश्वासन मिलता है। उन्होंने कहा कि धनबाद जिले में 200 से अधिक शाखाएं बंद रहने से करीब 250 से 300 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हुआ है। इंडियन बैंक के संगठन सचिव राजीव कुमार रंजन ने कहा कि एलआईसी की तर्ज पर बैंकों में भी 5-डे बैंकिंग तुरंत लागू हो और पीएलआई (परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव) की विसंगतियां दूर की जाएं। मांगें न मानने पर आगे तीन दिवसीय और फिर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी गई। हालांकि, ग्राहकों की राहत के लिए एटीएम और ऑनलाइन सेवाएं चालू रखी गईं। इस हड़ताल में यूएफबीयू से संबद्ध सात प्रमुख यूनियनों (एआईबीईए, एआईबीओसी, एनसीबीई, एआईबीओए, बीईएफआई, आईएनबीओसी और आईएनबीईएफ) के तहत एसबीआई, इंडियन बैंक, बीओआई, पीएनबी, केनरा बैंक, यूनियन बैंक, सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूको बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और पंजाब एंड सिंध बैंक समेत सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक पूरी तरह शामिल रहे।

नगर निगम की उदासीनता से नही हो रही नालियों की सफाई

धनबाद। धनबाद नगर निगम की वार्ड संख्यां 11 अंतर्गत खैरा शिव मंदिर मुहल्ला के बड़ी नाली में इन दिनों गंदे पानी का जमाव से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है एवं माहमारी फैलने की संभावना हो गई है। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि वार्ड में प्रायः निगम की सफाई कर्मी घूमते है किंतु वे कभी भी इस मुहल्ले के नालियों की सफाई नही करते है। जिससे यहां नालियों में काफी कचड़े व गन्दे पानी का जमाव हो गया है सफाई कर्मियों को उन्हें सुझाव देने पर उत्तर में यही सुनने को मिलता है की अभी इधर सफाई का ऑर्डर नही है बाद में इसे सफाई कर दिया जाएगा। इस कदर वे अपना पल्ला झाड़ लेते है और सफाई कभी नही होती है। जिसे दिन के उजाले में आसानी से देखा जा सकता है। लोगों ने यह भी बताया कि नालियों की सफाई के साथ साथ मुहल्ले के आवागमन करने वाले रास्ते में जंगल झाड़ भर गए है जहां खौफनाक किस्म के कीटाणु व मच्छर पैदा हो गए है जो रेंगते हुए लोगों के घरों में प्रवेश कर जाते है। एवं मुहल्ले में नालियों की समय पर साफ सफाई न होना एवं जंगल झाड़ जमे रहना नगर निगम के उदासीनता की झलक साफ दिख रही है।

अवैध कोयला परिवहन के खिलाफ छापेमारी, ट्रक जब्त

बोकारो। उपायुक्त बोकारो के निदेर्शानुसार शुक्रवार को जिले में अवैध कोयला परिवहन के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नावाडीह के समीप मुख्य पथ पर अवैध रूप से कोयला का परिवहन करते एक ट्रक को पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान पकड़े गए ट्रक को विधिवत जब्त कर चास मुफस्सिल थाना के सुपुर्द कर दिया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध कोयला कारोबार एवं परिवहन में संलिप्त लोगों में हड़कंप है। छापामारी अभियान में खान निरीक्षक अजय कुमार महतो, खान निरीक्षक सीताराम टुडू सहित पुलिस बल के जवान मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से अवैध खनन एवं कोयला परिवहन के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रखने की बात कही गई है।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

साहिबगंज में आज से जुटेंगे झारखंड के युवा कबड्डी खिलाड़ी, 24 जिलों की टीमें लेंगी हिस्सा

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः जिले में पहली बार 20वीं झारखंड राज्य जूनियर बालक-बालिका कबड्डी प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया जा रहा है। जहां तीन दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार को दोपहर 2 बजे सकरीगली रेलवे ग्राउंड में होगा। उधर प्रतियोगिता के सभी मुकाबले 12, 13 एवं 14 सितंबर को इसी मैदान में खेले जाएंगे। वही प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर शुक्रवार को साहिबगंज महाविद्यालय में आयोजन समिति की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। जहां समिति के अध्यक्ष एवं साहिबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष नवनीत कुमार सोनू, सचिव लालू यादव एवं उपसचिव उत्तम कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड की स्वीकृति एवं मार्गदर्शन में साहिबगंज जिला कबड्डी एसोसिएशन सह आयोजन समिति के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। उधर आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता में झारखंड के 24 जिलों की बालक एवं बालिका टीमें हिस्सा लेंगी। जहां राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी साहिबगंज पहुंच चुके हैं। वही प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाने का मिलेगा मौका उधर आयोजन समिति ने बताया कि प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले एवं चयनित खिलाड़ियों को आगे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता, जो अक्टूबर में प्रस्तावित है, में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उधर समिति ने कहा कि साहिबगंज में पहली बार इतने बड़े स्तर की जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन जिले के लिए गौरव की बात है। वही प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से भी आवश्यक सहयोग किया जा रहा है। वहीं साहिबगंज एवं सकरीगली के गणमान्य लोगों, विभिन्न खेल संघों और खेलप्रेमियों का भी सहयोग मिल रहा है। उधर बाहर से आने वाले खिलाड़ियों एवं टीमों के आवास, भोजन सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। आगे आयोजन समिति ने बताया कि खेल भावना, अनुशासन और एकता के संदेश के साथ प्रतियोगिता को सफल बनाने की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। समिति की ओर से खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, पदाधिकारियों, खेलप्रेमियों एवं दर्शकों से प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की गई है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में रसायन विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार, जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, कॉलेज खेल पदाधिकारी प्रदीप कुजूर, उत्तम कुमार, लालू यादव सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्य मौजूद थे।

एसआईआर 2026 को लेकर वीएलई को दिए गए दिशा निर्देश, जाति-निवास प्रमाण पत्र के ऑनलाइन आवेदन पर जोर

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निदेशानुसार विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम एसआईआर 2026 को लेकर शुक्रवार को जिले के सभी सीएससी संचालकों एवं वीएलई के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। जहां बैठक की अध्यक्षता उप निर्वाचन पदाधिकारी कुमुदिनी टुडू ने की। इस बैठक में एसआईआर 2026 के तहत जिले में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान पात्र नागरिकों के जाति एवं निवास प्रमाण पत्र बनाने से संबंधित ऑनलाइन प्रक्रिया और आवश्यक प्रावधानों की विस्तृत जानकारी सीएससी संचालकों एवं वीएलई को दी गई। जहां उप निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी सीएससी संचालकों एवं वीएलई को निर्देश दिया कि पात्र नागरिकों के जाति एवं निवास प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन निर्धारित प्रक्रिया एवं नियमानुसार सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए वीएलई आवश्यक सहयोग प्रदान करें। वही उन्होंने कहा कि एसआईआर 2026 को सुचारू, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने में सीएससी संचालकों और वीएलई की भूमिका महत्वपूर्ण है। जहां सभी संबंधित कर्मी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें और नागरिकों को आवश्यक जानकारी एवं सहयोग उपलब्ध कराएं। इस बैठक में डिस्ट्रिक्ट मैनेजर आलोक कुमार सहित जिले के सभी संबंधित सीएससी संचालक एवं वीएलई मौजूद थे।

राजनीतिक दलों की मौजूदगी में ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। जहां निरीक्षण के दौरान जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। उधर निर्धारित प्रक्रिया के तहत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वेयरहाउस के डबल लॉक एवं सीलबंद तीनों विधानसभा कक्षों को खोला गया। इसके बाद वेयरहाउस में सुरक्षित रखी गई ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों का भौतिक सत्यापन किया गया और उनके सुरक्षित रखरखाव की स्थिति का जायजा लिया गया। वही उपायुक्त ने वेयरहाउस में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, निगरानी एवं रिकॉर्डिंग व्यवस्था के साथ साथ सुरक्षा प्रबंधन का भी निरीक्षण किया। जहां उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि वेयरहाउस की निगरानी व्यवस्था 24 घंटे सक्रिय और प्रभावी रखी जाए तथा सुरक्षा मानकों के अनुपालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए। उधर निरीक्षण के दौरान अग्निशमन उपकरणों, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेखों के संधारण तथा अन्य सुरक्षा प्रोटोकॉल की भी समीक्षा की गई। वही उपायुक्त ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप सभी व्यवस्थाओं को अद्यतन एवं सुव्यवस्थित रखने का निर्देश दिया।

निशांत जायसवाल को झारखंड कांग्रेस ओबीसी विभाग का चेयरपर्सन बनाए जाने पर अश्विनी कुमार आनंद ने दी बधाई

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बरहरवाः अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी द्वारा निशांत जायसवाल को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के ओबीसी विभाग का चेयरपर्सन नियुक्त किए जाने पर प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश महासचिव अश्विनी कुमार आनंद ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। जहां अश्विनी कुमार आनंद ने कहा कि निशांत जायसवाल को मिली यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पूरे झारखंड के ओबीसी समाज और कांग्रेस कार्यकताओं के लिए हर्ष एवं गौरव का विषय है। आगे उन्होंने विश्वास जताया कि जायसवाल अपने कुशल नेतृत्व, संगठनात्मक क्षमता और समर्पण के माध्यम से प्रदेश में ओबीसी विभाग को और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली बनाएंगे। वही उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ओबीसी समाज अपने अधिकार, सम्मान, सामाजिक न्याय और उचित राजनीतिक भागीदारी को लेकर मजबूत एवं संगठित आवाज की अपेक्षा करता है ऐसे में निशांत जायसवाल का नेतृत्व समाज की आवाज को नई मजबूती प्रदान करेगा। आगे अश्विनी कुमार आनंद ने कहा कि उनके नेतृत्व में ओबीसी विभाग को जिला, प्रखंड एवं जमीनी स्तर तक मजबूत करने, अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने तथा समाज से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

डीईओ ने विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण, पठन-पाठन व व्यवस्थाओं का लिया जायजा

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः जिला शिक्षा पदाधिकारी नयन कुमार ने शुक्रवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर पठन पाठन, विद्यार्थियों की उपस्थिति और विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जहां उन्होंने मध्य विद्यालय समदा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय सकरीगली एवं जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट उच्च विद्यालय, सकरीगली का निरीक्षण किया। उधर निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी ने विद्यालयों में संचालित कक्षाओं का जायजा लिया और शिक्षण कार्य की स्थिति की जानकारी ली। जहां उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई एवं शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विद्यार्थियों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन, विद्यालय परिसर की साफ सफाई तथा अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। उधर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता एवं विद्यालय परिसर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। आगे उन्होंने विद्यालयों में उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पठन पाठन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने को कहा। वही जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन, स्वच्छता और बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। वही उन्होंने कहा कि विद्यालयों की व्यवस्थाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों की नियमित रूप से निगरानी की जाएगी।

भर्ती कैंप में 18 अभ्यर्थियों का चयन, 12 शॉर्टलिस्ट; 200 रिक्तियों के लिए हुई प्रक्रिया

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः जिले के युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल के तहत शुक्रवार को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), साहिबगंज परिसर में एक दिवसीय भर्ती सह पंजीयन कैंप का आयोजन किया गया। जहां श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड के तत्वावधान में जिला नियोजनालय सह मॉडल कैरियर सेंटर, साहिबगंज के द्वारा आयोजित कैंप में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 150 से अधिक बेरोजगार युवक युवतियों ने भाग लिया। उधर भर्ती कैंप में डस्की स्टैलियन एजुकेशन एंड ट्रेनिंग सर्विसेज एवं जवाहरी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड सहित दो नियोजकों ने हिस्सा लिया। जहां विभिन्न पदों के लिए कुल 200 रिक्तियां उपलब्ध थी इनमें एनएपीएस ट्रैनी, टूल्स मेंटेनर, पैकिंग एंड क्वालिटी, पैकिंग टूल्स सहित अन्य पद शामिल थे। जहां भर्ती प्रक्रिया के दौरान 18 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जबकि 12 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। वहीं, कैंप के माध्यम से कुल 22 युवक युवतियों का नियोजन पोर्टल पर पंजीयन भी कराया गया। उधर कैंप में पहुंचे अभ्यर्थियों को जिला नियोजनालय के द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी दी गई। इनमें आईटी लैब, पुस्तकालय, कैरियर काउंसलिंग सहित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपलब्ध संसाधनों का लाभ उठाने के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही साथ कौशल विकास विभाग के तहत संचालित विभिन्न कौशल प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण एवं नामांकन की प्रक्रिया से भी युवाओं को अवगत कराया गया। रोजगार के साथ कौशल विकास पर भी जोर उधर जिला नियोजनालय की यह पहल युवाओं को रोजगार, कौशल विकास और कैरियर मार्गदर्शन से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। जहां भर्ती सह पंजीयन कैंप के माध्यम से एक ही मंच पर नियोजकों और अभ्यर्थियों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वही जिला नियोजनालय की ओर से बताया गया कि भविष्य में भी लगातार रोजगार मेला एवं भर्ती कैंप आयोजित किए जाएंगे, ताकि जिले के युवाओं को सुरक्षित, बेहतर और रोजगारपरक अवसर उपलब्ध कराए जा सकें। इस कार्यक्रम में जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार, प्रभारी प्राचार्य आईटीआई सत्यनारायण मंडल, यंग प्रोफेशनल राजीव रंजन कुमार, लिपिक समीर मरांडी, नियोजक प्रतिनिधि चंदन कुमार एवं अजीत कुमार सहित कार्यालय के अन्य कर्मी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन ने तेज किया राहत अभियान, गोपालपुर समेत कई इलाकों में खाद्य सामग्री वितरित

साहिबगंजः जिले में गंगा नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्यों को तेज कर दिया है। जहां बाढ़ प्रभावित परिवारों तक आवश्यक खाद्य सामग्री और अन्य जरूरी सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मी लगातार प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द एवं अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडू के नेतृत्व में एनडीआरएफ की टीम के साथ गोपालपुर, घीसू टोला, मकई टोला, बांसकोला समेत विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण किया गया। उधर निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रभावित परिवारों की स्थिति का जायजा लिया और जरूरतमंद लोगों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया। जहां अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी भी ली तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। वही एसडीओ ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए राहत एवं खाद्य सामग्री की आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। वही उन्होंने प्रभावित परिवारों तक समय पर सहायता पहुंचाने और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने का भी निर्देश दिया। जहां जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बाढ़ प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, राहत और आवश्यक सुविधाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बड़ा सोनाकड़ में प्रबंधन समिति का पुनर्गठन, नजरुल अंसारी अध्यक्ष और सुमित्रा देवी उपाध्यक्ष चुनी गई

बरहरवाः उत्क्रमित मध्य विद्यालय बड़ा सोनाकड़ में शुक्रवार को विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन को लेकर आमसभा आयोजित की गई। जहां ग्रामसभा के माध्यम से आयोजित बैठक में विभागीय दिशा निर्देश के तहत नियुक्त पर्यवेक्षक मो. आरिफ राजा विशेष रूप से मौजूद रहे। उधर बैठक में विद्यालय के अभिभावकों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के तहत विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। जहां अध्यक्ष पद के लिए मतदान कराया गया, जिसमें नजरुल अंसारी को अध्यक्ष चुना गया। वहीं, सुमित्रा देवी का उपाध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से चयन किया गया। इस मौके पर पर्यवेक्षक मो. आरिफ राजा एवं ग्राम प्रधान की उपस्थिति में नवचयनित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के नामों की औपचारिक घोषणा की गई। इसके बाद उपस्थित ग्रामीणों एवं विद्यालय के शिक्षकों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। जहां मौके पर ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि नवगठित विद्यालय प्रबंधन समिति विद्यालय के सर्वांगीण विकास, शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण पठन पाठन का वातावरण तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाएगी। इस बैठक के दौरान विद्यालय के विकास एवं शैक्षणिक व्यवस्था को लेकर समिति और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने पर भी जोर दिया गया।

बरहरवा में एसआईआर हेल्प डेस्क शुरू, ग्रामीणों को मिल रही आवश्यक जानकारी व सहायता

बरहरवाः विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बरहरवा स्थित विधायक कक्ष में कांग्रेस की ओर से हेल्प डेस्क शुरू किया गया है। जहां पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम एवं पाकुड़ विधायक निसात आलम के निर्देश पर संचालित यह हेल्प डेस्क प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक ग्रामीणों के लिए उपलब्ध रहेगा। जहां कांग्रेस जिलाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान के नेतृत्व में संचालित हेल्प डेस्क के माध्यम से ग्रामीणों को एसआईआर से संबंधित जानकारी और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। उधर कांग्रेस पदाधिकारियों के द्वारा ग्रामीणों की समस्याएं सुनी जा रही हैं तथा उनके यथासंभव समाधान का प्रयास किया जा रहा है। वही हेल्प डेस्क पर ग्रामीणों को एसआईआर से संबंधित आवश्यक दस्तावेज, आवेदन प्रक्रिया और अन्य दिशा निर्देशों की जानकारी भी दी जा रही है। वही कांग्रेस नेताओं ने प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीणों से अपील की है कि एसआईआर से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए वे विधायक कक्ष में संचालित हेल्प डेस्क पर पहुंचकर आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करें। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, मास्टर ट्रेनर मुरसलीन खान, नेहाल अख्तर, निताय सरकार, अब्दुल करीम, आलमगीर मंसूरी सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आया प्रोविडेंस स्कूल, 300 परिवारों के बीच बांटी राहत सामग्री

साहिबगंजः जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण बाढ़ का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। जहां शहरी क्षेत्र के कई मोहल्ले भी बाढ़ की चपेट में हैं, जिससे प्रभावित परिवारों के सामने भोजन, पेयजल और दैनिक जरूरतों को पूरा करने की चुनौती बनी हुई है। उधर ऐसे मुश्किल समय में प्रोविडेंस स्कूल के शिक्षकों ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। जहां स्कूल की प्रधानाचार्या सिस्टर बीना जॉर्ज के नेतृत्व में शिक्षकों की टीम ने रसूलपुर दहला क्षेत्र में पहुंचकर करीब 300 बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच सूखा राशन एवं अन्य आवश्यक राहत सामग्री वितरित की। इस दौरान प्रधानाचार्या स्वयं बाढ़ के पानी के बीच पहुंचीं और प्रभावित परिवारों के घर-घर जाकर राहत सामग्री उपलब्ध कराई। जहां आपदा की इस घड़ी में स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों की पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की। उधर लोगों ने कहा कि बाढ़ जैसी विपदा के समय प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के साथ अब शैक्षणिक संस्थान भी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए प्रभावित लोगों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। वही प्रधानाचार्या का स्वयं बाढ़ के पानी के बीच पहुंचकर हैं।

संपादकीय

पाल महापंचायत : सामाजिक सुधार की अच्छी शुरूआत, लेकिन मंजिल अभी दूर

छह सितंबर को हरियाणा के पलवल जिले के मंडकौला में आयोजित 52 पाल महापंचायत ने विवाह में फिजूलखर्ची, दिखावे, शराब-नशे और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ एक स्वागतयोग्य संदेश दिया। सामाजिक सुधार की शुरूआत अक्सर छोटे कदमों से होती है, लेकिन उसकी वास्तविक सफलता इस बात से तय होती है कि वे कदम हमें कितनी दूर तक ले जाते हैं। असल सवाल यह है कि यदि हम विवाह का खर्च कम कर दें, लेकिन दहेज, घरेलू हिंसा, नशाखोरी, बेटियों के साथ भेदभाव और सामाजिक प्रभाव के दुरुपयोग को सहन करते रहें, तो क्या हम वास्तव में सामाजिक रूप से सुधारवादी समाज कह सकते हैं? मेरी दृष्टि में इस महापंचायत को किसी सुधार प्रक्रिया का निचोड़ नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक परिवर्तन की शुरूआत के रूप में देखा जाना चाहिए।भारतीय समाज में विवाह केवल एक रस्म नहीं, बल्कि परिवार, रिश्तों और खुशियों का महत्वपूर्ण उत्सव है। समस्या उत्सव मनाने में नहीं, बल्कि उसके साथ जुड़ी अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा, दिखावे और आर्थिक दबाव में है। महंगे समारोह, बड़ी बारातें, भोजन की अत्यधिक विविधता और आभूषणों को लेकर प्रतिस्पर्धा गरीब तथा मध्यमवर्गीय परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ डाल सकती है। इसलिए, संदेश स्पष्ट होना चाहिए-संस्कृति को नहीं, सामाजिक बुराइयों को रोकें। उत्सव को नहीं, दिखावे को समाप्त करें। दहेज के मामले में भी यही स्पष्टता जरूरी है। सवाल यह नहीं होना चाहिए कि दहेज की कोई स्वीकार्य सीमा कितनी हो। दहेज निषेध अधिनियम, 1961 के तहत दहेज देना, लेना या मांगना अपराध है। इसलिए सामाजिक संदेश होना चाहिए- दहेज की सीमा नहीं, दहेज पर जीरो टॉलरेंस।

आज का राशिफल

मेष - कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे।

वृष - महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए।

मिथुन - राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कर्क - आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

सिंह - आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी।

कन्या - आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

तुला - आलस्य का त्याग करें। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

वृश्चिक - भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

धनु - कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा।

मकर - जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

कुंभ - बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है।

मीन - संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी।

दैनिक पंचांग

12 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	सिंह में
चंद्र	कन्या में
मंगल	मिथुन में
बुध	कन्या में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

लग्नारंभ समय	
कन्या	06.11 बजे से
तुला	08.21 बजे से
वृश्चिक	10.36 ब.से
धनु	12.52 बजे से
मकर	14.57 बजे से
कुंभ	16.44 बजे से
मीन	18.17 बजे से
मेष	19.47 बजे से
वृष	21.27 बजे से
मिथुन	23.25 बजे से
कर्क	01.39 बजे से
सिंह	03.55 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 255 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 07.47 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 12.56 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 15.09 बजे को समाप्त। **करण** बव 07.47 बजे तदनन्तर बालव 19.24 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 15'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872830
जूलियन दिन 2461295.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल **तारीख** 29
विशेष सामवेद उपाकर्म, चन्द्रदर्शन, गुरु ग्रंथ साहिब प्राकश दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

'ले चांडाल......' और गुलेरी चले गए

नीरज कृष्ण

'ले चांडाल, एक ब्राह्मण की हत्या करनी है तो ले।' ये शब्द चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' के हैं और हिन्दी साहित्य के इतिहास में शायद इससे अधिक करुण, अधिक व्यंग्यपूर्ण और अधिक असहज वाक्य किसी साहित्यकार की मृत्यु-कथा में दर्ज नहीं है। यह केवल एक क्षणिक आक्रोश नहीं था; इसमें जैसे आने वाली त्रासदी की पूरी आहट सुनाई देती है। तेज ज्वर से तपता हुआ एक मनुष्य गंगा में उतर रहा था और सामने खड़ा था एक ऐसा सामाजिक आग्रह, जिसके आगे उस क्षण शरीर की असमर्थता, बीमारी और शायद जीवन तक गौण हो गए थे। गुलेरी जी के समकालीन साहित्यकार राय कृष्णदास ने अपने संस्मरण में इस घटना का उल्लेख किया है। छोटे भाई की पत्नी के निधन के बाद दाह-संस्कार पूरा हुआ। गुलेरी जी तेज ज्वर से पीड़ित थे और गंगा-स्नान करने की स्थिति में नहीं थे। तभी उनके रिश्तेदार पंडित नित्यानंद ने उन्हें ललकारा-'तेरी भाभी मर गई है और तू स्नान नहीं करता!' इस पर गुलेरी जी ने उपर्युक्त शब्द कहे और गंगा में उतर गए। रायकृष्णदास के अनुसार इसके बाद वे उस ज्वर से उबर नहीं सके।12 सितंबर 1922को हिन्दी साहित्य ने मात्र उनतालीस वर्ष की आयु में एक असाधारण प्रतिभा खो दी।यहाँ ठहरकर एक प्रश्न पूछना जरूरी है किधर्म बचा था या कर्मकांड? और यदि धर्म मनुष्य के जीवन से बड़ा हो जाए, तो फिर वह धर्म किसके लिए है?यह प्रश्न गुलेरी की मृत्यु से बहुत आगे जाता है।

गंगा निस्संदेह पवित्र थी, लेकिन प्रश्न यह है किउस गंगा तक एक तपते हुए बीमार मनुष्य को पहुँचाने वाला आग्रह कितना पवित्र था?गुलेरी की मृत्यु को केवल एक धार्मिक कर्मकांड का परिणाम कहना शायद इतिहास के साथ न्याय न हो, लेकिन रायकृष्णदास का संस्मरण एक ऐसा असहज प्रश्न अवश्य छोड़ जाता है, जिससे बचा नहीं जा सकता। क्या वह धर्म था, या धर्म के नाम पर जड़ हो चुका आग्रह? क्या कर्मकांड मनुष्य की पीड़ा से बड़ा हो सकता है? धर्म यदि करुणा है, तो बीमार शरीर को विश्राम देना धर्म था। धर्म यदि विवेक है, तो जीवन की रक्षा करना धर्म था। और यदि किसी अनुष्ठान को निभाने के लिए मनुष्य को अपनी बीमारी की सीमा लाँघनी पड़े, तो हमें ठहरकर पूछना चाहिए, किहम ईश्वर की इच्छा पूरी कर रहे हैं या समाज की? इस प्रश्न का उत्तर आज भी बाकी है। चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' हिन्दी साहित्य के उन विलक्षण रचनाकारों में थे जिनकी रचनाओं की संख्या कम, लेकिन उनका साहित्यिक प्रभाव असाधारण रहा। 7 जुलाई 1883 को जन्मे गुलेरी केवल कहानीकार नहीं थे। संस्कृत, पाली, प्राकृत, इतिहास, पुरातत्त्व, भाषा और संस्कृति पर उनकी गहरी पकड़ थी। उनकी प्रतिभा किसी एक विधा या विषय की सीमा में बँधी हुई नहीं थी। वे उन दुर्लभ विद्वानों में थे जिनके लिए, भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि सभ्यता और मनुष्य को समझने का रास्ता थी।लेकिन हिन्दी साहित्य उन्हें सबसे अधिक याद करता है उनकी कालजयी कहानी'उसने कहा था'के लिए।

चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' को पढ़ते हुए सबसे पहले जो बात चौंकाती है, वह उनकी रचनाओं की संख्या है-उन्होंने केवल तीन कहानियाँ लिखीं, लेकिन इतिहास रच दिया।हिन्दी साहित्य में जहाँ अनेक रचनाकारों ने जीवन भर लिखते हुए दर्जनों- सैकड़ों रचनाएँ दीं और फिर भी समय के साथ उनकी स्मृति धुँधली पड़ गई, वहीं गुलेरी की तीन कहानियाँ एक सदी से अधिक समय बीत जाने के बाद भी साहित्य की स्मृति में उसी उजास के साथ उपस्थित हैं। यह शायद साहित्य के सबसे बड़े रहस्यों में से एक है कि शब्दों की संख्या कभी किसी रचनाकार की अमरता तय नहीं करती। बहुत कुछ लिख देना और बहुत गहरा लिख देना-दो अलग बातें हैं। गुलेरी ने कम लिखा, लेकिन इतना गहरा लिखा कि उनके शब्दों के नीचे से आज भी मनुष्य की धड़कन सुनाई देती है।शब्द कम थे, साहित्य अनंत था। और इस अनंतता का सबसे उजला प्रमाण है-'उसने कहा था'। हिन्दी कहानी के इतिहास में इस कहानी का आना केवल एक नई कहानी का आना नहीं था; जैसे कहानी ने पहली बार अपने भीतर मनुष्य के उस सूक्ष्म संसार को पहचाना, जहाँ प्रेम स्मृति में बदलता है, स्मृति वचन में, वचन कर्तव्य में और कर्तव्य अंततः बलिदान में। बचपन की सहज-सी बातचीत से शुरू हुई कथा युद्ध की विभीषिका तक पहुँचती है, लेकिन उसके केंद्र में युद्ध नहीं, मनुष्य का चरित्र है। एक पुराना वचन जीवन की अंतिम घड़ी तक पात्र का पीछा करता है और उसे अपने सुख से ऊपर दूसरे के जीवन को रखने की शक्ति देता है। यही वह क्षण है जहाँ प्रेम भावना नहीं रहता, वह नैतिकता बन जाता है; वचन भाषा नहीं रहता, वह चरित्र बन जाता है और बलिदान मृत्यु नहीं रहता, मनुष्यता की सबसे ऊँची अभिव्यक्ति बन जाता है। 'उसने कहा था'-और हिन्दी कहानी बदल गई।उसने कहानी को केवल मनोरंजन या घटना-वर्णन की विधा बने रहने से आगे बढ़ाकर मनुष्य के अंतर्मन, उसकी स्मृतियों, उसके द्वंद्व और उसके नैतिक निर्णयों की भूमि पर ला खड़ा किया। गुलेरी की विशेषता यह नहीं कि उन्होंने प्रेम पर एक कहानी लिखी; विशेषता यह है कि उन्होंने प्रेम को उसकी सबसे कठिन परीक्षा में रखा और दिखाया कि सच्चा प्रेम पाने से अधिकनिभानेका नाम है। शायद इसी कारण हर पीढ़ी इस कहानी में अपने समय का कोई नया अर्थ खोज लेती है। एक समय इसे प्रेम और बलिदान की कहानी के रूप में पढ़ा गया, फिर युद्ध और मानवीय कर्तव्य की कथा के रूप में, और आज इसे ऐसे समय में पढ़ा जा सकता है जब संबंधों में वचन की उम्र छोटी और स्वार्थ की उम्र लंबी होती जा रही है। गुलेरी का साहित्य हमें यह भी सिखाता है कि लेखक की महानता उसके लिखे हुए पन्नों की मोटाई में नहीं, पाठक के भीतर पैदा हुई बेचैनी की गहराई में होती है। कुछ रचनाएँ पढ़कर समाप्त हो जाती हैं; कुछ रचनाएँ पढ़े जाने के बाद भीतर शुरू होती हैं।'उसने कहा था' ऐसी ही कहानी है। उसके पात्र चले जाते हैं, कथा समाप्त हो जाती है, लेकिन उसका प्रश्न पाठक के भीतर रह जाता है-क्या हम आज भी अपने कहे हुए शब्द के लिए उतने ही ईमानदार हैं? क्या प्रेम आज भी त्याग कर सकता है? क्या मनुष्य अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर किसी दूसरे मनुष्य के लिए अपना सर्वस्व दाँव पर लगा सकता है?

विडंबना देखिए-जिस लेखक ने 'उसने कहा था' में प्रेम को अधिकार नहीं, वचनबनाया; जिसने मनुष्य की श्रेष्ठता उसके त्याग और दूसरे के जीवन के प्रति उत्तरदायित्व में देखी; जिसने एक सैनिक के माध्यम से यह दिखाया कि दिया हुआ वचन अपने प्राणों से भी अधिक मूल्यवान हो सकता है-उसी लेखक के जीवन का अंतिम प्रसंग हमें यह सोचने के लिए विवश करता है किक्या किसी भी धार्मिक कर्मकांड की कीमत मनुष्य के जीवन से अधिक हो सकती है? यहीं गुलेरी की मृत्यु एक निजी त्रासदी से उठकर सामाजिक प्रश्न बन जाती है।जिसे साहित्य ने अमर किया, कर्मकांड ने असमय छीन लिया।यह वाक्य शायद पूरी तरह ऐतिहासिक निष्कर्ष न हो, लेकिन गुलेरी की मृत्यु का सबसे बेचैन कर देने वाला प्रश्न अवश्य है। बीमारी की अपनी चिकित्सा-गतिशीलता थी, उस समय चिकित्सा सुविधाएँ आज जैसी नहीं थीं और किसी मृत्यु का कारण केवल एक घटना को मान लेना चिकित्सकीय रूप से उचित नहीं होगा। फिर भी रायकृष्णदास का संस्मरण जिस परिस्थिति की ओर संकेत करता है, वह हमें उस मानसिकता के सामने खड़ा करता है जिसमेंविवेक से पहले रूढ़ि बोलती है और करुणा से पहले कर्मकांड। धर्म यदि मनुष्य को संकट में सहारा देता है तो वह धर्म है। लेकिन यदि वही धर्म बीमार मनुष्य को उसकी शारीरिक सीमा की अवहेलना करने के लिए बाध्य करे, तो उसके सामने प्रश्न उठना स्वाभाविक है किहम धर्म का पालन कर रहे हैं या धर्म के नाम पर किसी सामाजिक दबाव का?गुलेरी की त्रासदी यही प्रश्न छोड़ जाती है।मनुष्यता लिखने वाला लेखक, कर्मकांड से हार गया। 'उसने कहा था' का गुलेरी हमें सिखाता है कि प्रेम में दूसरे के जीवन की चिंता सर्वोपरि होनी चाहिए। उसकी मृत्यु की कथा हमें उलटा आईना दिखाती है-जहाँ एक बीमार मनुष्य के जीवन से ऊपर एक कर्मकांड खड़ा दिखाई देता है। यही विरोधाभास इस प्रसंग को असाधारण रूप से मार्मिक बनाता है। गुलेरी चले गए, लेकिन अपने पीछे कोई साधारण शोक नहीं छोड़ गए। वे एकअसहज प्रश्नछोड़ गए-धर्म बचा रहा या कर्मकांड?,और यह प्रश्न केवल 1922 का नहीं है।आज भी हमारे समाज में ऐसे अनेक अवसर आते हैं जब परंपरा और विवेक आमने-सामने खड़े दिखाई देते हैं। प्रश्न परंपरा को नकारने का नहीं है। परंपराएँ समाज की स्मृति होती हैं; वे पीढ़ियों को जोड़ती हैं। लेकिन जब परंपरा मनुष्य की पीड़ा को देखना बंद कर दे, जब कर्मकांड का उद्देश्य भूलकर उसका बाहरी अनुशासन ही धर्म का पर्याय बन जाए, तब आत्ममंथन आवश्यक हो जाता है।धर्म का सबसे बड़ा प्रमाण किसी अनुष्ठान की पूर्णता नहीं, मनुष्य के प्रति करुणा है। शायद गुलेरी की मृत्यु का सबसे बड़ा सबक यही है।जिस समाज ने उन्हें गंगा में उतरने के लिए बाध्य किया, उसी समाज को उनकी रचनाओं ने मनुष्य के भीतर उतरना सिखाया। उन्होंने शब्दों में प्रेम, त्याग और वचन की गरिमा लिखी; उनकी मृत्यु का प्रसंग हमें विवेक, चिकित्सा-बोध और मानवीय करुणा की गरिमा याद दिलाता है। गुलेरी की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करना केवल हिन्दी के एक महान कथाकार को श्रद्धांजलि देना नहीं है; यह उस प्रश्न के सामने खड़े होना भी है, जिसे उनकी मृत्यु हमारे सामने छोड़ गई किधर्म मनुष्य के लिए है या मनुष्य धर्म के लिए? यदि धर्म का मूल मनुष्य की रक्षा, उसकी पीड़ा के प्रति करुणा और उसके जीवन के प्रति सम्मान है, तो किसी बीमार मनुष्य को बचाना ही सबसे बड़ा धर्म होना चाहिए। कर्मकांड तभी तक सार्थक है, जब तक वह मनुष्यता से बड़ा न हो जाए। शायद इसीलिए गुलेरी की कलम आज भी बोलती है और उनकी मृत्यु भीउनकी कलम हमें वचन निभाने, प्रेम में त्याग करने और दूसरे के जीवन को अपने जीवन से अधिक महत्त्व देने की सीख देती है; उनकी मृत्यु हमें सावधान करती है कि कहीं परंपरा के नाम पर हमारा विवेक मौन तो नहीं हो गया। गुलेरी का जीवन छोटा था, लेखन सीमित था, लेकिन उनकी रचनात्मक उपस्थिति समय से कहीं बड़ी निकली। उन्होंने केवल तीन कहानियाँ नहीं लिखीं; उन्होंने हिन्दी कहानी को ऐसी स्मृति दी, जिसे समय मिटा नहीं सका। साहित्य में अमर होने के लिए तीन कहानियाँ ही काफी थीं-यदि उनमें मनुष्य की पूरी कहानी लिखी हो। गुलेरी ने वही किया।

(लेखक के निजी विचार)

ब्रिक्स में भारत के सामने अवसर

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

बारह वर्ष पहले जिस भारत को ब्रिक्स की कमजोर कड़ी बताया जा रहा था, आज वही भारत इस विस्तारित समूह की दिशा तय करने की कोशिश कर रहा है। वस्तुत: वित्त वर्ष 2025-26 में ब्रिक्स देशों को भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 49.27 प्रतिशत की छलांग इसका प्रमाण है। दूसरी ओर एक अन्य पहलू भी है जो ब्रिक्स के साथ भारत का व्यापार घाटा 2025-26 में बढ़कर 226.1 अरब डॉलर हो जाना बता रहा है, इसलिए, दिल्ली में हो रहा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत के लिए, तालियां बटोरने का अवसर नहीं, अपनी आर्थिक रणनीति की परीक्षा है। ब्रिक्स की कहानी में भारत की स्थिति सचमुच बदली है। वर्ष 2001 में गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने ब्रिक शब्द गढ़ा था। तब यह चार उभरती अर्थव्यवस्थाओं की आर्थिक संभावना का अनुमान था। आज यह 11 देशों का ऐसा समूह है, जो दुनिया की लगभग 49.5 प्रतिशत आबादी, 40 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और 26 प्रतिशत वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करता है। भारत इस वर्ष इसकी अध्यक्षता कर रहा है और 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में 18वें शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। वैसे यह परिवर्तन अपने आप नहीं आया। 2011-12 में भारत को लेकर जो आर्थिक चिंताएं व्यक्त की गई थीं, उनमें महंगाई, कमजोर मुद्रा, राजकोषीय घाटा, चालू खाते का घाटा, कमजोर बुनियादी ढांचा और धीमी निवेश गति प्रमुख थे। आज भारत के सामने समस्याएं खत्म नहीं हुई हैं, किंतु उसकी आर्थिक क्षमता, डिजिटल अवसंरचना, विनिर्माण महत्वाकांक्षा और वैश्विक कूटनीतिक स्वीकार्यता का पैमाना निश्चित रूप से बदल चुका है। यहीं से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात का आंकड़ा विशेष महत्व ग्रहण करता है। ब्रिक्स देशों को भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 49.27 प्रतिशत वृद्धि, कुल निर्यात की 26.53 प्रतिशत वृद्धि से कहीं आगे है। सबसे दिलचस्प तथ्य यह है कि भारत के ब्रिक्स इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में चीन और संयुक्त अरब अमीरात की संयुक्त हिस्सेदारी 88.50 प्रतिशत है। दूरसंचार उपकरण 74.60 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा निर्यात खंड हैं। इसका अर्थ साफ है, जहां भारत और चीन के बीच रणनीतिक अविश्वास और सीमा संबंधी तनाव मौजूद हैं, वहीं आर्थिक क्षेत्र में अवसर और निर्भरता का एक जटिल रिश्ता भी कायम है। भारत को इसी विरोधाभास के बीच अपनी आर्थिक सुरक्षा और निर्यात क्षमता दोनों को साधना होगा, भारत की शक्ति उसकी रणनीतिक स्वायत्तता में है। उसे अमेरिका और यूरोप के बाजारों से भी जुड़ना है, चीन और रूस से भी आर्थिक संबंध रखने हैं और ग्लोबल साउथ के देशों में अपने लिए नए बाजार भी बनाने हैं। ब्रिक्स भारत के लिए दुनिया में अपने हितों को आगे बढ़ाने का साधन होना चाहिए। यह अच्छा है कि भारत इस वर्ष ब्रिक्स में उभरती तकनीकों पर शोध सहयोग और अंतर-सरकारी साझेदारी को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर यह है कि वह अपनी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और तकनीकी क्षमताओं को ब्रिक्स बाजारों से जोड़े। डिजिटल भुगतान, व्यापार दस्तावेज, प्रमाणन, सीमा-पार भुगतान और आपूर्ति श्रृंखला को डिजिटल बनाने में यदि सदस्य देश साझा व्यवस्था विकसित करते हैं तो व्यापार की लागत घट सकती है। स्वाभाविक है, इसका बड़ा लाभ भारत को होगा। वैसे भी पांच वर्षों में ब्रिक्स के साथ भारत का व्यापार दोगुने से अधिक हुआ, मगर इसी अवधि में व्यापार घाटा 74.5 अरब डॉलर से बढ़कर 226.1 अरब डॉलर हो गया। चीन, संयुक्त अरब अमीरात और रूस इस असंतुलन के प्रमुख स्रोत हैं, इसलिए यहां लगता है कि ब्रिक्स में भारत की बढ़ती ताकत का उत्सव अधूरा होगा। भारत को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ब्रिक्स का विस्तार भारतीय बाजार में आयात बढ़ाने का माध्यम भर न बन जाए। वास्तविक सफलता तब होगी जब भारतीय मशीनें, इलेक्ट्रॉनिक्स, औषधियां, इंजीनियरिंग उत्पाद, डिजिटल सेवाएं, कृषि-तकनीक और नवाचार इन बाजारों में अधिक जगह बनाएंगे। यही कारण है कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का बाजार खोलने, नियामकीय प्रक्रियाएं सरल करने और खेपों की तेज मंजूरी पर जोर है। यह भारत के निर्यात भविष्य की बुनियादी शर्त है। ब्रिक्स की विशाल जनसंख्या भारत के लिए तभी बाजार बनेगी, जब भारतीय कंपनियों के लिए वहां प्रवेश की लागत और बाधाएं कम होंगी। एमएसएमई के संदर्भ में यह और महत्वपूर्ण हो जाता है। बड़ी कंपनियां किसी तरह अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बना लेती हैं, लेकिन छोटे उद्योगों के सामने वित्त, प्रमाणन, भुगतान, लॉजिस्टिक्स और बाजार की जानकारी जैसी बाधाएं होती हैं। प्रस्तावित एमएसएमई सहयोग तंत्र और इनवॉइस डिस्काउंटिंग व्यवस्था यदि जमीन पर उतरती है तो ब्रिक्स भारत के छोटे उद्यमों के लिए, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का प्रवेशद्वार बन सकता है। भारत की रोजगार क्षमता और निर्यात क्षमता को साथ बढ़ाने का यही रास्ता है। इस दृष्टि से ब्रिक्स ट्रेड मंत्रियों की बैठक में एमएसएमई ऋण अंतर को कम करने और वैश्विक बाजारों तक छोटे व्यवसायों की पहुंच बढ़ाने के लिए सहमति भी महत्वपूर्ण है। सबसे बड़ी जरूरत घोषणाओं को परिणाम में बदलने की है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस ने भी स्पष्ट किया है कि ब्रिक्स को रणनीतिक संवाद से आगे बढ़कर निर्यात, निवेश, तकनीक, आपूर्ति श्रृंखला और भुगतान व्यवस्था में मापने योग्य परिणाम देने होंगे। आज ब्रिक्स के सामने अपनी एकता की भी परीक्षा है। ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि, चीन और भारत के बीच अविश्वास और वैश्विक व्यापार में बढ़ते भू-राजनीतिक टकराव इसे आसान मंच नहीं बनाते। ऐसे में भारत की अध्यक्षता की असली सफलता यह होगी कि वह अलग-अलग हितों वाले देशों को कम-से-कम आर्थिक सहयोग के साझा एजेंडे पर साथ ला सके। भारत के लिए, यह क्षण आत्ममुग्ध हो जाने का बिल्कुल नहीं है, वस्तुतः आत्मविश्वास के साथ आत्मपरीक्षण करने का है। ब्रिक्स में भारत कमजोर कड़ी है से ब्रिक्स में भारत महत्वपूर्ण कड़ी है तक की यात्रा निश्चित रूप से उल्लेखनीय है, किंतु अगला पड़ाव इससे कहीं कठिन है, क्योंकि यहीं से भारत को महत्वपूर्ण कड़ी से निर्णायक आर्थिक शक्ति बनना है। इसके लिए ब्रिक्स की मेज पर भारत को तीन बातें लगातार रखनी होंगी, एक- बाजार तक आसान पहुंच, दो- तकनीक में साझेदारी और तीन- व्यापार में संतुलन। चौथी बात अपने आप निकलती है, वह है भारतीय उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का सूत्र ह्यलचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरताह्न है। अब इस सूत्र को नारे से नीति और नीति से परिणाम में बदलने का समय है। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात की 49.27 प्रतिशत वृद्धि ने संभावनाओं का दरवाजा खोल दिया है, किंतु 226.1 अरब डॉलर का व्यापार घाटा चेतावनी भी दे रहा है, इसलिए इस शिखर सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं होगी कि दुनिया के बड़े नेता दिल्ली में एक साथ दिखाई दिए। असली उपलब्धि तब होगी जब ब्रिक्स की बैठक से लौटते समय भारतीय उद्यमी के सामने नए बाजार हों, भारतीय एमएसएमई वैश्विक मूल्य श्रृंखला में हों और भारत का निर्यात आयात की रफ्तार को पीछे छोड़ रहा हो। ब्रिक्स में 'आई'यानी इंडिया की वापसी हो चुकी है। अब सवाल यह है कि क्या यह 'आई' भारत की आर्थिक शक्ति का नया प्रतीक बनेगा?

(लेखक के निजी विचार)

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विभाग सख्त, तीन प्रतिष्ठानों में जांच

115 प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की सूची से किया मिलान, सूजी-बेसन के नमूने जांच के लिए लिए

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कोडरमा। भ्रामक दावे वाले प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक के अनुपालन को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग ने शुक्रवार को झुमरीतिलैया में जांच अभियान चलाया। टीम ने स्मार्ट बाजार, कन्हैया कन्फेक्शनर और आनंद विहार स्वीट्स समेत विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकानों में बिक्री के लिए रखे खाद्य पदार्थों की जांच की गई और उन्हें प्रतिबंधित 115 खाद्य पदार्थों की सूची से मिलान किया गया। विभाग के अनुसार, स्मार्ट बाजार में प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों को बिक्री से हटा लिया गया है तथा संबंधित निमार्ता कंपनियों को वापस भेजने की प्रक्रिया चल रही है। जांच के दौरान स्मार्ट बाजार के संचालक को पेस्ट कंट्रोल सर्टिफिकेट और मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया गया। इसके लिए 14 दिनों का समय दिया गया है। प्रतिष्ठान के काउंटर पर ऋरअक लाइसेंस प्रदर्शित करने तथा परिसर में साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखने का निर्देश भी दिया गया। टीम ने सूजी और बेसन के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए। खाद्य सुरक्षा विभाग ने कारोबारियों को पैकेज्ड एवं डिब्बाबंद खाद्य सामग्री बेचने से पहले पैकेट पर **FSSAI** लाइसेंस नंबर, निर्माण तिथि, यूज-बाय अथवा एक्सपायरी तिथि और निमार्ता का पूरा पता जांचने का निर्देश दिया। मानकों का उल्लंघन मिलने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी गई। होटल एवं खाद्य प्रतिष्ठानों को अनुमत फूड कलर का निर्धारित मात्रा में ही इस्तेमाल करने तथा मिलावटी मिठाइयों की बिक्री नहीं करने का भी निर्देश दिया गया। विभाग ने कारोबारियों से उपभोक्ताओं को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और मानक के अनुरूप खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की अपील की। जांच टीम में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी कोडरमा -1 अभिषेक आनंद, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी कोडरमा -2 उमेश कुमार तथा खाद्य सुरक्षा कार्यालय के डाटा एंट्री ऑपरेटर धर्म प्रसाद शामिल थे। चाहें तो इसका फेसबुक के लिए ज्यादा दमदार और वायरल अंदाज वाला संस्करण भी बना दूंगा।

सिर कटा महिला का शव जंगल से बरामद, जांच में जुटी पुलिस

धनबाद। बलियापुर थाना क्षेत्र के ढांगी बस्ती स्थित मड़ई थान के आगे चटनियां पुल के समीप जंगल में शुक्रवार को एक अज्ञात महिला का सिर कटा शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। महिला का सिर और धड़ अलग-अलग स्थानों से बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही बलियापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बताया गया कि स्थानीय निवासी किशोर कुमार महतो शुक्रवार को शौच के लिए जंगल की ओर गया था। इसी दौरान उसकी नजर महिला के पैर पर पड़ी। संदेह होने पर उसने आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। ग्रामीणों के पहुंचने पर महिला का शव पड़ा मिला। इसके बाद आशीष महतो ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। बताया जा रहा है कि महिला का सिर प्लास्टिक के बोरे में मिला, जबकि धड़ जंगल में दूसरे स्थान पर पड़ा था। घटनास्थल से अगरबत्ती सहित कुछ पूजा सामग्री मिलने की भी बात सामने आई है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने हत्या को कथित नरबलि से जोड़कर आशंका जताई है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक नरबलि की पुष्टि नहीं की है और सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। बलियापुर थाना के एएसआई अशोक कुमार के अनुसार, महिला की उम्र करीब 25 से 30 वर्ष के बीच होने का अनुमान है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने रांची से एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाया। दोनों टीमों ने घटनास्थल की जांच कर कई अहम सुराग जुटाए हैं। धनबाद के सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उक्त महिला पिछले कुछ दिनों से एक युवक के साथ करमाटांड़ में रह रही थी।

पौधा लगाना ही नहीं, उसे पेड़ बनाना भी जिम्मेदारी : रोटरी क्लब

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

सीएच स्कूल में 250 फलदार पौधों का वितरण, बच्चों व अभिभावकों को किया गया जागरूक

झुमरीतिलैया। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा की ओर से सीएच स्कूल में 250 फलदार पौधों का वितरण किया गया। विद्यालय में आयोजित पैरेंट्स-टीचर मीटिंग के दौरान विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों को भी पौधे उपलब्ध कराए गए।

इस अवसर पर आम, अमरूद और नींबू के फलदार पौधों का वितरण किया गया। बच्चों और अभिभावकों को पौधों की नियमित देखभाल, समय पर सिंचाई तथा उन्हें सुरक्षित रखने के प्रति जागरूक किया गया। बताया गया कि पौधा लगाना केवल शुरूआत है, बल्कि उसकी देखभाल कर उसे पेड़ के रूप में विकसित करना भी सभी की जिम्मेदारी है। रोटरी क्लब के अध्यक्ष रो नवीन कुमार आर्या ने कहा कि बच्चों को प्रकृति से जोड़ने और उनमें पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया पौधा भविष्य में परिवार, समाज और पर्यावरण के लिए लाभकारी साबित होगा। कार्यक्रम में सचिव मोहक सुल्तानिया, कोषाध्यक्ष सिमरनजीत सिंह, प्रेसिडेंट संदीप सिन्हा, अजीत बर्मन और आशीष खेतान उपस्थित थे। पर्यावरण परियोजना निदेशक गौतम भदानी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग किया और विद्यार्थियों व अभिभावकों को पौधों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य कृष्णकांत तिवारी तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं ने रोटरी क्लब के इस पर्यावरणीय प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों और रोटरी क्लब के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

कला के रंगों में सजे गणपति, नन्हे कलाकारों ने दिखाई प्रतिभा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

डीएवी गुमो में गणेश क्राफ्ट मेकिंग प्रतियोगिता, बच्चों ने दिखाई रचनात्मकता

कोडरमा। गणेश चतुर्थी के अवसर पर डीएवी पब्लिक स्कूल, गुमो में सीसीए के तहत कक्षा नर्सरी से द्वितीय तक के विद्यार्थियों के लिए गणेश क्राफ्ट मेकिंग गतिविधि का आयोजन किया गया। इसमें नन्हे कलाकारों ने अपनी कल्पनाशीलता, रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नर्सरी के बच्चों ने पेपर कप से गणपति की आकृति तैयार की। एलकेजी एवं यूकेजी के विद्यार्थियों ने मिट्टी और पत्तियों से गणेश प्रतिमा बनाई। कक्षा प्रथम के बच्चों ने विभिन्न प्रकार की दालों से गणेश जी की आकृति तैयार की, जबकि कक्षा द्वितीय के विद्यार्थियों ने आकर्षक गणेश मास्क एवं पेपर कप से गणपति की आकृतियां बनाईं। प्रतियोगिता में नर्सरी वर्ग में श्रेष्ठा मोदी, यूकेजी में गन्नू श्याम, कक्षा प्रथम में सुकृति बाउरी और कक्षा द्वितीय में मन्नत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर नर्सरी की आशिका वर्मा, यूकेजी की संध्या बरनवाल व अभिराज गुप्ता, कक्षा प्रथम के अंशुमन मिश्रा तथा कक्षा द्वितीय की तानिष्का कुमारी रहीं। तृतीय स्थान एलकेजी के लकी गुप्ता, कक्षा प्रथम के जयश सिंह और कक्षा द्वितीय के संजीव कुमार बरनवाल ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन शिक्षिका कोमल कुमारी ने किया। प्रभारी शिक्षिका श्वेता सिंह ने कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों की रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास और कलात्मक कौशल विकसित करने के साथ उन्हें भारतीय संस्कृति एवं त्योहारों से जोड़ने में सहायक हैं। सीसीए प्रभारी शिल्पी गुप्ता एवं अन्य शिक्षकों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बच्चों ने उत्साह के साथ गणेश जी की सुंदर आकृतियां बनाकर उत्सव और भक्ति की भावना को जीवंत कर दिया।

नारी शक्ति फाउंडेशन का उद्घाटन, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

खूंटी। नारी शक्ति फाउंडेशन का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने शुक्रवार को हुटार में किया। मौके पर उन्होंने कहा कि महिलाओं को प्रशिक्षण और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में योगदान दे सकती हैं। बीडीओ ने फाउंडेशन की ओर से महिलाओं और छात्राओं के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण केंद्र महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के साथ उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में जेएलकेएम के जिलाध्यक्ष कुमार ब्रज किशोर, महासचिव विक्रम महतो, वीरेंद्र महतो, सुरेश तोपनो, कुलदीप साहू, राकेश सोनी, अर्पित संगा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। फाउंडेशन की ओर से बजरंग कुमार साहू, पायल साहू, रंथी मुंडा और कुंजल हस्सा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

गुमला की लापता बच्ची मामले में सरकार ने हाई कोर्ट में कहा- मुख्य आरोपित की मनोवैज्ञानिक परीक्षण रिपोर्ट नहीं आई

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय में वर्ष 2018 से लापता गुमला की छह वर्षीय बच्ची से जुड़े मामले में शुक्रवार को सुनवाई हुई।इस दौरान राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि मामले की मुख्य आरोपित भूखली लकड़ा का रिनपास (कांके) में मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन परीक्षण कराया जा चुका है। हालांकि, इसकी रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। सरकार की ओर से रिपोर्ट अदालत में दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा गया। इस पर अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 28 सितंबर की तारीख निर्धारित की है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शशांक शेखर ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा। पिछली सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय को बताया था कि स्वास्थ्य संबंधी कारणों से मुख्य आरोपित का गुजरात के गांधीनगर में नार्को टेस्ट नहीं हो सका था। इसके बाद वहां आरोपित का सस्पेक्ट डिटेक्शन टेस्ट समेत दो पूरक परीक्षण कराए गए थे। इन परीक्षणों की रिपोर्ट भी अभी लंबित है। अब रिनपास में हुए मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन परीक्षण की रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है। अदालत ने सरकार को रिपोर्ट पेश करने के लिए समय दिया है। गुमला की छह वर्षीय बच्ची सितंबर, 2018 से लापता है। बच्ची की बरामदगी की मांग को लेकर उसकी मां चंद्रमुनि उराइन की ओर से झारखंड उच्च न्यायालय में हेवियस कॉर्पस याचिका दायर की गई है। इसी याचिका पर उच्च न्यायालय लगातार सुनवाई कर रहा है।

एसआईआर में दावों-आपत्तियों की जांच और निस्तारण जारी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची के सत्यापन और दावा-आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया जारी है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो जावेद हुसैन के नेतृत्व में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) की ओर से प्राप्त दस्तावेजों की निर्धारित प्रावधानों के तहत जांच की जा रही है। सत्यापन के दौरान जन्म प्रमाण-पत्र, पासपोर्ट, मैट्रिक या अन्य मान्य शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, स्थायी निवास, जाति एवं वन अधिकार प्रमाण-पत्र सहित सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी पहचान-पत्र व पीपीओ सहित दस्तावेजों की जांच की जा रही है। इसके अलावा बैंक, डाकघर, एलआईसी, सरकारी या स्थानीय प्राधिकरण की ओर से जारी प्रमाण-पत्र, परिवार रजिस्टर तथा भूमि-मकान आवंटन संबंधी दस्तावेजों का भी सत्यापन किया जा रहा है। दस्तावेजों की जांच और सुनवाई के बाद पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल करने, आवश्यक संशोधन और दावा-आपत्तियों का नियमानुसार निस्तारण किया जा रहा है। एसआईआर के तहत दावे और आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया 14 अक्टूबर 2026 तक जारी रहेगी। उपायुक्त मो जावेद हुसैन ने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को सभी दावों और आपत्तियों की निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच कर पात्र मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

एक नजर

JSSC-CGL जांच की आंच कोडरमा तक पहुंची, CID की देर रात छापेमारी

कोडरमा। जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में कथित पेपर लीक और धांधली की जांच अब कोडरमा तक पहुंच गई है। मामले की जांच कर रही सीआईडी की एसआईटी ने गुरुवार देर रात जिले में दो अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर दो युवकों को हिरासत में लिया। दोनों को पूछताछ के लिए रांची ले जाया गया है। कार्रवाई के बाद जिले में चचाओं का बाजार गर्म है। जानकारी के अनुसार, एसआईटी ने सबसे पहले डोमचांच थाना क्षेत्र के गोलवाढाब में राजेश यादव, पिता जगदीश यादव के घर पर छापेमारी की और उसे हिरासत में लिया। इसके बाद टीम ने कोडरमा सदर थाना क्षेत्र के पूर्णानगर रोड स्थित एक ठिकाने पर कार्रवाई करते हुए संदीप कुमार, पिता रामदेव सिंह को हिरासत में लिया। सूत्रों के मुताबिक, सीजीएल परीक्षा धांधली मामले में पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों और कथित बिचौलियों से पूछताछ के दौरान दोनों युवकों के नाम सामने आए थे। इसके बाद एसआईटी ने उनके संभावित संपर्कों और गतिविधियों की जानकारी जुटाई और देर रात कार्रवाई की। दोनों से कथित परीक्षा सिंडिकेट से संपर्क, प्रश्नपत्र के लेन-देन, परीक्षार्थियों को अनुचित लाभ पहुंचाने तथा संभावित आर्थिक लेन-देन को लेकर पूछताछ किए जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि, दोनों युवकों की कथित भूमिका को लेकर सीआईडी अथवा स्थानीय पुलिस की ओर से अब तक कोई विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। एसआईटी की पूछताछ में यदि नए नाम या संपर्क सामने आते हैं, तो मामले की जांच का दायरा कोडरमा में और बढ़ सकता है।

दिव्यांग बोर्ड शिविर में 17 लोगों को मिला प्रमाण पत्र

कोडरमा। सदर अस्पताल कोडरमा में शुक्रवार को आयोजित दिव्यांग बोर्ड शिविर में कुल 35 मरीज पहुंचे। चिकित्सकीय जांच के बाद 17 लोगों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किया गया। इनमें अस्थि दिव्यांगता के सात, सेरेब्रल पाल्सी के तीन, मानसिक दिव्यांगता का एक, गूंगा-बहरा श्रेणी के दो, अंधापन का एक तथा फाइलेरिया से संबंधित दिव्यांगता के तीन मामले शामिल हैं। शिविर के दौरान गूंगा-बहरा श्रेणी के चार लोगों को श्रवण क्षमता की जांच के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। वहीं चार लोगों को आईक्यू असेसमेंट के लिए रिनपास, कांके रेफर किया गया। शिविर में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. रमण कुमार, जिला वीबीडी पदाधिकारी सह फिजिशियन डॉ. मनोज कुमार, नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेमनाथ सिंह, कार्यालय सहायक अजीत कुमार, फिजियोथैरेपिस्ट राजीव रंजन, ऑडियोलॉजिस्ट मनोज कुमार सहित अनीश कुमार और कुणाल मौजूद रहे। शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों की चिकित्सकीय जांच कर पात्र लोगों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना तथा आवश्यकता के अनुसार आगे की जांच और उपचार के लिए उचित संस्थान में रेफर करना रहा।

जनता दरबार में अपर समाहर्ता ने सुनीं आमजनों की फरियाद

कोडरमा। अपर समाहर्ता संजय पी.एम. कूजूर ने जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना। इस दौरान बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे। अपर समाहर्ता ने एक-एक कर सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उनके आवेदनों एवं शिकायतों से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों की आवश्यक जांच करते हुए त्वरित एवं नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजनों की समस्याओं के समाधान में अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। योग्य मामलों में समयबद्ध तरीके से आवश्यक कार्रवाई करते हुए लोगों को राहत पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। जनता दरबार के माध्यम से प्रशासन द्वारा आमजनों की समस्याओं को सीधे सुनने और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

वृंदाहा वॉटरफॉल में किशोर की तलाश जारी

कोडरमा। तिलैया थाना क्षेत्र के प्रसिद्ध वृंदाहा वॉटरफॉल में बुधवार को नहाने और रील बनाने के दौरान गहरे पानी में डूबे 14 वर्षीय किशोर सागर कुमार की तलाश शुक्रवार को तीसरे दिन भी जारी रही। समाचार लिखे जाने तक किशोर का कोई सुराग नहीं मिल सका था। पटना से पहुंची एनडीआरएफ की टीम शुक्रवार सुबह से लगातार रेस्क्यू अभियान में जुटी हुई है। सागर कुमार बिहार के जहानाबाद जिले के हुलासगंज थाना क्षेत्र का रहने वाला था। वह कोचिंग संचालक राजेश केशरी और करीब छह बच्चों के साथ शैक्षणिक भ्रमण पर कोडरमा आया था। बुधवार को वृंदाहा वॉटरफॉल पहुंचने के बाद सभी बच्चे नहाने लगे। इसी दौरान सागर एक चट्टान पर चढ़कर नहाने के साथ रील बना रहा था। अचानक पैर फिसलने से वह चट्टान के नीचे मौजूद गहरे पानी में जा गिरा और देखते ही देखते लापता हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों, साथ आए बच्चों और कोचिंग संचालक ने उसकी तलाश शुरू की। सूचना मिलने पर तिलैया थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। इसी बीच मूसलाधार बारिश शुरू होने और पानी का बहाव तेज होने से रेस्क्यू अभियान में बाधा आई। बुधवार को देर तक तलाश के बावजूद सागर का पता नहीं चल सका। गुरुवार देर शाम पहुंची ठऊफ्रटीम किशोर की तलाश के लिए पटना से एनडीआरएफ की टीम गुरुवार देर शाम वृंदाहा पहुंची। देर शाम अंधेरा हो जाने के कारण उस समय व्यापक स्तर पर रेस्क्यू अभियान शुरू नहीं किया जा सका। शुक्रवार सुबह रोशनी होने के साथ एनडीआरएफ की टीम ने स्थानीय लोगों और पुलिस के सहयोग से गहरे पानी में सागर की तलाश शुरू की। समाचार लिखे जाने तक अभियान जारी था, लेकिन किशोर का पता नहीं चल पाया था। बेटे को किसी भी हालत में वापस लाओ सागर के परिजन घटना की सूचना मिलने के बाद से बेहद व्याकुल हैं। परिजनों का कहना है कि वे अपने बेटे को किसी भी हालत में वापस देखना चाहते हैं। परिवार की गुहार है कि बचाव दल पूरी ताकत से तलाश करे और उनके बेटे को जिंदा या मुर्दा, किसी भी स्थिति में उनके सामने लाया जाए। कोचिंग संचालक राजेश केशरी ने बताया कि वह बच्चों के साथ जहानाबाद से शैक्षणिक भ्रमण के लिए कोडरमा पहुंचे थे। वहीं सागर के मित्र आशीष ने बताया कि नहाने के दौरान अचानक सागर दिखाई नहीं दिया। दोस्तों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। हादसे के बाद फिर उठे सुरक्षा इंतजामों पर सवाल वृंदाहा वॉटरफॉल में हुई इस घटना ने एक बार फिर पर्यटकों की सुरक्षा और बरसात के दौरान खतरनाक जलप्रपात क्षेत्रों में प्रवेश को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां गहरा पानी, तेज बहाव और फिसलन भरी चट्टानें हादसे का बड़ा कारण बन सकती हैं। इसके बावजूद कई पर्यटक चट्टानों पर चढ़कर सेल्फी और रील बनाने का जोखिम उठाते हैं।

स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की तैयारी , 20 मिनी कोल्ड स्टोरेज पर जोर

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूमः पश्चिमी सिंहभूम जिले के कृषि, वन और स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन ने प्रयास तेज करने का निर्णय लिया है। शुक्रवार को जिला समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक हुई।

इसमें जिले के प्राकृतिक संसाधनों और स्थानीय उत्पादों की निर्यात क्षमता पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने जिले में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारी इंजीनियरिंग उत्पादों के चयन से संबंधित जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिमी सिंहभूम लौह अयस्क और चूना पत्थर जैसे खनिज संसाधनों से समृद्ध है। इसके साथ ही खाद्य प्रसंस्करण, रेशम तथा अन्य स्थानीय उत्पादों को भी बेहतर ढंग से तैयार कर बाहरी बाजारों तक पहुंचाया जा सकता है। चेंबर प्रतिनिधियों ने जिले में उपलब्ध लघु वन उत्पादों की ओर भी समिति का ध्यान आकृष्ट कराया।

नीम, बेर, जंगली फल और जामुन जैसे उत्पादों के संग्रहण के साथ उनके प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन की प्रभावी व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया गया। विदेश व्यापार महानिदेशालय के प्रतिनिधि देव कुमार ने बताया कि जिले के लिए जिला निर्यात कार्ययोजना पहले ही तैयार की जा चुकी है। बैठक में सहायक निदेशक, विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुरूप आवश्यक संशोधन करते हुए कार्ययोजना को दोबारा समिति के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि जिले में प्राकृतिक और स्थानीय संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता है। आवश्यकता इन उत्पादों की पहचान कर उनका मूल्यवर्धन, प्रसंस्करण और गुणवत्तापूर्ण पैकेजिंग सुनिश्चित करने की है। इससे किसानों, स्थानीय उत्पादकों, स्वयं सहायता समूहों और उद्यमियों को बड़े बाजार से जोड़ने के साथ रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। बैठक में कृषि और बागवानी उत्पादों के संरक्षण के लिए जिले में 20 मिनी कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने की दिशा में पहल करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा मशरूम उत्पादन और मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने तथा इनके उत्पादों को बाजार से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। उपायुक्त ने आगामी बैठकों में झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन समिति को भी शामिल करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

मांगों को लेकर बैंककर्मियों ने की हड़ताल, निकाला विरोध मार्च

पश्चिमी सिंहभूमः पांच सूत्री मांगों के समर्थन में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर शुक्रवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले के सरकारी बैंकों के कर्मचारी हड़ताल पर रहे। हड़ताल के कारण चाईबासा सहित जिले में बैंकिंग व्यवस्था प्रभावित रही। विभिन्न सरकारी बैंकों के कर्मचारियों ने एकजुट होकर जुलूस निकाला और केंद्र सरकार के खिलाफ अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया। बैंक कर्मचारियों ने कहा कि उनकी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर लंबे समय से संगठन के स्तर पर सरकार और संबंधित अधिकारियों के समक्ष आवाज उठाई जा रही है, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। चाईबासा में निकाले गए जुलूस में बैंककर्मियों ने नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की। हड़ताल के चलते बैंक शाखाओं में सामान्य दिनों की तरह कामकाज नहीं हुआ। इससे नकद जमा और निकासी, चेक संबंधी कार्य, खातों से जुड़े काम तथा शाखा स्तर पर मिलने वाली अन्य बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि एटीएम और डिजिटल बैंकिंग जैसी सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहने से ग्राहकों को कुछ राहत मिली। इसके बावजूद शाखाओं में होने वाले जरूरी कार्यों के लिए पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने आंदोलन को आगे भी जारी रखने की बात कही है। संगठन के अनुसार 28, 29 और 30 सितंबर को भी बैंक कर्मचारी हड़ताल करेंगे। इसके बाद भी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होने पर 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी गई है। बैंक कर्मचारियों ने सरकार से पांच सूत्री मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र समाधान निकालने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखा जाएगा।

बकरी चोरी के शक में युवक को पोल से बांधकर ग्रामीणों ने की पिटाई

पश्चिमी सिंहभूमः पश्चिमी सिंहभूम जिले के तांतनगर थाना क्षेत्र के रायकोला गांव में बकरी चोरी के शक में ग्रामीणों की ओर से एक युवक को पकड़कर हाईमास्ट लाइट के पोल से बांधकर पिटाई करने का मामला सामने आया है। घटना गुरुवार देर रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। ग्रामीणों ने युवक को रातभर पोल से बांधे रखा। शुक्रवार सुबह सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को मुक्त कराकर पूछताछ के लिए थाने ले गई। बताया गया कि रायकोला गांव में पिछले कुछ दिनों से लगातार बकरी चोरी की घटनाएं हो रही हैं। इससे परेशान ग्रामीण रात में जागकर गांव की निगरानी कर रहे हैं। इसी दौरान गुरुवार रात करीब 12 बजे रायकोला चौक के पास सड़क निर्माण कार्य में लगी ठेकेदार की जेसीबी में एक अज्ञात युवक बैठा दिखाई दिया। ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पूछताछ की, लेकिन उसके जवाब से ग्रामीण संतुष्ट नहीं हुए। इसके बाद उसकी तलाशी लेने पर जेब से दो मोटरसाइकिलों की चाबियां मिलीं। चाबियां मिलने के बाद ग्रामीणों का शक और बढ़ गया और उन्होंने युवक को बकरी चोरी की नीयत से गांव में घूमने का संदेह जताया। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने युवक को हाईमास्ट लाइट के पोल से बांध दिया और उसकी पिटाई की। वह रातभर वहीं बंधा रहा। शुक्रवार सुबह गांव के मुंडा मांझी कुंकल ने घटना की जानकारी तांतनगर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही एएसआई रामशंकर गुप्ता पुलिस बल के साथ रायकोला पहुंचे और युवक को ग्रामीणों के कब्जे से मुक्त कराया। पुलिस उसे थाने ले जाकर पूछताछ कर रही है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक का बकरी चोरी की घटनाओं से वास्तव में कोई संबंध है या नहीं। फिलहाल घटना के बाद गांव में बकरी चोरी को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बना हुआ है और ग्रामीण रात में पहरेदारी कर रहे हैं।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में विद्यार्थियों की हुई जांच

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूमः पश्चिमी सिंहभूम जिला रोटरी क्लब ऑफ चाईबासा की ओर से शुक्रवार को लुपुंगुटू स्थित सेंट जेवियर्स हाई स्कूल में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। शिविर में विद्यालय के कई विद्यार्थियों की आंखों की जांच की गई। यह आयोजन स्वर्गीय रोटेरियन एनके ठक्कर की पुण्य स्मृति में रोटेरियन हीना ठक्कर के प्रायोजन से किया गया। रोटरी क्लब के अध्यक्ष अमित पोद्दार ने कहा कि क्लब का प्रयास समाज के सभी वर्गों तक नियमित स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से विभिन्न विद्यालयों में प्रत्येक माह स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब भविष्य में भी सामाजिक सरोकार से जुड़े ऐसे कार्यक्रम जारी रखेगा। शिविर में संजीव नेत्रालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों और तकनीकी कर्मियों ने आधुनिक उपकरणों की मदद से विद्यार्थियों की आंखों की जांच की। जांच के दौरान जिन विद्यार्थियों में दृष्टि संबंधी समस्या पाई गई, उन्हें प्रायोजक की ओर से आवश्यक दवाएं और चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे। विद्यालय प्रबंधन ने रोटरी क्लब के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि क्लब लंबे समय से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में लगातार योगदान दे रहा है। इस तरह के नियमित स्वास्थ्य शिविर विद्यार्थियों के लिए काफी लाभकारी साबित हो रहे हैं। शिविर में रोटरी क्लब के अमित पोद्दार, सौरव प्रसाद, महेश खत्री, रमेश चंद्र दत्तानी, सुशील मूंधड़ा, दीपक गुप्ता, नवजीत सिंह और विनय लोधा समेत अन्य सदस्य मौजूद थे। वहीं विद्यालय की ओर से फादर किशोर लुगुन, विजय पात्रा, आशीष झा, शंकर लाल खंडैत, बिनिता अंजारिया सिहत अन्य मौजूद थे।

नवविवाहिता ने फंदे से लटक कर की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम :बिरसानगर थाना क्षेत्र के जोन नंबर-1 में एक नवविवाहिता ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। घटना के बाद पुलिस ने शुक्रवार को शव को लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान तनुश्री दास के रूप में हुई है। उसकी शादी करीब पांच महीने पहले हुई थी और वह अपने पति के साथ बिरसानगर में रह रही थी। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार को पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद तनुश्री तनाव में आ गई और उसने खुदकुशी कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर पति ने उसे फंदे से नीचे उतारा और तत्काल इलाज के लिए टाटा मोटर्स अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज के दौरान गुरुवार देर रात उसकी मौत हो गई। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शुक्रवार को शव का पोस्टमॉर्टम कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है। तनुश्री के पति ने पुलिस को बताया कि दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था और करीब पांच महीने पहले ही उन्होंने प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद दोनों बिरसानगर में साथ रह रहे थे। पति एसके कुमार के अनुसार, तनुश्री दूसरे के घरों में झाड़ू-पोछा का काम करती थी। बुधवार को दोनों के बीच हुए विवाद के बाद उसने यह कदम उठा लिया। फिलहाल पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है।

देर रात सदर अस्पताल पहुंचीं सहायक समाहर्ता, मरीजों की सुविधा का किया पडताल

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूमः जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था और मरीजों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लेने के लिए सहायक समाहर्ता ईरा जोरवाल ने गुरुवार देर रात औचक निरीक्षण किया। अचानक हुए निरीक्षण से अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य कर्मियों में भी सक्रियता देखने को मिली। उन्होंने अस्पताल के पुरुष और महिला वार्ड, प्रसव कक्ष, स्त्री एवं प्रसूति विभाग तथा आपातकालीन कक्ष सहित विभिन्न हिस्सों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सहायक समाहर्ता ने भर्ती मरीजों से सीधे बातचीत कर अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से भोजन की उपलब्धता और उसकी गुणवत्ता, निःशुल्क दवाओं की व्यवस्था, चिकित्सकों के नियमित भ्रमण और इलाज की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा उन्होंने ड्यूटी के अनुसार चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति की भी पड़ताल की। आपातकालीन कक्ष के निरीक्षण के दौरान ईरा जोरवाल ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिया कि आपातकालीन स्थिति में आने वाले मरीजों की तत्काल जांच कर उनकी गंभीरता का आकलन किया जाए। आवश्यकता के अनुसार मरीजों को संबंधित वार्ड में समय पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि आपातकालीन कक्ष में गंभीर मरीजों के उपचार के लिए पर्याप्त जगह बनी रहे। उन्होंने कहा कि जिन मरीजों का उपचार पूरा हो चुका है और उन्हें अस्पताल में भर्ती रखने की आवश्यकता नहीं है, उनकी आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर समय पर छुट्टी दी जाए। इससे आपातकालीन कक्ष में अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने के साथ अस्पताल की व्यवस्थाओं को भी सुचारु बनाए रखने में मदद मिलेगी। सहायक समाहर्ता ने चिकित्सकों, अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य कर्मियों को अस्पताल में स्वच्छता बनाए रखने, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, मरीजों का समय पर उपचार करने और उनके साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदर अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

गांजा के साथ दो गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूमः आजादनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा की खरीद-बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 3.680 किलोग्राम गांजा की 1,299 पुड़िया, 6,590 रुपये नकद, एक कीपैड मोबाइल, गांजा बिक्री की रकम प्राप्त करने के लिए दो क्यूआर कोड एवं पैकिंग में इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक सामग्री सहित अन्य सामान बरामद किया है। शुक्रवार को सीटी एसपी ललित मीणा ने प्रेस कांफ्रेंस में कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक पूर्वी सिंहभूम डॉ ऐहतेशाम वकारिब को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस उपाधीक्षक पटमदा दयानंद कुमार के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया था। टीम ने 10 सितंबर को आजादनगर थाना क्षेत्र के वारिश कॉलोनी, बेहरा बगान रोड नंबर-4 स्थित एक मकान में छापेमारी की। तलाशी के दौरान बिनीता तिर्की के घर से बड़ी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, मकान का इस्तेमाल गांजा को छोटी-छोटी पुड़ियों में पैक करने और उसकी बिक्री से जुड़ी गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। मौके से बिनीता तिर्की (59) और उसके सहयोगी अब्दुल शकील (69), हुसैनी मुहल्ला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की पूछताछ में अब्दुल शकील ने गांजा बुंडू, रांची निवासी धोनी नामक व्यक्ति से मिलने की बात बताई। पुलिस के अनुसार बिनीता और अब्दुल शकील गांजा को आजादनगर, कपाली और मानगो के आसपास के इलाकों में बेचते थे। हालांकि धोनी की संलिप्तता की पुलिस अभी जांच कर रही है। आजादनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। वहीं दोनों गिरफ्तार आरोपितों को जेल भेजा दिया गया। छापेमारी दल में पुलिस उपाधीक्षक पटमदा दयानंद कुमार, आजादनगर थाना प्रभारी चंदन कुमार, महिला पुलिस अवर निरीक्षक कविता और पुलिस अवर निरीक्षक मनीष कुमार राय, दीपक कुमार ठाकुर, पवन कुमार और जफर अंसारी सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

बैंककर्मियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल, ठप रहा बैंकिंग कामकाज

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूमः पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने समेत विभिन्न लंबित मांगों को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर शुक्रवार को जमशेदपुर सहित पूर्वी सिंहभूम जिले के बैंकों में कामकाज पूरी तरह प्रभावित रहा। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने बिष्टुपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक की मुख्य शाखा तथा कचहरी चौक के समीप भारतीय स्टेट बैंक के आंचलिक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। हड़ताल के कारण जमशेदपुर के प्रमुख व्यापारिक और औद्योगिक क्षेत्रों में बैंकिंग लेन-देन पर व्यापक असर पड़ा। भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक और बैंक ऑफ इंडिया समेत विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाओं में काउंटर सेवाएं बंद रहीं। नकद जमा और निकासी, चेक निपटान, बैंक ड्राफ्ट बनाने तथा पासबुक अद्यतन जैसी सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई और अधिकांश एटीएम सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहीं। इसके बावजूद नकदी निकासी बढ़ने से सप्ताहांत के दौरान कुछ एटीएम में नकदी की कमी होने की आशंका जताई जा रही है। यूएफबीयू के संयोजक रिंटू कुमार रजक ने कहा कि यदि पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था की मुख्य मांग समेत अन्य मांगों पर सहमति नहीं बनी, तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जायेगा।बैंक यूनियन नेताओं के अनुसार पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग को लेकर पहले ही द्विपक्षीय समझौता हो चुका है, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से इस पर अब तक निर्णय नहीं लिया गया है। इसके अलावा प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजना में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने सहित अन्य लंबित मांगों को भी तत्काल पूरा करने की मांग की जा रही है।इसके बाद भी समाधान नहीं होने पर 26 अक्टूबर से देशभर के बैंक कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दे चुके हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दो दिवसीय दौरे पर अररिया में, कहा बिहार सुशासन से समृद्धि की ओर अग्रसर

एजेंसी

अररिया : सेवा संकल्प अभियान को गति देने के लिए पहली बार अररिया जिला के दो दिवसीय संगठनात्मक प्रवास पर पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी जी का शुक्रवार को नरपतगंज,फारबिसगंज और अररिया में कार्यकताओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। फारबिसगंज में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 रामपुर के समीप भाजपा नगर अध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद मिंटू के नेतृत्व में भाजपा नेता प्रवीण कुमार, नगर मंत्री विपिन जायसवाल, अरुण निराला,सुनील साह, गोपाल साह,अमित कुमार, मो. सैय्यद सहित बड़ी संख्या में उत्साहित कार्यकताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। फारबिसगंज में पूर्व विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी के आवास पर भी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी पहुंचे।जहां पूर्व विधायक विद्यासागर केशरी,जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा,नरपतगंज विधायक देवयन्ती यादव,सिकटी विधायक एवं पूर्व मंत्री विजय कुमार मंडल,रोहित यादव समेत दर्जनों कार्यकताओं ने उनका स्वागत बुके भेंट कर और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। फारबिसगंज पूर्व विधायक के आवास पर प्रदेश अध्यक्ष ने प्रेस के साथ वार्ता भी की और संगठन की मजबूती को लेकर अपने दो दिवसीय प्रवास की जानकारी दी।इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्री सरावगी जी ने कहा कि आजादी के बाद नरेंद्र मोदी एक मात्र ऐसे नेता हैं जिन्होंने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के तौर पर 25 वर्षों के सेवा काल को पूर्ण किया है। इस हेतु प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत 17 सितंबर को हर घर, हर बूथ पर आशीर्वाद का दिया जलाया जाएगा।उन्होंने कहा कि बिहार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में जंगलराज के बाद आए सुशासन को आगे बढ़ाते हुए बिहार को सुशासन से समृद्धि की ओर लेकर जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि 2025-26 के वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही का आए जीडीपी के रेट में भारत विश्व के अन्य विकसित देशों की तुलना में सबसे अग्रणी 7.8 फीसदी की दर से रहा है।जबकि चीन 4 फीसदी और विश्व का आंकड़ा 3 फीसदी का रहा है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का संकल्प है कि किस तरह भारत को सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाया जाय। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार बिहार में सहयोग शिविर के माध्यम से शिकायतों का निबटारा कर रहे हैं।विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए पोर्टल लाया गया है।सरस्वती विद्या निकेतन की शुरूआत की गई है।फलस्वरूप बिहार सुशासन से समृद्धि की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है सरकार, हर परिवार तक पहुंचेगी राहत : डॉ. प्रमोद कुमार

एजेंसी

कटिहार :बिहार सरकार के खान एवं भूतत्व सह कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री तथा कटिहार जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने शुक्रवार को मनिहारी प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सघन स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ के पानी से घिरे पीड़ितों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और प्रशासनिक राहत कार्यों का जायजा लिया। मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आपदा की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ितों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और किसी भी परिवार को दाने-दाने या बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा। निरीक्षण के क्रम में प्रभारी मंत्री ने प्रशासन द्वारा संचालित सामुदायिक रसोइयों (कम्युनिटी किचन), मेडिकल कैंपों, पशु राहत शिविरों तथा स्वच्छ पेयजल व्यवस्था का बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने सामुदायिक रसोई में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता जांची और स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता का हाल जाना। पशु शिविरों में पशुपालकों को सूखा चारा (भूसा) और पशु चिकित्सा की नियमित सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डॉ. प्रमोद कुमार ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जलमग्न क्षेत्रों के प्रत्येक पात्र बाढ़ प्रभावित परिवार तक त्वरित राहत सामग्री पहुंचाने और सरकार द्वारा दी जाने वाली अनुग्रह राशि (जीआर) का भुगतान अविलंब पूरा करने का आदेश दिया, ताकि पीड़ितों को तत्काल आर्थिक संबल मिल सके।

अज्ञात वाहन की टक्कर से अनाज व्यवसायी की मौत, परिवार में मचा कोहराम

एजेंसी

सुपौल :जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र में रात के सड़क हादसे में एक अनाज व्यवसायी की मौत हो गई। घटना वार्ड-2 स्थित एनएच-131 पर इंटर कॉलेज के समीप हुई। मृतक की पहचान कामेश्वर खिड़हरी (48) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, कामेश्वर खिड़हरी गुरुवार रात अपने घर के सामने एक ग्राहक का अनाज देख रहे थे। इसी दौरान राघोपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और परिजनों ने तत्काल उन्हें रेफरल अस्पताल, राघोपुर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए जननायक कपूर्री ठाकुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, मधेपुरा रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर मधेपुरा जा रहे थे। इसी दौरान शुक्रवार तड़के श्यामनगर के पास रास्ते में ही कामेश्वर ने दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन शव को लेकर करीब ढाई बजे रात घर पहुंचे। घर पहुंचते ही परिवार में मातम पसर गया। मृतक के परिवार में पत्नी चंद्रकला देवी के अलावा दो बेटे सत्यम कुमार (12) और शिवम कुमार (10) हैं। परिवार के मुखिया की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर, राघोपुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान करने के साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी है।

अमनौर में हाइवा ट्रक की चपेट में आने से महिला की मौत, बेटा-बेटी सुरक्षित

एजेंसी

सारण :जिले के अमनौर थाना क्षेत्र के दुखन मोड़ के समीप एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान डेरनी थाना क्षेत्र के विश्वंभरपुर निवासी सीमा मिश्रा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार वह अपने बेटा और बेटी के साथ बाइक पर सवार होकर मढ़ौरा के आवरी गांव स्थित अपने मायके जा रही थी। इसी दौरान दुखन मोड़ के पास एक 10 चक्का हाइवा ट्रेलर ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके बेटा-बेटी बाल-बाल बच गए और उन्हें हल्की चोटें आईं हैं। घटना की सूचना मिलते ही अमनौर थानाध्यक्ष बिमलेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया है तथा दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को जब्त कर आगे की जाँच शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित ई-चालानों का होगा त्वरित निपटारा: डीटीओ

एजेंसी

कटिहार: आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित ई-चालानों के सरल एवं त्वरित निष्पादन को लेकर जिला परिवहन कार्यालय (डीटीओ) में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में 90 दिनों से अधिक अवधि से लंबित ई-चालानों के निस्तारण तथा 'एक मुश्त यातायात चालान निपटान योजना 2026' के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से विचार-विमर्श कर कार्ययोजना बनाई गई। जिला परिवहन पदाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पुलिस विभाग के अधिकारी तथा जिले के विभिन्न परिवहन संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन और अधिक से अधिक चालानों के सुलहनीय समाधान को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। इसके साथ ही वाहन मालिकों और चालानधारकों को लोक अदालत की प्रक्रिया से अवगत कराने पर विशेष बल दिया गया। लंबित मामलों के निष्पादन को आसान बनाने के लिए पुलिस और परिवहन विभाग के बीच आपसी समन्वय स्थापित कर सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। संघ प्रतिनिधियों से भी आग्रह किया गया कि वे अपने स्तर से वाहन स्वामियों व चालकों तक इस राहत योजना की जानकारी पहुंचाएं। उल्लेखनीय है कि लंबित ई-चालानों के समाधान के लिए 07 सितंबर से ही प्री-रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने वाहन मालिकों एवं चालकों से अपील की कि वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत पहले से प्री-रजिस्ट्रेशन करा लें, ताकि 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत में बिना किसी भागदौड़ के उनके मामलों का समय पर निस्तारण हो सके। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का अनुपालन अनिवार्य है और चालानों का समयबद्ध निपटारा वाहन मालिकों और प्रशासन दोनों के लिए सुविधाजनक है।

जदयू के फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद को मिल रहा जनसमर्थन

एजेंसी

अररिया : जिला जदयू की ओर से फारबिसगंज के एक होटल के सभागार में शुक्रवार को जदयू के नेताओं ने पार्टी द्वारा चलाए जा रहे फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद कार्यक्रम और इसके उद्देश्यों की जानकारी दी। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा एवं प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा इस कार्यक्रम के तहत गंगा किनारे बसे बिहार के 12 जिलों बक्सर, भोजपुर, सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार में संवाद कर रहे है, जो इस संधि के कारण सबसे अधिक प्रभावित हैं। पार्टी के इस जन-जागरुकता अभियान का शुभारंभ 5 सितंबर को बक्सर से हुआ, जबकि समापन कटिहार में होगा क्योंकि बिहार में गंगा बक्सर से प्रवेश करती है और कटिहार से निकलती है। जिलाध्यक्ष पवन मिश्रा ने कहा कि जदयू का स्पष्ट स्टैंड है कि 1996 में भारत और बांग्लादेश के बीच हुई यह संधि भारत खासकर बिहार के हित में नहीं है। अभी हाल में संसद के मानसूत्र सत्र के दौरान राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने राज्यसभा में बड़ी मुखरता से इस विषय को उठाया और कहा कि इसका नवीनीकरण नहीं होना चाहिए।अगर कोई संधि होती भी है तो बिहार की वर्ष 2050 तक की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इस जल संधि के कारण बिहार का जल-प्रबंधन बुरी तरह बिगड़ा है और हम गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। बताया गया कि फरक्का जल संधि के मुताबिक शुष्क मौसम में जब बक्सर के पास गंगा का प्रवाह मात्र 14 हजार क्यूसेक तक रह जाता है, तब भी फरक्का से बांग्लादेश के लिए 53 हजार क्यूसेक पानी छोड़ना पड़ता है, इसका मतलब यह है कि सिर्फ गंगा ही नहीं, बल्कि बिहार की आंतरिक नदियों से भी पानी खीचकर बांग्लादेश को दिया जा रहा है। जदयू का कहना है कि यह सीधे तौर पर बिहार की हकमारी है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुरू से कहते रहे हैं कि फरक्का बराज और फरक्का जल संधि से बिहार को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। जदयू नेताओं ने बताया कि एक और फरक्का बराज के कारण गंगा में भारी गाद जमा हो जाने से नदी का तल ऊंचा हो गया है, जिसके कारण उत्तर बिहार को हर साल बाढ़ का सामना करना पड़ता है, तो दूसरी ओर फरक्का जल संधि के कारण शुष्क मौसम में हमें बिहार के हिस्से का पानी बांग्लादेश को देना पड़ता है और बिहार के कई जिलों में सूखे तक की स्थिति हो जाती है। इस अंतर्राष्ट्रीय संधि का 73 फीसदी भार अकेले बिहार उठा रहा है। यह बिहार के साथ ज्यादती है, जिसे पार्टी इस अभियान के माध्यम से बताना चाहती है। प्रेसवार्ता के दौरान रानीगंज के पूर्व विधायक अचमीत ऋषिदेव जी ने कहा कि फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने भी इस विषय पर स्थिति स्पष्ट कर दी है। जदयू की ये पहल किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि ये हमारी पार्टी का जनसरोकार है। ये बिहार के हक और बिहारवासियों के हित की बात है। हमें पता होना चाहिए कि फरक्का जल संधि के कारण बिहार को कैसे और कितना नुकसान हो रहा है। हमलोग बिहार की आवाज केन्द्र तक पहुँचाना चाह रहे हैं ताकि गंगा से जुड़े सवाल देश के सामने आएं और फरक्का जल संधि पर पुनर्विचार हो। वार्ता में जिलाध्यक्ष के अलावे प्रदेश महासचिव सह रानीगंज के पूर्व विधायक अचमित ऋषिदेव ,प्रदेश सचिव संचिता मंडल, रमेश सिंह, राजू मंडल, ललन मंडल, शिवपूजन पोद्दार आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ और पिलर से टकराई, एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

सुपौल :जिले के जदिया थाना क्षेत्र के परसागढ़ी उत्तर पंचायत अंतर्गत बिरंची कामत हाट के समीप शुक्रवार को तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ और जमीन के सीमांकन के लिए लगाए गए पिलर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों युवक बाइक से पूरब दिशा की ओर तेज गति से जा रहे थे। बिरंची कामत हाट के पास पहुंचते ही बाइक अनियंत्रित हो गई। पहले बाइक सड़क किनारे लगे पेड़ से टकराई और इसके बाद सीमांकन के लिए लगाए गए पिलर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक बाइक सवार ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। दूसरे युवक को गंभीर हालत में स्थानीय ग्रामीणों की मदद से अनुमंडलीय अस्पताल त्रिवेणीगंज में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। मृतक की पहचान अररिया जिले के सिमराहा थाना क्षेत्र के टेरही मुसहरी निवासी भुट्टो ऋषिदेव के रूप में हुई है। बताया गया कि उनकी शादी बघेली पंचायत में हुई थी। पत्नी की कुछ साल पहले मृत्यु हो जाने के बाद भी वे ससुराल क्षेत्र में ही रह रहे थे। हादसे में घायल उनके रिश्ते में साला लगने वाले बघेली पंचायत के वार्ड-5 निवासी रूपेश कुमार बताए गए हैं।बताया गया कि भुट्टो ऋषिदेव ने बघेली के पते पर आधार कार्ड भी बनवा लिया था। शुक्रवार सुबह वे किसी रिश्तेदार के यहां मेहमाननी में जाने की बात कहकर घर से निकले थे। कुछ ही देर बाद सड़क हादसे में उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही जदिया थाना के सहायक अवर निरीक्षक अमित कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सुपौल भेज दिया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

कटिहार के सभी 16 अंचलों में विशेष भूमि सर्वेक्षण तेज, 57 गांवों का अंतिम प्रकाशन पूरा

कटिहार: जिले के सभी 16 अंचलों में जमीन के विशेष सर्वेक्षण का कार्य तेजी से प्रगति पर है। प्रथम चरण के अंतर्गत कोढ़ा, फलका और कुसेर्ला अंचल के कुल 178 राजस्व ग्रामों में सर्वेक्षण कार्य अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। इनमें से अब तक 151 राजस्व गांवों का अंतिम प्रारूप प्रकाशन (प्रपत्र-20) पूरा कर लिया गया है, जबकि 57 राजस्व ग्रामों में प्रपत्र-25 के तहत अंतिम प्रकाशन की कार्रवाई भी पूरी कर ली गई है। वहीं दूसरी तरफ द्वितीय चरण के तहत जिले के शेष 13 अंचलों के 1336 राजस्व ग्रामों में भी सर्वेक्षण की प्रक्रिया पूरी तत्परता से जारी है। द्वितीय चरण के तहत अब तक 365 राजस्व ग्रामों में किस्तवार, 75 गांवों में खानापुरी और 17 राजस्व ग्रामों में लैंड पार्सल मैप (एलपीएम) का वितरण कार्य संपन्न हो चुका है। मौजूदा समय में बाढ़ और मानसूनी बारिश के असर को देखते हुए जिला प्रशासन शेष बचे कार्यों में तेजी लाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर रहा है, जिससे कि सर्वेक्षण कार्य को पूर्व निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही पूर्ण कराया जा सके। जिले में इस वृहद राजस्व अभियान को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए वर्तमान में 11 शिविर प्रभारी, 13 विशेष सर्वेक्षण कानूनगो, 18 विशेष सर्वेक्षण लिपिक और 261 विशेष सर्वेक्षण अमीन धरातल पर पूरी मुस्तैदी के साथ कार्यरत हैं। जलस्तर घटते ही मैदानी सत्यापन और तकनीकी कार्यों को और अधिक रफ्तार दी जाएगी।

सुपौल मदरसा फूड पॉइजनिंग: इलाज के दौरान दूसरी छात्रा की भी मौत, मृतकों की संख्या दो

सुपौल: सुपौल शहर के एक मदरसे में सोमवार को समोसा और मिठाई खाने के बाद फूड पॉइजनिंग की घटना में शुक्रवार को इलाज के दौरान एक और छात्रा की मौत हो गई। मृतका की पहचान हलीमा सादिया के रूप में हुई है। इससे पहले 10 वर्षीय अल्किशा की इलाज के दौरान मौत हो चुकी थी। इस घटना में अब तक दो छात्राओं की जान जा चुकी है। जानकारी के अनुसार, सोमवार को मदरसे में रहने वाली चार छात्राओं आपिया, सहाना खातून, हलीमा सादिया और अल्किशा की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। सभी को बेहोशी की हालत में सुपौल के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान अल्किशा ने दम तोड़ दिया, जबकि शुक्रवार को हलीमा सादिया की भी हालत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। बताया गया कि अल्किशा की मां सोमवार को बच्ची से मिलने मदरसे पहुंची थीं। वह बच्ची को मिठाई और समोसा देकर गई थीं। खाने के बाद चारों छात्राओं की तबीयत बिगड़ने लगी और वे बेहोश हो गईं। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मदरसा संचालक खलील रहमान के अनुसार, मदरसे में करीब 60-65 छात्राएं हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करती हैं। संस्था लगभग दो वर्षों से संचालित है और अल्किशा भी करीब डेढ़-दो साल से यहां रह रही थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मदरसा संचालक और शिक्षकों से पूछताछ की थी। वहीं, डीएम सावन कुमार के निर्देश पर जिला शिक्षा कार्यालय की टीम ने डीपीओ समेत अधिकारियों के साथ मदरसे की जांच की। सदर एसडीएम मनोहर कुमार साह ने बताया कि सूचना मिलने पर वे एसडीपीओ और थाना प्रभारी के साथ मौके पर पहुंचे थे। जांच के दौरान मदरसे में कई बच्चियों के हॉस्टल में रहने की बात सामने आई। प्रशासन ने मदरसे को सील कर दिया है। हलीमा सादिया के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। फूड पॉइजनिंग की वास्तविक वजह और खाने की गुणवत्ता को लेकर जांच रिपोर्ट के बाद स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

एचआईवी संक्रमित पिता-पुत्र को जांच के बिना लौटाया, अधीक्षक समेत चार से जवाब-तलब

सीवान: सदर अस्पताल में एचआईवी संक्रमित पिता-पुत्र को पैथोलॉजिकल जांच के लिए चार घंटे तक इंतजार कराने और बिना सैंपल लिये वापस भेजने के मामले में सिविल सर्जन-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ श्रीनिवास प्रसाद ने सदर अस्पताल के अधीक्षक डॉ अनिल कुमार सिंह समेत चार स्वास्थ्य अधिकारियों व कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा है। मामले में दो प्रयोगशाला प्रावैधिकी का वेतन तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक रोक दिया गया है। संबंधित सभी से 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा गया है। सीएस कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार, एचआईवी संक्रमित पिता-पुत्र 10 सितंबर को दोपहर करीब एक बजे सदर अस्पताल स्थित एआरटी केंद्र पहुंचे थे। परामर्श के बाद दोनों को पैथोलॉजिकल जांच कराने की सलाह दी गयी। इसके बाद दोनों जांच के लिए गये, लेकिन आरोप है ।

वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में उथल-पुथल के बीच लचीलापन बढ़ाना जरूरी : जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा समय में वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था उथल-पुथल, अस्थिरता और जटिलताओं से गुजर रही है। भू-राजनीतिक संघर्षों, महामारियों और जलवायु संबंधी व्यवधानों के आर्थिक प्रभाव के बीच लचीलापन अब किसी भी देश की आर्थिक रणनीति का केंद्रीय तत्व बन गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे दौर में नवाचार, टिकाऊ विकास और मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के साथ आर्थिक झटकों से निपटने की क्षमता बढ़ाना आवश्यक है।

ब्रिक्स व्यापार मंच को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि तेजी से हो रहे डिजिटलीकरण और तकनीकी प्रगति ने विकास, उत्पादकता और आर्थिक विस्तार के नए अवसर खोले हैं, लेकिन इनके साथ नए जोखिम भी सामने आए हैं। इसलिए देशों को बदलती परिस्थितियों का अनुमान लगाने, उनके अनुरूप खुद को ढालने और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने की क्षमता विकसित करनी होगी।

उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में ब्रिक्स की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। ब्रिक्स अलग-अलग संसाधनों, बाजारों, क्षमताओं और अनुभवों वाली अर्थव्यवस्थाओं को एक मंच पर लाता है। यह सदस्य देशों को अपने दृष्टिकोण साझा करने, ठोस व्यवस्थाएं विकसित करने और आर्थिक सहयोग के नए अवसर तलाशने का मंच उपलब्ध कराता है।

विदेश मंत्री ने कहा कि सरकारों के बीच सहयोग जरूरी ढांचा तैयार कर सकता है, लेकिन व्यापार जगत ही उसे वास्तविक आर्थिक स्वरूप देता है। ब्रिक्स की संभावनाओं को ठोस परिणामों में बदलने में कारोबारी समुदाय महत्वपूर्ण भागीदार है। ब्रिक्स व्यापार परिषद और ब्रिक्स महिला व्यापार गठबंधन उद्योग, उद्यमियों और कारोबारी नेतृत्व की भागीदारी को ब्रिक्स प्रक्रिया से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

जयशंकर ने कहा कि आपूर्ति श्रृंखला संपर्क और व्यापार सुगमता महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं हैं। इसके साथ सेवाओं, कृषि एवं कृषि-प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाओं, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप और महिला उद्यमों को बढ़ावा देना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों के कारोबारियों के लिए साझेदार तलाशना, बाजारों तक पहुंच बनाना और आपूर्ति नेटवर्क को जोड़ना आसान बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अधिक आर्थिक गतिविधि से आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता मजबूत होती है। इसके लिए भरोसेमंद रसद व्यवस्था, अनुमान योग्य कारोबारी माहौल, विविधीकृत व्यापारिक संबंध तथा पारदर्शी व्यापार और निवेश व्यवस्था आवश्यक है।

विदेश मंत्री ने कहा कि डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वित्तीय प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण बड़े अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। हालांकि इनके साथ पहुंच, मानक, सुरक्षा और भरोसे से जुड़े सवाल भी हैं। भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स के स्टार्टअप और नवाचार केंद्रों को जोड़ने तथा नवाचार आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पहल की गई है।

जयशंकर ने कहा कि ब्रिक्स की सफलता केवल उसके व्यापक एजेंडे से नहीं, बल्कि उससे बनने वाली साझेदारियों, पैदा होने वाले अवसरों और हासिल होने वाले ठोस परिणामों से तय होगी। उन्होंने व्यापार मंच से व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देने और यह पहचानने का आह्वान किया कि कारोबार के अवसर कहां हैं, चुनौतियां क्या हैं और सरकारें उन्हें दूर करने में कैसे मदद कर सकती हैं।

एक नजर

कांगो में लगी आग में 27 बच्चों की मौत, दो स्कूल, 300 घर राख

किंशासा (कांगो)। अफ्रीकी देश कांगो के पूर्वी हिस्से में स्थित बुकावु शहर में लगी आग में कम से कम 27 बच्चों (19 लड़कियां और 8 लड़के) की मौत हो गई । आग में 300 घर और दो स्कूल राख हो गए। सुद-किवु प्रांत की राजधानी बुकावु पर रवांडा की सेना और उसके एम23 मिलिशिया का कब्जा है। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की आधिकारिक सरकारी समाचार एजेंसी 'एजेंस कांगोलीज डी प्रेसे (एसीपी)' की 10 सितंबर को प्रसारित रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एसीपी ने कहा कि अस्पताल और स्कूल के सूत्रों से मिली शुरूआती जानकारी के अनुसार, 29 लोग घायल भी हुए हैं। इनमें से 17 का इलाज कदुतु जनरल हॉस्पिटल में और 12 का कदुतु प्रोविंशियल जनरल रेफरल हॉस्पिटल में चल रहा है। स्कूल के सूत्रों के अनुसार, 300 से ज्यादा घरों में आग लगा दी गई। दो स्कूल-बागीरा कम्यून में ईपी मोसाला और कदुतु कम्यून में ईपी नोंगों भी प्रभावित हुए हैं। आग कैसे लगी, इसके सही कारणों का तुरंत पता नहीं चल सका। सूत्रों ने बताया कि आग तीन सड़कों - काशेके, लुगुलु और एलिला तक फैल गई है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। एक स्थानीय निवासी ने कहा, ₹हमें नहीं पता कि बुकावु में क्या हो रहा है। एक महीने के अंदर आग लगने की 18 घटनाओं में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हमें सरकार की मदद की जरूरत है। स्कूल का नया सत्र शुरू हो रहा है। ऐसे में हमें नहीं पता कि हम बच्चों के साथ रात कहां बिताएंगे।

कराची विवि के प्रोफेसर साकी पर हमले का मुख्य संदिग्ध गिरफ्तार

कराची (पाकिस्तान)। कराची विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद आरिफ खान साकी और उनके भतीजे पर कथित हमले और उन्हें बंधक बनाने के मामले में पुलिस ने मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान सैयद मोहम्मद कोनैन शाह के तौर पर की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शाह को जमानत मिलने के बावजूद गिरफ्तार किया गया। अंदेशा था कि वह शहर से भाग सकता है। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सैयद मोहम्मद कोनैन शाह की गिरफ्तारी तब हुई जब सीनेट की आंतरिक मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष ने उसे पकड़ने में विफलता पर नारागगी जताई थी। शाह ने गुरुवार को मालिर की एक अतिरिक्त जिला और सत्र अदालत से अंतरिम जमानत हासिल की थी। अदालत ने उन्हें जांच में शामिल होने का निर्देश दिया था। यह मामला सफूराचौरंगी के पास हुई एक घटना से जुड़ा है। इस घटना में डॉ. साकी पर कथित तौर पर हमला किया गया था। यह हमला एक डबल कैबिन गाड़ी और उस ऑनलाइन टैक्सी की टक्कर के बाद हुआ। घटना के दौरान प्रोफेसर और उनके भतीजे को कथित तौर पर बंधक भी बनाया गया था। अब उम्मीद है कि पुलिस जांच के हिस्से के तौर पर शाह से पूछताछ करेगी और घटना में उनकी कथित भूमिका का पता लगाएगी। पुलिस ने पता लगाया कि डॉ. साकी जिस गाड़ी में थे, उसे उनके भतीजे वहीदुर रहमान चला रहे थे। डॉ. साकी के अनुसार, डबल कैबिन गाड़ी पार्किंग क्षेत्र से बाहर आ रही थी, तभी उसके गार्ड ने टैक्सी को रुकने का इशारा किया। इसके बाद गाड़ी पीछे की ओर आई और टैक्सी से टकरा गई। प्रोफेसर ने कहा कि उन्होंने डबल-कैबिन गाड़ी में सवार लोगों से टक्कर से हुए नुकसान के लिए टैक्सी ड्राइवर को मुआवजा देने के लिए कहा। डॉ. साकी ने बताया कि इसके बाद होटल के मालिक का बेटा गाड़ी से बाहर निकला, दो गोलियां चलाईं और हवा में गोली चलाने से पहले पिस्तौल की बट से उन पर वार किया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें और उनके भतीजे को होटल ले जाया गया, जहां उन्हें कथित तौर पर प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने डॉ. साकी की शिकायत पर कोनैन और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

बलोच लिबरेशन आर्मी ने जियारत क्रॉस हमले का वीडियो जारी किया

क्वेटा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में स्वतंत्रता समर्थक सशस्त्र संगठन बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने तीन सितंबर को पशिन के जियारत क्रॉस में पाकिस्तान की सेना और एक निर्माण कंपनी पर किए गए हमलों का वीडियो अपने ऑफिशियल चैनल हुकल पर जारी किया है। वीडियो के शुरूआती दृश्य में बीएलए की महत्वपूर्ण शाखा 'फतह स्क्वायड' के कमांडरों को सैन्य अनुसासन के साथ दिखाया गया है। सभी कमांडरों को अत्याधुनिक हथियारों और खास यूनिफॉर्म में दिखाया गया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की 10 सितंबर को प्रसारित रिपोर्ट के अनुसार, सात मिनट के इस वीडियो में, इन कमांडरों को भारी हथियारों और रॉकेट से पाकिस्तान की सेना के काफिले को निशाना बनाते देखा जा सकता है। वीडियो में सेनाके जवानों के शव भी दिखाए गए हैं। बीएलए के अनुसार,तीन सितंबर को फतेह स्क्वायड ने जियारत क्रॉस पशिन में पाकिस्तान की सेना के काफिले को निशाना बनाया। इस दौरान किला सैफुल्लाह स्काउट्स और एफसी 134 विंग की चार गाड़ियों पर हमला किया गया। हमले में आर्मी के एक ट्रक समेत दो गाड़ियां तबाह हो गईं। बीएलए के मुताबिक, हमले में 18 पाकिस्तानी आर्मी के जवान मारे गए और उनके सारे हथियार जब्त कर लिए गए। बीएलए के अनुसार, इसके बाद जियारत क्रॉस के पास खानीबाबा में एक निर्माण कंपनी की साइट पर कब्जा कर गाड़ियों समेत 14 भारी मशीनरी को नष्ट कर दिया। दोनों घटनाओं की पाकिस्तान की सेना पुष्टि कर चुकी है।

श्रीलंका में ग्रेनेड हमले में दो बच्चों की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के पश्चिमी प्रांत के कोलंबो जिले के देहिवला माउंट लाविनिया के कावडान में आज सुबह सिरिसंगाबो रोड पर स्थित एक घर पर हुए हैंड ग्रेनेड हमले में दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने एक बच्चे की आयु 10 वर्ष और दूसरे की 14 वर्ष बताई है। द मिरर अखबार के अनुसार, पुलिस ने बताया कि 10 साल के बच्चे की मौत कलुबोविला टीचिंग हॉस्पिटल में भर्ती होने के कुछ ही देर बाद हो गई, जबकि उसके 14 साल के भाई की मौत इलाज के दौरान हुई। इस धमाके में उनके 52 साल के पिता और दो अन्य बच्चे भी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि पिता का इलाज चल रहा है। ग्रेनेड हमले के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली मंडल पर परिचालन कारणों से कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली मंडल पर परिचालन संबंधी कारणों से रेलवे ने कुछ रेल सेवाओं के संचालन में अस्थायी परिवर्तन किया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, इसके चलते उत्तर पश्चिम रेलवे की कुछ रेल सेवाएं आंशिक रूप से रद्द रहेंगी, जबकि कुछ ट्रेनों का संचालन परिवर्तित मार्ग से किया जाएगा। गाड़ी संख्या 14737 भिवानी-तिलकब्रिज रेलसेवा 12 एवं 13 सितंबर को भिवानी से प्रस्थान कर शकूरबस्ती तक ही संचालित होगी। इसके चलते शकूरबस्ती-तिलकब्रिज के बीच रेलसेवा आंशिक रूप से रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 14738 तिलकब्रिज-भिवानी रेलसेवा 12 और 13 सितंबर को तिलकब्रिज के बजाय शकूरबस्ती से संचालित होगी। इस कारण तिलकब्रिज-शकूरबस्ती के बीच रेलसेवा आंशिक रूप से रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 14727 श्रीगंगानगर-तिलकब्रिज रेलसेवा 13 सितंबर को श्रीगंगानगर से प्रस्थान कर नई दिल्ली तक ही संचालित होगी। नई दिल्ली-तिलकब्रिज के बीच इसका संचालन आंशिक रूप से रद्द रहेगा। इसी तरह गाड़ी संख्या 15307 तिलकब्रिज-सिरसा रेलसेवा 11 और 12 सितंबर को तिलकब्रिज के बजाय नई दिल्ली से संचालित होगी। इस कारण तिलकब्रिज-नई दिल्ली के बीच रेलसेवा आंशिक रूप से रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 14030 मेरठ कैंट-श्रीगंगानगर रेलसेवा 13 सितंबर को मेरठ कैंट से प्रस्थान करेगी और परिवर्तित मार्ग साहिबाबाद, दिल्ली शाहदरा, दिल्ली जंक्शन तथा दिल्ली किशनगंज होकर संचालित होगी। गाड़ी संख्या 54411 रेवाड़ी-मेरठ कैंट रेलसेवा 12 सितंबर को रेवाड़ी से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग दिल्ली किशनगंज, दिल्ली जंक्शन, दिल्ली शाहदरा और साहिबाबाद होकर संचालित होगी।

बच्चों को अवैध दत्तक ग्रहण से बचाने के लिए पूरे बाल संरक्षण तंत्र में जागरूकता व सतर्कता बेहद जरूरी : कारा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अधीन केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा) की सीईओ भावना सक्सेना ने कहा कि बच्चों को अवैध दत्तक ग्रहण से बचाने के लिए पूरे बाल संरक्षण तंत्र में जागरूकता और सतर्कता बेहद जरूरी है। प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य और कानून का संरक्षण मिलना चाहिए। भावना सक्सेना ने अवैध तरीके से बच्चों को गोद लेने पर रोक लगाने और बच्चों के अधिकारों एवं सुरक्षा को मजबूत करने को लेकर गुरुवार शाम को दिल्ली सचिवालय में आयोजित दत्तक ग्रहण जागरूकता कार्यशाला में यह बात कही। उन्होंने कहा कि दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया में किसी भी तरह का शॉर्टकट नहीं हो सकता और इच्छुक दत्तक माता-पिता को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का ही पालन करना चाहिए। कार्यशाला में बाल संरक्षण और दत्तक ग्रहण व्यवस्था से जुड़े करीब 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें स्वास्थ्य और पुलिस विभाग के अधिकारी, बाल कल्याण समितियां, जिला बाल संरक्षण इकाइयां, दत्तक ग्रहण एजेंसियां, अस्पताल एवं नर्सिंग होम से जुड़े प्रतिनिधि, एएनएम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित विभिन्न हितधारक शामिल रहे। कार्यक्रम में कारा की सीईओ भावना सक्सेना, दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव रश्मि सिंह, दिल्ली पुलिस की डीसीपी नेहा यादव, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मोनिका भारद्वाज, दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ओपी व्यास और आउटर नॉर्थ जिले के सीएमओ डॉ. अनिल यादव समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दिल्ली सरकार की सचिव रश्मि सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य और पुलिस विभाग से लेकर एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकताओं, जिला बाल संरक्षण इकाइयों और बाल कल्याण समितियों तक सभी संबंधित पक्षों की भागीदारी व्यापक जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सामूहिक प्रयास बच्चों के सुरक्षित और संरक्षित बचपन के लिए संस्थागत प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं।

दिल्ली आरपीएफ ने 55 आपराधिक मामलों में वांछित शातिर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की दिल्ली मंडल टीम ने यात्रियों के सामान की चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 55 आपराधिक मामलों में वांछित एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से करीब डेढ़ लाख रुपये कीमत का आईफोन 17 प्रो मैक्स मोबाइल फोन बरामद किया गया है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि 8 सितंबर को दिल्ली मंडल की ह्यथेफ्ट ऑफ पैसेंजर बिलॉन्गिंग्सह्न टीम अपराधियों के विरुद्ध अभियान चला रही थी। इसी दौरान बिरला साइडिंग, सब्जी मंडी स्टेशन के पास रेलवे लाइनों पर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ में उसकी पहचान सौरभ उर्फ बंटी (23) पुत्र मुकेश, निवासी करोल बाग, महाराणा प्रताप कार मार्केट, दिल्ली के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से आईफोन 17 प्रो मैक्स मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 1.50 लाख रुपये बताई गई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह मोबाइल कीर्ति नगर क्षेत्र से चोरी किया था। इसके बाद आरपीएफ टीम ने तत्काल कीर्ति नगर थाना पुलिस को सूचना दी और आरोपी तथा बरामद मोबाइल फोन को सीलबंद हालत में संबंधित जांच अधिकारी को सौंप दिया। आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच में पता चला कि उसके विरुद्ध दिल्ली के विभिन्न थानों में कुल 55 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें चोरी, झपटमारी, चोरी की संपत्ति रखने, लूट, आर्म्स एक्ट तथा आईपीसी और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले शामिल हैं। रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों के अनुसार इस प्रकार की कार्रवाई से रेलवे स्टेशनों, रेलवे परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी तथा यात्रियों के सामान की चोरी की घटनाओं में कमी आएगी।

मणिपुर में अलग-अलग अभियानों में दो सक्रिय उग्रवादी कैडर गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के दो सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है। तेंगनौपाल पुलिस की एक टीम ने 10 सितंबर को खारौ खुल्लेन इलाके में तलाशी अभियान चलाकर थौबल जिले के हीरोक पार्ट-क्क्क निवासी निंगथौजम सुरेश सिंह (26), उर्फ चिंगसांग को गिरफ्तार किया। वह यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) का सक्रिय कैडर है। एक अन्य अभियान में, खुफिया सूचना के आधार पर 28 असम राइफल्स, 13/2 एफआईटी और 11 डब्ल्यूईयू के सहयोग से सीडीओ/इंफाल ईस्ट ने 10 सितंबर को खाबेइसोई, इंफाल ईस्ट से मोइरांगथेम सनाथोई मैतेई (19), उर्फ मरुखोई को गिरफ्तार किया। नांगाडा माखा लीकाई निवासी सनाथोई आरपीएफ/पीएलए का सक्रिय सदस्य बताया गया है। पुलिस के अनुसार, वह अगस्त 2026 में संगठन में शामिल हुआ था और कथित तौर पर नए कैडरों की भर्ती में शामिल था। उसके कब्जे से एक स्कूटर और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया।

नेपाल में बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण के लिए 7.23 लाख करोड़ रुपये की जरूरत का अनुमान

एजेंसी

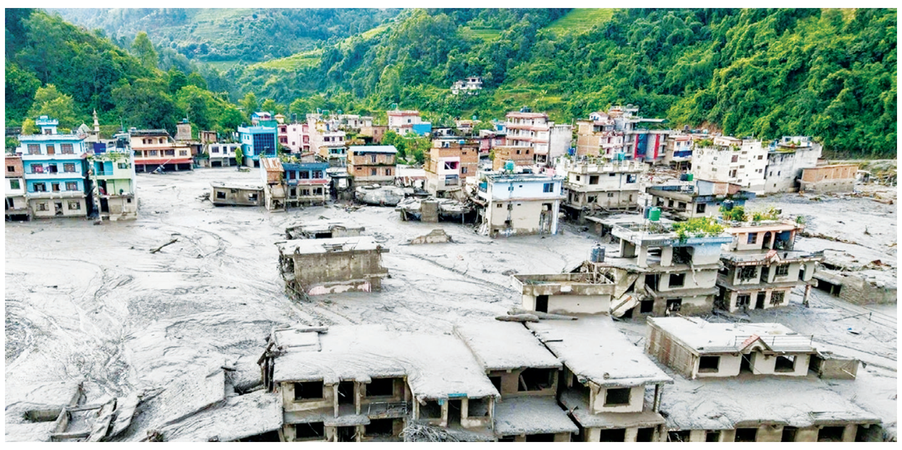

काठमांडू। पिछले माह 26 अगस्त को तिब्बत से भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से हुए नुकसान के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए 7.23 लाख करोड़ नेपाली रुपये की जरूरत होने का अनुमान लगाया गया है। सरकार की रैपिड डैमेज एंड नीड्स असेसमेंट (आडीएनए) रिपोर्ट के अनुसार, भोटेकोशी बाढ़ से क्षतिग्रस्त भौतिक बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए 7 खरब 23 अरब 31 करोड़ 52 लाख रुपये की आवश्यकता होगी। अब तक 1,377 लोगों की जान ले चुकी इस विनाशकारी बाढ़ ने रसुवा, नुवाकोट और धादिंग समेत कई क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। बाढ़ में लोगों के घर, खेत, कारोबार, सड़कें, पुल, ड्राई पोर्ट, मालवाहक कंटेनर और सीमा नाके पर पहुंचे वाहन तक बह गए। राष्ट्रीय योजना आयोग और राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण समेत विभिन्न निकायों की संयुक्त तकनीकी टीम ने यह प्रारंभिक आकलन तैयार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित बुनियादी ढांचा क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए 4 खरब 3 अरब 57 करोड़ 19 लाख रुपये की जरूरत होगी, जो कुल पुनरुद्धार आवश्यकता का करीब 75 प्रतिशत है। ऊर्जा क्षेत्र को सबसे ज्यादा नुकसानः बाढ़ से ऊर्जा और सड़क बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है। 759 मेगावाट क्षमता वाली 13 जलविद्युत परियोजनाएं और 24 मेगावाट क्षमता के 5 सौर संयंत्र प्रभावित हुए हैं। ऊर्जा और ग्रिड प्रणाली के पुनरुद्धार के लिए अकेले 3 खरब 90 अरब 62 करोड़ 30 लाख 40 हजार रुपये की आवश्यकता होने का अनुमान है। इसी तरह 69 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। 33 मोटरेबल पुल बह गए, जबकि चार पुलों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के 64 झूला पुलों में से 53 क्षतिग्रस्त हुए हैं। पूरे परिवहन बुनियादी ढांचे के पुनरुद्धार के लिए 73 अरब 34 करोड़ 29 लाख 60 हजार रुपये की जरूरत होगी। 7,570 निजी घर क्षतिग्रस्तः बाढ़ ने सामाजिक और उत्पादन क्षेत्रों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन में 7,570 निजी घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अलावा 48 सरकारी भवन, 18 स्कूल, 7 स्वास्थ्य संस्थान और 30 सांस्कृतिक विरासत स्थल प्रभावित हुए हैं। इन क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए 1 खरब 3 अरब 54 करोड़ 99 लाख रुपये की जरूरत होगी। व्यापार, व्यवसाय, बैंकिंग और कृषि समेत उत्पादक क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए 50 अरब 77 करोड़ 49 लाख रुपये की आवश्यकता होने का अनुमान है। इस क्षेत्र में 1,806 हेक्टेयर कृषि फसल, 17 बैंक शाखाएं और 4,800 व्यावसायिक प्रतिष्ठान प्रभावित हुए हैं। पांच जिलों के 15 प्रभावित स्थानीय निकायों में से केवल नुवाकोट के विदुर नगरपालिका क्षेत्र में 3,026 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। रिपोर्ट में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और नदी प्रबंधन के लिए 94 अरब 75 करोड़ 31 लाख रुपये, जबकि कीचड़ और मलबा प्रबंधन के लिए 51 करोड़ 54 लाख रुपये की जरूरत बताई गई है। दो चरण में होगा पुनर्निर्माणः रिपोर्ट के अनुसार पुनर्निर्माण को दो चरणों में बांटा गया है। अगले छह महीनों में तत्काल राहत और अल्पकालीन पुनर्निर्माण के लिए 8 अरब 73 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। वहीं दीर्घकालीन पुनर्निर्माण के लिए 7 खरब 14 अरब 58 करोड़ 2 लाख रुपये की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण के वरिष्ठ डिविजनल इंजीनियर और समिति के सदस्य सुशील कुमार श्रेष्ठ ने बताया कि संबंधित मंत्रालयों, विभागों और निकायों से आंकड़े और विवरण जुटाकर उनका विश्लेषण किया गया है। इसके आधार पर नुकसान और पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक संसाधनों की प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की गई है। पीडीएनए प्रक्रिया शुरू, तीन महीने में रिपोर्ट आने की उम्मीदः सरकार ने आपदा के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए पोस्ट-डिजास्टर नीड्स असेसमेंट (पीडीएनए) प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। राष्ट्रीय योजना आयोग ने इसकी प्रक्रिया आगे बढ़ा दी है। आयोग के प्रवक्ता हरिशरण पुडासैनी के अनुसार, करीब तीन महीने में पीडीएनए रिपोर्ट तैयार हो सकती है। फिलहाल आयोग प्रश्नावली तैयार करने और फील्ड में जाकर विस्तृत अध्ययन करने की तैयारी कर रहा है।